खबरों के 68 साल, खबरें लगातार, ई पेपर - www.deshbandhump. com

पत्र नहीं मित्र

संपर्क करें ➡ jabdesh1@yahoo.com

देशबन्धु

जबलपुर, बुधवार 06 दिसम्बर 2023 | वर्ष –68 | अंक –26 | पृष्ठ –12 | मूल्य – 3.00 रु.

■ राजस्थान के भाजपायी... ■ सकारात्मकता का पाठ... 04

■ ब्रिटिश सरकार ने भारतीयों के लिए ब्रिटेन... ■ मानवीय आपूर्ति ले जाने वाले केवल 100... 09

■ शेयर बाजार नई रिकॉर्ड ऊंचाई पर... ■ कच्चा तेल 80 डॉलर से नीचे, पेट्रोल... 11

■ मैक्सवेल की निगाहें... ■ बल्लेबाज रोहित शर्मा... 10

सार संक्षेप

संस्कृत संस्कृति की पहचान तथा प्रगति का आधार भी : मुर्मू

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने संस्कृत भाषा को देश की संस्कृति की पहचान तथा संवाहक बताते हुए आज कहा कि यह देश की प्रगति का भी आधार है। श्रीमती मुर्मु ने मंगलवार को यहां श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के पहले दीक्षांत समारोह में कहा , संस्कृत हमारी संस्कृति की पहचान और संवाहक रही है। यह हमारे देश की प्रगति का आधार भी रही है। संस्कृत की व्याकरण इस भाषा को अद्वितीय वैज्ञानिक आधार देती है। यह मानवीय प्रतिभा की अनूठी उपलब्धि है और हमें इस पर गर्व होना चाहिए।

वाइस एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी भारतीय नौसेना के अगले उप प्रमुख बने

जनवरी में संभालेंगे कमान

नई दिल्ली। पश्चिमी नौसेना के कमांडर वाइस एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी को भारतीय नौसेना के अगले उप प्रमुख के तौर पर नियुक्त किया गया है। वर्तमान में वह मुंबई स्थित भारतीय नौसेना के पश्चिमी कमान का नेतृत्व कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार, वाइस एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी चार जनवरी, 2024 को नौसेना के अगले उप प्रमुख के रूप में अपना पदभार ग्रहण करेंगे। वहीं, वाइस एडमिरल एसजे सिंह, वाइस एडमिरल दिनेश त्रिपाठी का स्थान लेंगे। वाइस एडमिरल एसजे सिंह अगले पश्चिमी नौसेना कमांडर होंगे। फिलहाल वह नौसेना स्टाफ के उप प्रमुख हैं।

सूचना

सुधि पाठकों के लिए देशबन्धु अखबार का ई–पेपर
epaper.deshbandhump.com
वेबसाइट पर भी उपलब्ध है।

बिरादरी कीबात

चूहा-सुनती हो- इंडिया गठबंधन की बैठक टल गई है।
चुहिया- हां प्रिये-हिन्दी पट्टी में झटका जोर का है। आहिस्ता से आराम लगेगा।

दक्षिण आंध्र प्रदेश और उत्तरी तमिलनाडु तटों से टकराया मिचौंग तूफान

भारी तबाही, 12 मौतें

25 हजार से ज्यादा का विस्थापन, तीन सौ से ज्यादा राहत शिविर

एनडीआरएफ की तीस से ज्यादा टीमें प्रभावित क्षेत्रों में जुटीं

50 से ज्यादा उड़ाने, 100 से ज्यादा ट्रेनें रद्द

100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चली हवाएं

चेन्नई, (एजेंसियां)। बंगाल की खाड़ी से 2 दिसंबर को उठा तूफान मिचौंग मंगलवार दोपहर आंध्र प्रदेश के तट से टकराया। मौसम विभाग के मुताबिक दोपहर ठीक 1 बजे तूफान बापटला में नेल्लोर-मछलीपट्टनम के बीच लैंडफॉल कर गया। लैंडफॉल के दौरान 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं। अभी भी तेज हवाओं के साथ बारिश हो रही है।

तूफान अगले दो घंटे में कमजोर होकर आगे बढ़ जाएगा। तूफान का सबसे ज्यादा असर आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु में है। दोनों राज्यों में 100 से ज्यादा ट्रेनें और 50 से ज्यादा उड़ाने कर दी गई हैं। आंध्र प्रदेश के कोस्टल एरिया से 9 हजार से ज्यादा लोगों को सुरक्षित ठिकानों पर पहुंचाया। तमिलनाडु में तूफान की वजह से रविवार से भारी बारिश हो रही है। तमिलनाडु के मुख्य सचिव ने बताया कि राज्य में 2 दिनों के भीतर 3 महीने की बारिश हो गई है। चेन्नई शहर बारिश की वजह से डूब चुका है। 12 लोगों की मौत हो चुकी है।

मिचौंग तूफान का असर तमिलनाडु पर सबसे ज्यादा रहा। 3 दिसंबर सुबह से अब तक चेन्नई में करीब 400-500 मिलीमीटर बारिश हो चुकी है। तमिलनाडु के वाटर सप्लाई मिनिस्टर के मुताबिक, शहर में 70-80 साल में पहली बार ऐसी बारिश हुई है। राज्य में एनडीआरएफ की 7 टीमें तैनात की गई हैं। इसके अलावा कोस्टल रीजन में रेड अलर्ट जारी किया गया है।

प्रधानमंत्री और केन्द्रीय गृहमंत्री ने मुख्यमंत्रियों से की बात

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने प्रभावित राज्यों को केंद्र की ओर से हरसंभव मदद का आश्वासन दिया है। उन्होंने मिचौंग के कारण उत्पन्न स्थिति पर तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी और पुडुचेरी के मुख्यमंत्री एन. रंगास्वामी से फोन पर बात की। एनडीआरएफ की पर्याप्त तैनाती पहले ही की जा चुकी है। अतिरिक्त टीमें भी सहायता के लिए तैयार हैं।

करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखदेव की दिन- दहाड़े गोली मारकर हत्या

ऑफिस में बातचीत के बहाने पहुंचे हमलावर और शुरू कर दी धांय-धांय

जयपुर। राजस्थान की राजधानी जयपुर में मंगलवार सुबह राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की गोली मारकर हत्या कर दी। स्कूटी पर आए 2 बदमाशों ने सुखदेव सिंह गोगामेड़ी से मिलने के बहाने उनसे बातचीत की। तकरीबन 10 मिनट तक बातचीत करने के बाद दोनों बदमाशों ने ताबतोड़ गोलियां चला दी। उनकी हत्या के बाद जयपुर में हड़कंप मच गया है। सुखदेव सिंह के आवास पर भारी पुलिस बल तैनात है। जानकारी के मुताबिक, उन्हें चार गोलियां मारी गई।

सीसीटीवी में कैद हुई वारदात -हत्या की वारदात सीसीटीवी फुटेज में कैद हो गई। फुटेज के अनुसार, दो हत्यारे, सुखदेव सिंह गोगामेड़ी और कुछ लोग आपस में बातचीत करते दिखाई दे रहे हैं। अचानक दो हमलावरों ने गोलियों से फायरिंग शुरू कर दी। सोफे पर बैठे सुखदेव सिंह को बचने का कोई मौका नहीं मिला और तकरीबन चार गोलियां उनके शरीर पर दाग दी गई।

हत्या को लेकर राजपूत समुदाय में आक्रोश-गोली लगने के बाद सुखदेव सिंह गोगामेड़ी को मेट्रो मास अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। ➤➤शेष पृष्ठ 2 पर

सीसी टीवी कैमरे का फुटेज जिसमें हत्यारा गोली दाग रहा है।

मुख्यमंत्री पद का दावेदार न पहले था, न अब, न दिल्ली जाऊंगा : शिवराज

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में भाजपा की प्रचंड जीत के बाद मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को कहा कि- वह पहले या अब भी, कभी मुख्यमंत्री पद के दावेदार नहीं रहे हैं, न दिल्ली जाऊंगा। चौहान ने अपने आधिकारिक 'एक्स' अकाउंट पर साझा किए गए एक वीडियो बयान में कहा कि एक पार्टी कार्यकर्ता के रूप में, मैंने हमेशा भाजपा द्वारा सौंपे गए किसी भी कार्य को अपनी सर्वोत्तम क्षमता, वास्तविकता और ईमानदारी से एवं समर्पण के साथ किया है।' चार बार मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री रह चुके 64 वर्षीय नेता ने कहा कि वह 'भाजपा के कार्यकर्ता' होने के लिए भाग्यशाली हैं।

रेवंत रेड्डी होंगे तेलंगाना के नए मुख्यमंत्री

7 दिसम्बर को लेंगे शपथ, राहुल भी शामिल होंगे

हैदराबाद, (एजेंसियां)। तेलंगाना के अगले मुख्यमंत्री प्रदेश अध्यक्ष ए. रेवंत रेड्डी होंगे। रेड्डी का शपथ ग्रहण समारोह 7 दिसंबर को होगा। इसमें कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी सहित कई नेता मौजूद रहेंगे। कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने मंगलवार को कहा कि रेवंत रेड्डी पार्टी विधायक दल के नेता चुने गए हैं। उन्होंने पार्टी की ओर से प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए कहा, 'कांग्रेस विधायक दल की बैठक हैदराबाद में हुई। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार सहित अन्य नेता मीटिंग में शामिल हुए।

इंडिया गठबंधन की आज होने वाली बैठक टली

सहयोगियों के साथ बात करके नई तारीख का होगा ऐलान

नई दिल्ली, देशबन्धु। विपक्षी दलों के गठबंधन इंडिया की बुधवार 6 दिसम्बर को होने वाली अहम बैठक टाल दी गई है। इसे चार राज्यों के चुनाव परिणाम आने के ठीक बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बुलाई थी। गठबंधन के प्रमुख नेताओं द्वारा इस बैठक में शामिल होने से इनकार किए जाने के बाद यह बैठक स्थगित कर दी गई है। माना जा रहा है कि अब सभी सहयोगी दलों के साथ सलाह-मशविरा किए जाने के बाद इसकी नई तारीख तय की जाएगी।

मालूम हो कि कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे द्वारा अचानक बैठक की तारीख तय कर दिए जाने के बाद पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अलग-अलग कारणों का हवाला देकर इस बैठक में शामिल होने से इनकार कर दिया था। वहीं तमिलनाडु में आए चक्रवात के चलते सूबे के मुख्यमंत्री स्टालिन के भाग लेने की संभावना भी नहीं थी। इसको देखते हुए आज बैठक को स्थगित कर दिया गया।

17 को बैठक होगी, सब रहेंगे: लालू

इंडिया गबठबंधन की बैठक अब 17 दिसंबर की जाएगी। पहले पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, फिर यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के साथ जब इस विपक्षी एकता के सूत्रधार नीतीश कुमार ने कांग्रेस की ओर से मुकर्रर तारीख छह दिसंबर को लेकर दूरी बना ली तो बैठक रद्द करनी पड़ी। अब राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव एक बार फिर सामने आए और जानकारी दी 17 दिसंबर को बैठक होगी। सब रहेंगे।

संसद मे उठा सनातन का मुद्दा, भाजपा ने की उदयनिधि को बर्खास्त करने मांग

विंध्यवासिनी त्रिपाठी

नई दिल्ली, देशबन्धु। मंगलवार को राज्यसभा में सनातन धर्म को लेकर विवादित टिप्पणी करने वाले तमिलनाडु सरकार में मंत्री उदयनिधि स्टालिन को बर्खास्त करने और उन पर मुकदमा चलाने का मामला उठा। शून्यकाल में भाजपा सांसद जीवीएल नरसिम्हा राव ने इस मामले को उठाते हुए कहाकि उदयनिधि ने सनातन और हिंदू धर्म को लेकर नफरती भाषण दिया है। जो कि बेहद आपत्तिजनक और हिंदू भावनाओं का अनादर है। इसलिए न केवल उन्हें डीएमके सरकार से बर्खास्त किया जाए बल्कि उन पर मुकदमा भी चलाया जाना चाहिए।

इस दौरान उन्होंने इंडिया गठबंधन को भी निशाना बनाकर कहाकि यह सनातन धर्म को खत्म करना है। उन्होंने आरोप लगाया कि इंडिया गठबंधन का उद्देश्य भारत विरोधी एजेंडा चलाना है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने इस पर कोई आपत्ति नही जताई, बल्कि अपने बेटे उदयनिधि का समर्थन किया। जिसने समाज में नफरत फैलाने का वाला काम किया है। हालांकि राज्यसभा में मौजूद डीएमके सांसदों ने इसका विरोध करते हुए कहाकि भाजपा सांसद उदयनिधि के बयानों को तोडमरोडकर पेश कर रहे हैं,जबकि उन्होंने सनातन धर्म को खत्म करने की बात बिल्कुल नहीं कही थी।

जोजिला दर्रा सड़क हादसे में 7 पर्यटकों की मौत

मोड़ पर गहरी खाई में गिरा वाहन

श्रीनगर, (एजेंसियां)। लद्दाख क्षेत्र को कश्मीर घाटी से जोड़ने वाले जोजिला दर्रा क्षेत्र में मंगलवार को एक सड़क दुर्घटना में सात पर्यटकों की मौत हो गई। यह जानकारी अधिकारियों ने दी। अधिकारियों ने कहा कि पर्यटकों और चालक को ले जा रहा एक वाहन जोजिला दर्रे पर यादव मोड़ के पास चालक के नियंत्रण से बाहर हो गया और गहरी खाई में गिर गया। इस दुर्घटना में केरल के सात पर्यटकों की मौत हो गई है, जबकि वाहन चालक को गंभीर चोटें आई हैं। दर्दनाक हादसे की खबर मिलते ही पुलिस ने राहत एवं बचाव अभियान शुरू कर दिया।

अब फेमटो सेकेण्ड लेजर - विक्टस से
मोतियाबिंद ऑपरेशन
मध्य भारत का सबसे आधुनिक
नया युग
आधुनिक नेत्र चिकित्सा ब्लेड फ्री, दर्द रहित, बिना इंजेक्शन, बिना पट्टी, बिना भर्ती, कुछ ही मिनटों में उपचार वापस अपने काम पर
डॉ। पवन स्थापक-सीधा संपर्क/ जांच एवं ऑपरेशन मोबाईल-9754601010, 9516244894
जनज्योति सुपर स्पेशिलटी आई हॉस्पिटल, गोलबाजार, जबलपुर

A.P.N. C.B.S.E. SENIOR SECONDARY SCHOOL
Affiliation No.: 1031302
School No.: 51319
An English Medium Co-educational School
ADMISSIONS OPEN
Class: Nursery 12th
(Science, Commerce & Humanities)
Call us: 0761-2676370, 9826587200
Sadar, Jabalpur Cantt, Web: www.apncbseschool.com
E-mail: apncbseschool@gmail.com

शोध प्रदूषण पर नियंत्रण से कम हो सकती हैं 82 फीसदी मौतें

दुनिया में हर वर्ष 83 लाख मौतों का जिम्मेदार है प्रदूषण

नई दिल्ली। शोध से पता चला है कि खुली हवा में मौजूद प्रदूषण हर साल 83 लाख से ज्यादा जिंदगियों को निगल रहा है, जिसके 61 फीसद के लिए जीवाश्म ईंधन से होता उत्सर्जन जिम्मेवार है। ब्रिटिश मेडिकल जर्नल (बीएमजे) में प्रकाशित एक शोध के मुताबिक घरों, इमारतों से बाहर वातावरण में मौजूद वायु प्रदूषण भारत में हर साल 21.8 लाख जिंदगियों को छीन रहा है। यदि वैश्विक स्तर पर देखें तो चीन के बाद भारत दूसरा ऐसा देश है जहां वायु प्रदूषण इतनी बड़ी संख्या में लोगों की जिंदगियों को लील रहा है।

चीन में हर साल 24.4 लाख लोगों की मौत की वजह बन रहा-शोध में जो आंकड़े साझा किए हैं उनके मुताबिक चीन में प्रदूषण हर साल 24.4 लाख लोगों की मौत की वजह बन रहा है। वहीं, यदि वैश्विक स्तर पर देखें तो जीवाश्म ईंधन के उपयोग से होने वाले वायु प्रदूषण दुनिया भर में हर साल करीब 51.3 लाख लोगों को मौत के घाट उतार रहा है। इस जीवाश्म ईंधन का उपयोग उद्योग, बिजली उत्पादन और परिवहन जैसे क्षेत्रों में किया जा रहा है। अपने इस अध्ययन में शोधकर्ताओं ने ग्लोबल बर्डन आफ डिजीज स्टडी 2019 के साथ-साथ वातावरण में मौजूद प्रदूषण के महीन कणों की मौजूदगी की जानकारी के लिए नासा के उपग्रहों से प्राप्त आंकड़ों की मदद ली है।

रिसर्च करने वाले वैज्ञानिक जीवाश्म ईंधन पर कर रहे स्टडी-साथ ही उन्होंने इसके लिए ऐसे माडलों का उपयोग किया है जो वातावरण की परिस्थितियों और एरोसोल के साथ-साथ स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों का विश्लेषण कर सकते हैं। इनकी मदद से शोधकताओं ने यह समझने का प्रयास किया है कि जीवाश्म ईंधन से होने वाला वायु प्रदूषण कितने लोगों की जान ले रहा है और यदि जीवाश्म ईंधन को स्वच्छ और अक्षय ऊर्जा स्रोतों से बदल दिया जाए तो उससे लोगों के स्वास्थ्य को कितना फायदा होगा।

भारत में हर साल 22 लाख जिंदगियां छीन रहा प्रदूषण

इस अध्ययन के जो नतीजे सामने आए हैं उनके मुताबिक दुनिया भर में 2019 के दौरान सभी स्रोतों से होने वाले वायु प्रदूषण के चलते 83.4 लाख लोगों की असमय मृत्यु हो गई थी। ➤➤शेष पृष्ठ 2 पर

देश-विदेश

लोकसभा में तख्तियां लाने वाले सांसदों के खिलाफ होगी कार्रवाई

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मंगलवार को सांसदों को लोकसभा में तख्तियां लाने के प्रति आगाह किया है। अध्यक्ष ने कहा कि सदन में गरिमा और अनुशासन बनाए रखने की जरूरत है। अध्यक्ष की यह टिप्पणी बसपा सदस्य दानिश अली द्वारा कथित तौर पर उनके खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने के लिए भाजपा सांसद रमेश बिधूड़ी के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए गले में तख्ती लटकाए जाने के एक दिन बाद आई है। ओम बिरला ने कहा, कल बिजनेस एडवाइजरी कमेटी की बैठक में पार्टियों के बीच इस बात पर सहमति बनी कि वे नए संसद भवन में तख्तियां नहीं लाएंगे। मैं सभी से संसद में गरिमा और अनुशासन बनाए रखने की अपील करता हूं। मुझे तख्तियां लाने वाले सांसदों के खिलाफ कार्रवाई करनी होगी।

भारत व केन्या वन संरक्षण के क्षेत्र में करेंगे सहयोग

प्रधानमंत्री मोदी व केन्या के राष्ट्रपति ने की बैठक

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। भारत एवं केन्या ने अपने राजनयिक संबंधों की 60वीं वर्षगांठ के मौके पर पर्यावरण एवं वन संपदा के संरक्षण तथा स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में मिल कर काम करने का संकल्प लिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्या के राष्ट्रपति विलियम सामोई रूतो के साथ यहां हैदराबाद हाउस में हुई द्विपक्षीय शिखर बैठक में ये संकल्प लिए गए।

दोनों देशों के बीच विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए कई समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए। श्री मोदी ने अपने वक्तव्य में कहा कि भारत की विदेश नीति में अफ्रीका को हमेशा उच्च प्राथमिकता का स्थान दिया गया है। पिछले लगभग एक दशक में हमने मिशन मोड में अफ्रीका के साथ अपना सहयोग बढ़ाया है। इस वर्ष हम भारत और केन्या के राजनयिक संबंधों की साठवीं वर्षगांठ मना रहे हैं, किन्तु हमारे संबंधों का हजारों वर्ष पुराना इतिहास है।

उन्होंने कहा कि भारत और केन्या के बीच आपसी व्यापार और निवेश में लगातार प्रगति हो रही है। हमारे आर्थिक सहयोग की पूरी क्षमता का दोहन करने के लिए हम नए अवसरों की तलाश जारी रखेंगे। उन्होंने कहा, भारत एवं केन्या, दो कृषि प्रधान अर्थव्यवस्थाओं के रूप में, हम अपने अनुभव साझा करने पर सहमत हुए हैं। केन्या के कृषि क्षेत्र को आधुनिक बनाने के लिए, हम 25 करोड़ डॉलर का ऋण प्रदान करने पर सहमत हुए हैं।

शांति स्थापना कार्यों के लिए संयुक्त राष्ट्र शांति सेना प्रमुख द्वारा भारत की सराहना

नई दिल्ली। संयुक्त राष्ट्र शांति सेना प्रमुख जीन-पियरे लैक्रॉस ने भारत को लेकर बड़ी बात कही है। उन्होंने कहा कि सैन्य और पुलिस योगदान देने वाले प्रमुख देशों में से भारत ने शांति स्थापना अभियानों में सुधार के लिए लगातार सहयोग और समर्थन किया है। शांति स्थापना में हम भारत को एक प्रमुख भागीदार मानते हैं।

एक साक्षात्कार में उन्होंने कहा, हम इस मुद्दे पर तो पूर्ण रूप से भारत पर भरोसा करते हैं। भारत ने हमेशा में शांति स्थापना के लिए सभी पहलों का लगातार समर्थन किया है। लैक्रॉस ने कहा कि भारत के पास कई क्षमताएं हैं जो संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना के साथ सहयोग के लिए अवसर प्रदान करती हैं। लैक्रॉस ने भारत के साथ प्रौद्योगिकी पर भारत के साथ सहयोग करने पर अत्यधिक जोर दिया। उन्होंने कहा, हम शांति स्थापना में महिलाओं की भूमिका और संख्या बढ़ाने के मामले में भी भारत से मदद की उम्मीद करते हैं। ऐसे कई क्षेत्र हैं, जिसमें भारत की भूमिका और सहयोग बहुत महत्वपूर्ण होगा। भारत की तारीफ करते हुए लैक्रॉस शांति सैनिकों के खिलाफ अपराधों के लिए जवाबदेही पर भारत अग्रणी रहा है। हम इसके लिए भारत के आभारी हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र शांति सेना प्रमुख ने कहा, हमारा लक्ष्य शांति समझौतों और संबंधित प्रक्रियाओं को सुरक्षित करने और लागू करने में मदद करना है।

समक्ष श्रीमान जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोषण फोरम कंमाक 2 जिला जबलपुर म.प्र.

प्रकरण क्रं. 140/2023
परिवादी – सबरून्निशा
विरूद्ध
अनावेदक – सांई कमल ग्रुप व अन्य
पेशी दिनांक 04.02.2024

यह कि, प्रार्थी सबरून्निशा सिददीकी पति मोहम्मद सलीम उम्र 50 वर्ष निवासी एच.4 पंचशील नगर जिला जबलपुर ने आप अनावेदक 1–सांई कमल ग्रुप कार्यालय 102 द्वितीय तल चंद्रिका टॉवर नेपियर टाउन जिला जबलपुर म.प्र. द्वारा प्रोपराईटर अमरीत कौर रील पिता स्व. रनवीर सिंह रील निवासी 520/1 गुप्तेश्वर रोड, मदन महल जिला जबलपुर म.प्र. 2–श्रीमति कमल कौर पत्नि स्व. रनवीर सिंह रील निवासी 520/1 गुप्तेश्वर रोड, मदन महल जिला जबलपुर म.प्र. के विरूद्ध अंतर्गत धारा 35 उपभोक्ता सरंक्षण अधिनियम 2019 के तहत परिवाद प्रस्तुत किया है। अत: आपको फोरम 04.02.2024 को 10.30 बजे परिवाद का उत्तर देने के लिये द्वारा उपसंजात हाजिर होने के लिये सम्मन जारी किया जाता है। आप फोरम में स्वंय या किसी अधिवक्ता द्वारा उपसंजात हो सकते है जिसे समयंक अनुतोषण दिये गये है। जो इस परिवाद से संबंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सकें। जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे प्रश्नो का उत्तर दे सकें। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन दाखिल करे और उस दिन ऐसे सच दस्तावेजों को जो आपके कब्जे व शक्ति में हो पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा आधारित हो। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई दिनांक को इस न्यायालय में उपस्थित नही होगे तो प्रकरण की एकपक्षीय सुनवाई कर उसका निराकरण आपकी अनुपस्थिति में कर दिया जायेगा।

नोट– उक्त दिनांक को किसी कारणवश सार्वजनिक अवकाश हो जाता है तो प्रकरण की सुनवाई अगले कार्यदिवस पर जावेगी। यह आज तारीख 23/11/2023 को मेरे हस्ताक्षर से व मुद्रा लगाकर दिया गया है।

जबलपुर, दिनांक–23/11/0023

र.नं. 1694

अध्यक्ष
जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोषण फोरम कंमाक-2 जबलपुर

समक्ष श्रीमान जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोषण फोरम कंमाक 2 जिला जबलपुर म.प्र.

प्रकरण क्रं. 142/2023
परिवादी – शेख खलील
विरूद्ध
अनावेदक – सांई कमल ग्रुप व अन्य
पेशी दिनांक 04.02.2024

यह कि, प्रार्थी शेख खलील पिता शबरूददीन उम्र 45 वर्ष निवासी ए टाईप कालोनी, क्वार्टर नं. 47 वार्ड नं. 18 गुढ़ी एकलहरा खेल मैदान के पास, छिंदवाड़ा म.प्र. ने आप अनावेदक 1–सांई कमल ग्रुप कार्यालय 102 द्वितीय तल चंद्रिका टॉवर नेपियर टाउन जिला जबलपुर म.प्र. द्वारा प्रोपराईटर अमरीत कौर रील पिता स्व. रनवीर सिंह रील निवासी 520/1 गुप्तेश्वर रोड, मदन महल जिला जबलपुर म.प्र. 2–श्रीमति कमल कौर पत्नि स्व. रनवीर सिंह रील निवासी 520/1 गुप्तेश्वर रोड, मदन महल जिला जबलपुर म.प्र. के विरूद्ध अंतर्गत धारा 35 उपभोक्ता सरंक्षण अधिनियम 2019 के तहत परिवाद प्रस्तुत किया है। अत: आपको फोरम 04.02.2024 को 10.30 बजे परिवाद का उत्तर देने के लिये द्वारा उपसंजात हाजिर होने के लिये सम्मन जारी किया जाता है। आप फोरम में स्वंय या किसी अधिवक्ता द्वारा उपसंजात हो सकते है जिसे समयंक अनुतोषण दिये गये है। जो इस परिवाद से संबंधित सभी सारवान प्रश्नो का उत्तर दे सकें। जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे प्रश्नो का उत्तर दे सकें। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन दाखिल करे और उस दिन ऐसे सच दस्तावेजों को जो आपके कब्जे व शक्ति में हो पेश करे जिन पर आपकी प्रतिरक्षा आधारित हो। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई दिनांक को इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो प्रकरण की एकपक्षीय सुनवाई कर उसका निराकरण आपकी अनुपस्थिति में कर दिया जायेगा।

नोट– उक्त दिनांक को किसी कारणवश सार्वजनिक अवकाश हो जाता है तो प्रकरण की सुनवाई अगले कार्यदिवस पर की जावेगी।

यह आज तारीख 23/11/2023 को मेरे हस्ताक्षर से व मुद्रा लगाकर दिया गया है।

जबलपुर, दिनांक–23/11/0023

र.नं. 1695

अध्यक्ष
जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोषण फोरम कंमाक-2 जबलपुर

समक्ष श्रीमान जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोषण फोरम कंमाक 2 जिला जबलपुर म.प्र.

प्रकरण क्रं. 141/2023
परिवादी – महरून्निशा
विरूद्ध
अनावेदक – सांई कमल ग्रुप व अन्य
पेशी दिनांक 04.02.2024

यह कि, प्रार्थी महरून्निशां पति शब्बीर अहमद उम्र 45 वर्ष निवासी एन. 11, हाथीताल कालोनी, जिला जबलपुर म.प्र. ने आप अनावेदक 1 सांई कमल ग्रुप कार्यालय 102 द्वितीय तल चंद्रिका टॉवर नेपियर टाउन जिला जबलपुर म.प्र. द्वारा प्रोपराईटर अमरीत कौर रील पिता स्व. रनवीर सिंह रील निवासी 520/1 गुप्तेश्वर रोड, मदन महल जिला जबलपुर म.प्र. 2–श्रीमति कमल कौर पत्नि स्व. रनवीर सिंह रील निवासी 520/1 गुप्तेश्वर रोड, मदन महल जिला जबलपुर म.प्र. के विरूद्ध अंतर्गत धारा 35 उपभोक्ता सरंक्षण अधिनियम 2019 के तहत परिवाद प्रस्तुत किया है। अत: आपको फोरम 04.02.2024 को 10.30 बजे परिवाद का उत्तर देने के लिये द्वारा उपसंजात हाजिर होने के लिये सम्मन जारी किया जाता है। आप फोरम में स्वंय या किसी अधिवक्ता द्वारा उपसंजात हो सकते है जिसे समयंक अनुतोषण दिये गये है। जो इस परिवाद से संबंधित सभी सारवान प्रश्नो का उत्तर दे सकें। जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे प्रश्नों का उत्तर दे सकें। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन दाखिल करे और उस दिन ऐसे सच दस्तावेजो को जो आपके कब्जे व शक्ति में हो पेश करे जिन पर आपकी प्रतिरक्षा आधारित हो। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई दिनांक को इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो प्रकरण की एकपक्षीय सुनवाई कर उसका निराकरण आपकी अनुपस्थिति में कर दिया जायेगा।

नोट– उक्त दिनांक को किसी कारणवश सार्वजनिक अवकाश हो जाता है तो प्रकरण की सुनवाई अगले कार्यदिवस पर जावेगी। यह आज तारीख 23/11/2023 को मेरे हस्ताक्षर से व मुद्रा लगाकर दिया गया है।

जबलपुर, दिनांक–23/11/0023

र.नं. 1693

अध्यक्ष
जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोषण फोरम कंमाक-2 जबलपुर

आम सूचना नाम परिवर्तन

आम जनता को सूचनार्थ प्रकाशित एवं सूचित किया जाता है कि मैं दीप सिंह (Deep Singh) (नया नाम) आत्मज श्री गिरवर लाल निवासी–22 ब्रजमोहन नगर रामपुर छापर जबलपुर जिसे आज के पूर्व मेरे पुराने नाम दीपक डहरिया (Deepak Daharia) के नाम से जाना जाता था. जिसे बदलकर मैंने अपना नया नाम दीप सिंह (Deep Singh) कर लिया है. आज के पश्वात मुझे मेरे नये नाम दीप सिंह (Deep Singh) के नाम से जाना पहचाना जाना एवं समझा जावे। मेरे नये नाम एवं नये हस्ताक्षर पुराने नाम एवं पुराने हस्ताक्षर निम्नानुसार है–

पुराना नाम एवं पुराना हस्ताक्षर
दीपक डहरिया
(Deepak Daharia)
नया नाम एवं नया हस्ताक्षर
दीप सिंह
(Deep Singh)
स्थान– जबलपुर
दिनांक –

र.नं. 1702

पश्चिम मध्य रेल

ई–ऑक्शन

मंडल रेल प्रबंधक (वाणिज्य), पश्चिम मध्य रेल जबलपुर, भारत संघ के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित हेतु निर्धारित ई–बोली आमंत्रित करता है। **Category: PMBJK Catalogue No.: JBP-C-PMBJK-MML Lot No.: PMBJK-JBP-MML-PMBJK-1-23-1 Assets Details:** मदनमहल स्टेशन पर प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि केंद्र (PMBJK) के आवंटन के सम्बन्ध में। **Auction Start: 19.12.2023, 11:00 hrs. Auction End: 19.12.2023, 11:30 hrs.** संभावित बोलीदाताओं से अनुरोध है कि वे IREPS वेबसाइट (www.ireps.gov.in) पर E-Auction Leasing मॉड्यूल देखें। लॉट–वार विवरण उपर्युक्त कैटलॉग के तहत उपलब्ध हैं। ई–बोली सूचना मंडल रेल प्रबंधक (वाणिज्य), पश्चिम मध्य रेल जबलपुर के नोटिस बोर्ड पर भी उपलब्ध है।

मंडल रेल प्रबंधक (वाणिज्य)
पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान
एक कदम स्वच्छता की ओर

हमास की सुरंगों में पंप लगाकर पानी भर रहा इजरायल

तेल अवीव। हमास को चौतरफा हमले करके निपटाने में जुटे इजरायल ने अब एक और नई तरकीब निकाली है। इजरायली सेना ने पंप मंगा लिए हैं और उनके जरिए हमास के बनाए बंकरों और सुरंगों में पानी भरा जा रहा है।

इजरायल की सेना का कहना है कि ऐसे ऐक्शन पर या तो हमास के लड़ाके सुरंगों से बाहर निकलेंगे या फिर वे अंदर ही मारे जाएंगे। वॉल स्ट्रीट की रिपोर्ट के मुताबिक नवंबर मध्य में उत्तर गाजा में इजरायल की सेना ने 5 पंप मंगाए थे। इनके जरिए कुछ सुरंगों में चंद घंटों में ही हजारों क्यूबिक मीटर पानी भरा गया था। अब इजरायल ने इस ऐक्शन को और तेज करने का फैसला लिया है। हालांकि यह साफ नहीं है कि इजरायल सभी बंधकों की रिहाई से पहले ही पूरे गाजा में यह ऐक्शन करेगा या नहीं। इसकी वजह यह है कि इजरायल का कहना है कि हमास ने बंधकों को सुरक्षित स्थानों और सुरंगों में छिपा रखा है। ऐसे में टनल में पानी भरा जाएगा या फिर बंधकों की रिहाई तक इंतजार होगा। इसे लेकर मंथन चल रहा है। एक अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि यह रणनीति सही है। हमास को कमजोर करना जरूरी है और उसके लिए हर तरीका अपनाना होगा। हालांकि इजरायल के रक्षा मंत्रालय ने इसे लेकर कोई बात नहीं कही है। इस बारे में पूछे जाने पर इजरायली डिफेंस फोर्सेज ने सुरंगों में पानी भरने पर कुछ नहीं कहा। हालांकि यह जरूर कहा कि हम हमास का खात्मा करने में जुटे हैं। इसके लिए अलग-अलग तरीके अपनाए जाएंगे। इजरायल ने इस बारे में अमेरिका को पिछले महीने ही जानकारी दी थी। हालांकि इस प्लान के बारे में ज्यादा खुलासा नहीं किया गया है और बेंजामिन नेतन्याहू के करीबी अधिकारियों को ही इसकी जिम्मेदारी दी गई है। यही वजह है कि इजरायल न तो इसे खारिज कर रहा है और न ही स्वीकार कर रहा है।

निकल भाग रहे लड़ाके, पूरे गाजा पर नियंत्रण

न्यायालय तहसीलदार तहसील अधारताल, जबलपुर

रा.प्र.क्र./ /अ-6/2023-2024
जबलपुर, दिनांक 05/12/2023

आम इश्तहार

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्रीमती सुशीला साहू पति स्व. सुरेश प्रसाद साहू निवासी बाई का बगीचा, तुलसी मोहल्ला, शीतलामाई जबलपुर के द्वारा मौजा चावनपुर नं. बं. 305 प.ह.नं. हिनौतिया स्थित भूमि खसरा नं. 105/2 में से रकवा 600 व.फु. भूमि पर श्री सुरेश प्रसाद साहू की मृत्यु दिनांक 02/05/2001 को हो जाने के कारण वारसान हक में फौती नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है।

तत्संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति / संस्था को कोई दावा या आपत्ति हो तो नियत पेशी दिनांक 27/12/23 तक इस न्यायालय में स्वंय या अधिवक्ता के माध्यम से प्रस्तुत कर सकता है। समयावधि व्यतीत हो जाने के पश्चात प्रस्तुत दावा / आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा। आज न्यायालय की मुद्रा व मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

जारी दिनांक–05/12/2023
पेशी दिनांक–27/12/2023

र.नं. 1703

तहसीलदार
अधारताल जबलपुर

प्रथम पृष्ठ का शेष

दुनिया में हर वर्ष......

इसके लिए प्रदूषण के महीन कण और ओजोन जैसे प्रदूषक जिम्मेवार थे। इनमें से आधे से अधिक करीब 52 फीसद मौतें हृदय संबंधी रोगों और चयापचय से जुड़ी थी। वहीं अकेले 30 फीसद मौतों के लिए वायु प्रदूषण से जुड़ी हृदय संबंधी बीमारियां जिम्मेवार थी। इसी तरह 16 फीसद मौतों की वजह स्ट्रोक, 16 फीसद के लिए फेफड़े की बीमारी और छह फीसद के लिए मधुमेह जैसी स्थिति जिम्मेवार थी। वहीं 20 फीसद मौतों की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है। इसके लिए उच्च रक्तचाप और न्यूरोडीजेनेरेटिव विकार जैसे अल्जाइमर और पार्किंसंस जिम्मेवार हो सकते हैं। शोध में वायु प्रदूषण से होने वाली इन 83.4 लाख मौतों के करीब 61 फीसद के लिए केवल जीवाश्म ईंधन को जिम्मेवार माना है।

ऐसे में शोधकताओं का कहना है कि स्वच्छ और अक्षय ऊर्जा जैसे समाधानों की मदद ली जाए तो इन मौतों को टाला जा सकता है। साथ ही यह जलवायु परिवर्तन के दृष्टिकोण से भी फायदेमंद होगा। बता दें कि इस अध्ययन में जीवाश्म ईंधन से जुड़ी मौतों के यह जो नए आंकड़े जारी किए गए हैं वो पिछले अधिकांश अनुमानों से कहीं ज्यादा हैं। ऐसे में शोध के मुताबिक जीवाश्म ईंधन के उपयोग को चरणबद्ध तरीके से बंद करने से इससे होने वाली मृत्यु दर पर कहीं ज्यादा प्रभाव पड़ सकता है। शोधकताओं ने खुलासा किया है कि यदि इंसानों द्वारा किए जा रहे वायु प्रदूषण को पूरी तरह नियंत्रित कर लिया जाए तो इससे होने वाली 82 फीसद से अधिक मौतों को टाला जा सकता है।

करणी सेना के.....

सुखदेव सिंह की हत्या पर राजपूत समुदाय के सदस्यों ने जयपुर के एक अस्पताल के बाहर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। इसी अस्पताल में उनका पार्थिव शरीर रखा गया है।

सुखदेव सिंह की सुरक्षा गार्ड की भी हुई मौत–इस घटना पर ज्यादा जानकारी देते हुए जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसेफ ने कहा,तीन लोग उनके आवास पर आए और उन्होंने कहा कि वो सुखदेव सिंह से मिलना चाहते थे। वे अंदर घुसे, उनसे करीब 10 मिनट तक बातचीत की और फिर सुखदेव सिंह पर गोलियां चला दीं और उनकी मौके पर ही मौत हो गई, उनके सुरक्षा गार्ड की मौत हो गई।

एक हमलावर की मौत–पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसेफ ने आगे जानकारी देते हुए बताया,गोलीबारी में तीन हमलावरों में से एक को भी गोली लगी और उसकी भी मौत हो गई। घटना सीसीटीवी में कैद हो गई है। उन्होंने आगे कहा कि हम आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने की कोशिश में जुटे हैं।

म.प्र. राज्य कृषि विपणन बोर्ड

तकनीकी संभाग, सिवनी
Email : eempsambseoni@gmail.com
क्रमांक/तक. संभाग/निर्माण/23-24/508 सिवनी, दिनांक 04.12.2023

निविदा आमंत्रण सूचना (द्वितीय)

प्रमुख अभियंता म.प्र. लोक निर्माण विभाग में उपयुक्त (एकीकृत पंजीयन प्रणाली) पंजीकृत निविदाकारों से प्रतिशत दर आधार पर सिस्टम निविदा क्रमांक 2023_MPSAM_317880_1 के अन्तर्गत ऑनलाइन निविदाएं दिनांक 21.12.2023 को शाम 3.30 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। निविदा प्रपत्र एवं अन्य जानकारी निविदाकारों को म.प्र. शासन के ई-निविदा के पोर्टल **https://www.mptenders.gov.in** पर प्राप्त होगी एवं उक्त निविदा से संबंधित समस्त जानकारी मण्डी बोर्ड के पोर्टल **www.mpmandiboard.gov.in** पर भी अवलोकनीय होगी। **नोट :-** आवश्यक होने पर उपरोक्त निविदा सूचना से संबंधित किसी भी प्रकार की संशोधन सूचना अथवा अन्य जानकारी केवल उपरोक्तानुसार पोर्टल पर प्रदर्शित की जावेगी।

म.प्र. माध्यम/112588/2023 **कार्यपालन यंत्री**

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda

विजया बैंक VIJAYA BANK | देना बैंक DENA BANK

आदर्श नगर शाखा: पोलीपाथर, नर्मदा रोड, जबलपुर– 482008 (म.प्र.) इंडिया
Tel: 0761/2660701,703, 705, Email: adajab@bankofbaroda.com

कब्जा नोटिस (चल एवं अचल संपत्ति के लिये)

(As per Appendix IV read with rule 8(1) of the Security Interest (Enforcement) Rules 2002

सेक्यूरीटाइजेशन एंड रिकंस्ट्रक्शन ऑफ फाइनेंशियल असेट्स एंड एनफोर्समेंट ऑफ सेक्युरिटी इंटरेस्ट एक्ट, 2002 के तहत् नियम– 8(3) के साथ पठित धारा 13(2) के तहत प्रदत्त अधिकारों के प्रयोग के तहत बैंक ऑफ बड़ौदा के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में अधोहस्ताक्षरी ने निम्नलिखित उधारकर्ता को मांग सूचना में दर्शायी गयी राशि, उक्त मांग सूचना की प्राप्ति की तारीख से 60 दिनों के अंदर अदा करने को जारी किया गया था।

खातेदार (उधारकर्ता) द्वारा राशि अदायगी में असफल रहने पर एतद् द्वारा उधारकर्ता और जन सामान्य को यहां सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरी ने उक्त नियम 8 साथ पठित एक्ट के साथ 13(4) के तहत उन्हें प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुये यहां नीचे वर्णित संपति का सांकेतिक कब्जा निम्नांकित दिनांक को ले लिया है।

विशेष रूप से उधारीकर्ता और जन सामान्य को एतद् द्वारा चेतावनी दी जाती है कि इस संपत्ति से संबंधित कोई भी लेन–देन न करें। निम्नलिखित संपत्ति से संबंधित किसी भी प्रकार का लेन देन इस पर वर्णित बकाया राशि के लिये बैंक ऑफ बड़ौदा की संबंधित शाखा से निर्मित प्रभार के अध्याधीन होगी। ऋणी एवं जमानतदारों का ध्यान प्रतिभूत आस्ति उपलब्ध समय में छुड़ाने (redeem) करने के संबंध में एक्ट की धारा 13 की उपधारा (8) के तहत आकर्षित किया जाता है।

क्र	ऋणी एवं जमानतदार का नाम व पता	नोटिस के अनुसार बैंक को देय राशि	बंधक रखी अचल सम्पत्ति का विवरण	मांग नोटिस दिनांक / कब्जा दिनांक
1	**ऋणी– श्री आशीष कुमार बोथरा, नीता सुराना/ मेसर्स जबलपुर फूडटेक प्राईवेट लिमिटेड जमानतदार– श्री अरूण सुराना**	रू. 7,17,000,00/- + ब्याज एवं अन्य खर्चे	(1) बंधक सम्पत्ति कमर्शियल डायवर्टेड भूमि एवं बिल्डिंग खसरा नं. 449/2 का भाग (नामांतरण पश्चात 449/3), एरिया– 0.60 हेक्टेयर या 1.50 एकड़ (डायवर्टेड एरिया 66712 वर्गफुट) कुल एरिया 1.00 हेक्टेयर में से स्थित मौजा नटवारा, प.ह.नं. 34, पुराना 50, आर.आई.सर्किल एवं तहसील शाहपुरा, जिला जबलपुर। चतुर्सीमा– सेल डीड के अनुसार– पूर्व– बलराम तिवारी एवं अन्य की भूमि, पश्चिम– सुशील कुमार शर्मा एवं संदीप सोनी अन्य की भूमि, उत्तर– कच्चा रास्ता, दक्षिण– गरीब दास एवं विधिक उत्तराधिकारी गरीब दास का प्लाट। (2) बंधक सम्पत्ति कमर्शियल डायवर्टेड भूमि एवं बिल्डिंग खसरा नं. 449/2 का भाग, एरिया– 0.40 हेक्टेयर या 0.98 एकड़ (डायवर्टेड एरिया 43040 वर्गफुट) कुल एरिया 1.00 हेक्टेयर में से स्थित मौजा नटवारा, प.ह.नं. 34, पुराना 50, आर.आई.सर्किल एवं तहसील शाहपुरा, जिला जबलपुर। चतुर्सीमा– सेल डीड के अनुसार– पूर्व– कच्चा रास्ता, पश्चिम– श्री संदीप सोनी का प्लाट, उत्तर– कच्चा रास्ता, दक्षिण– सुशील कुमार शर्मा की भूमि। **सम्पत्ति स्वामी– जबलपुर फूडटेक** (3) बंधक सम्पत्ति अविभाज्य 1/ 2 भाग शॉप नं. 18 स्थित ग्राउण्ड फ्लोर, बिल्डअप एरिया 162 वर्गफुट अविभाज्य शेयर एरिया 56 वर्गफुट का भाग, कार्पोरेशन लीज प्लाट नं. 133, निर्मित डायवर्सन प्लाट नं. 693/1, डायवर्सन शीट नं. 155/डी, स्थित मौजा सुभाष नगर, एस.नं. 773, प.ह.नं. 31, आर.आई. सर्किल जबलपुर–1, तहसील एवं जिला जबलपुर। **सम्पत्ति स्वामी– श्री अरूण सुराना पिता श्री जतन मल सुराना**। चतुर्सीमा– उत्तर– पैसेज, दक्षिण– पैसेज, पूर्व– शॉप नं. 17, पश्चिम– शॉप नं. 20 एवं 19 (4) बंधक सम्पत्ति शॉप नं. 19 स्थित ग्राउण्ड फ्लोर, बिल्डअप एरिया 300 वर्गफुट अविभाज्य शेयर एरिया 104 वर्गफुट का भाग, कार्पोरेशन लीज प्लाट नं. 133, निर्मित डायवर्सन प्लाट नं. 693/1, डायवर्सन शीट नं. 155/डी, स्थित मौजा सुभाष नगर, एस.नं. 773, प.ह.नं. 31, आर.आई. सर्किल जबलपुर–1, तहसील एवं जिला जबलपुर। **सम्पत्ति स्वामी– श्री अरूण सुराना पिता श्री जतन मल सुराना**। चतुर्सीमा– उत्तर– पैसेज, दक्षिण– शॉप नं. 20, पूर्व– शॉप नं. 18, पश्चिम– चंद्रिका अपार्टमेन्ट। (5) बंधक सम्पत्ति खरीदी गई शॉप नं. 20 स्थित ग्राउण्ड फ्लोर, बिल्डअप एरिया 198.00 वर्गफुट, कार्पोरेशन लीज प्लाट नं. 133, निर्मित डायवर्सन प्लाट नं. 693/1, डायवर्सन शीट नं. 155/डी, स्थित मौजा सुभाष नगर, एस.नं. 773, प.ह.नं. 31, आर.आई. सर्किल जबलपुर–1, 'चंद्रिका टॉवर अर्पाटमेन्ट' सुभद्रा कुमार चौहान वाडर्ज, तहसील एवं जिला जबलपुर। **सम्पत्ति स्वामी– श्री अरूण सुराना पिता श्री जतन मल सुराना**। चतुर्सीमा– उत्तर– शॉप नं. 19, दक्षिण– शॉप नं. 21, पूर्व– पैसेज उसके बाद शॉप नं. 18, पश्चिम– चंद्रिका अपार्टमेन्ट।	29-09-2023 / 04-12-2023

दिनांक: 06/12/2023, स्थान: जबलपुर — **प्राधिकृत अधिकारी, बैंक ऑफ बड़ौदा, आदर्श नगर शाखा**

न्यायालय नायब तहसीलदार गोरखपुर, जबलपुर

रा.प्र.क्रं 0606/अ-6/2023-24

इश्तहार

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि दीपक असरानी स्व.डॉ. घनश्याम असरानी एवं अन्य निवासी आदर्श नगर नर्मदा रोड द्वारा पंजीकृत विक्रय पत्र दिनांक के माध्यम से मौजा जिलहरी नं.बं.... प.ह.नं.... ख.नं. 60, 60/1, 67/2, 67/3 रकवा 1/2 वर्गफुट विक्रेता ..... 105/15 म.प्र. शासन से क्रय की गई भूमि पर राजस्व अभिलेखों में अपना नाम दर्ज कराने पंजीकृत विक्रय पत्र वसीयतनामा/बटवारा नामा/ हस्तान्तरण पत्र/ हकत्याग पत्र/ दान पत्र एवं नक्शा बटांक की छायप्रति संलग्न कर आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। अतः उपरोक्त नामांतरण स्वीकृत किये जाने में यदि किसी व्यक्ति/ संस्था को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी लिखित आपत्ति पेशी दिनांक 16.12.23 तक स्वयं अथवा अपने विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर पेश कर सकते हैं। समयाविधि पश्चात प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।
न्यायालय की मुहर एवं मेरे हस्ताक्षर से आज दिनांक 05.12.2023 को जारी।
जारी दिनांक 05.12.2023
पेशी दिनांक 16.12.2023

र.नं. 1699 — नायब तहसीलदार गोरखपुर, जबलपुर

नाम परिवर्तन सूचना

मैं शकुनतला सिंह राना उम्र 65 वर्ष निवासी - 527/112 रवि किरण सोसायटी उखरी रोड बल्देवबाग जबलपुर की शपथ पूर्वक निम्नलिखित कथन करती हूं कि :

यह कि मेरे आधार कार्ड नं. 3808 7366 7356 में मेरा नाम शकुनतला सिंह राना अंकित है व मेरी जन्म तिथि 01/07/1958 अंकित है।

यह कि मेरे पेन कार्ड नं. ABZPT1665N में मेरा नाम सिर्फ शकुनतला ठाकुर व जन्म तिथि 01/07/1958 ही अंकित है। यह कि पी.पी.ओ. में मेरा नाम सिर्फ शकुनतला सिंह अंकित है व जन्म तिथि 01 जुलाई 1959 अंकित है। यह कि मेरे पी.पी.ओ. में शकुनतला सिंह की जगह शकुनतला सिंह राना व मेरी जन्म तारीख मेरे आधार व पेन कार्ड के अनुसार 01/07/1958 दर्ज किये जाने हेतु शपथ पत्र प्रस्तुत है। यह कि मेरा नाम सही शकुनतला सिंह की जगह मेरा सही नाम शकुनतला सिंह राना व मेरी सही जन्मतिथि 01/07/1958 लिखा, पढ़ा, माना व अंकित किया जावे।

जबलपुर, दिनांक 05/12/2023
शपथकर्ती
र. नं. 1697 — शकुनतला सिंह राना

In The Court of III Civil Judge Class-I District Court Jabalpur

Presiding Officer: श्वेता तिवारी
आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम सक्सेशन प्रकरण
क्रमांक (MJC SUC/0000139/2023)

कुसुम बाई चौधरी..............................आवेदक
Vs
श्रीमान शाखा प्रबंधक....................अनावेदक
Process Id-2023
पेशी दिनांक 13/02/2024

प्रेषिती
(1) आम जनता पता– जबलपुर मध्यप्रदेश
(2) आम जनता

आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदिका कुसुम बाई चौधरी पता– ठक्करग्राम बड़ी मदार टेकरी सिंधी कैम्प थाना घमापुर जबलपुर म.प्र. ने मृतक सीताराम चौधरी मीनू चौधरी निवासी म.नं. 226 बड़ी मदार टेकरी शंकर चौर ठक्कर ग्राम जबलपुर म.प्र. की यूनियन बैंक ऑफ इंडिया सिविक सेन्टर ग्राउंड फ्लोर जबलपुर म.प्र. में जमा राशि प्राप्ति हेतु राशि/ संपत्ति हेतु उत्तराधिकारी अथवा अभिभावक/ संरक्षक नियुक्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिये इस न्यायालय में आवेदन किया है जिसकी सुनवाई दिनांक 13 फरवरी 2024 को नियत है।

यदि किसी व्यक्ति को उक्त प्रकरण में आवेदक को उक्त मृतक का उत्तराधिकारी अथवा अभिभावक/संरक्षक होने संबंधी प्रमाण पत्र जारी किये जाने में कोई आपत्ति हो अथवा उक्त प्रकरण में वह अपना हक समझता हो तो पेशी दिनांक 13 फरवरी 2024 को न्यायालय में स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित रहें। सूचना उपरांत, यदि अनुपस्थित रहे तो प्रकरण की सुनवायी एक पक्षीय की जाकर प्रकरण का निराकरण किया जावेगा। यह आज तारीख 28 नवंबर 2023 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।
न्यायालय की मुद्रा
टिप्पणी–उपस्थिति एवं प्रकाशन हेतु नोटिस के साथ आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम उत्तराधिकार प्रमाण पत्र जारी किये जाने हेतु की छाया प्रति संलग्न है।

कृपया ध्यान दें: 1. यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो आगामी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।

(श्वेता तिवारी)
तृतीय व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड
र.नं. 1696 — जबलपुर (म.प्र)

In The Court of XXI Civil Judge Class-II, District Court, Jabalpur

Presiding Officer:
फरहान मसूद कुरैशी
(आदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अंतर्गत प्रकाशन हेतु)
(RCS A/0000821/2023)

श्रीमती रोशनी ललपुरहा.....वादी
Vs
श्रीमती शालिनी श्रीवास.....प्रतिवादी
Process Id- /2023
पेशी दि.:-02/01/2023

प्रेषिती–
(1) श्रीमति शालिनी श्रीवास पति सुनील श्रीवास पता– बरउ मोहल्ला प. द्वारका प्रसाद मिश्र वार्ड कांचघर लालमाटी जबलपुर मध्यप्रदेश (2) हीरा सिंह राजपूत पिता मोतीलाल राजपूत पता– 317 आचार्य विनोवा भावे वार्ड सरकारी कुआं घमापुर जिला जबलपुर मध्यप्रदेश।

यह कि प्रार्थी श्रीमति रोशनी ललपुरहा ने आपके विरुद्ध व्यवहारवाद वास्ते घोषणा एवं स्थाई निषेधाज्ञा बावत् हेतु वाद मूल्य 500 रुपये अंकन पांच सौ रुपये जिस पर न्याय शुल्क 120 अंकन एक सौ बीस रुपये चस्पा जिसमें न्यायशुल्क 620 रुपये अंकन छ: सौ बीस रुपये चस्पा के लिए वाद संस्थित किया है, आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात/हाजिर होने के लिये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते हैं, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मूजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रुप में निर्भर करते हैं तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठीसीन अधिकारी को अवगत करावें। यह आज तारीख 02 दिसंबर 2023 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है।
न्यायालय की मुद्रा
टिप्पणी - प्रकाशन हेतु नोटिस के साथ व्यवहार वास्ते घोषणा एवं स्थायी निषेधाज्ञा बावत हेतु वाद मूल्य 500 रु. अंकन पांच सौ रुपये जिस पर न्याया शुल्क 120 अंकन एक सौ बीस रुपये चस्पा जिसमें 620 रुपये अंकन छ: सौ बीस रुपये चस्पा की छायाप्रति संलग्न है।
कृपया ध्यान दें- यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो आगामी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।

(फरहान एम. कुरैशी)
21वें व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड
र.नं. 1698 — जबलपुर (म.प्र.)

देश-प्रदेश

उवाच

न्यूनतम समर्थन मूल्य पर 30-35 बार बैठ चुकी है समिति : तोमर

नई दिल्ली, एजेंसी। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने मंगलवार को कहा कि कृषि उत्पादों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) देने को कानूनी अधिकार का दर्जा दिए की संस्तुतियां देने संबंधी समिति की कार्यवाही चल रही है पर अभी इसकी रिपोर्ट नहीं मिली हैं। तोमर ने लोकसभा में प्रश्न काल में कांग्रेस के अधीर रंजन चौधरी के प्रश्न के उत्तर में बताया कि इसके लिए समिति बनाई गई थी जिसकी 30-35 बैठकें हो चुकी हैं और रिर्पोट की प्रतीक्षा है। उन्होंने कहा कि स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों के अनुसार किसानों को उनकी उपज का सरकारी मूल्य कृषि लागत पर कम से कम 50 प्रतिशत का मुनाफा जोड़कर निर्धारित किया जा रहा है।

मध्यप्रदेश को लेकर सरमियां तेज , शाह और नड्डा से मिले वीडी शर्मा

दिल्ली में डटे मुख्यमंत्री पद के दावेदार

भोपाल, नई दिल्ली, देशबन्धु। मध्यप्रदेश में भाजपा की जीत के बाद मुख्यमंत्री पद के ज्यादातर दावेदार दिल्ली में जा डटे हैं। हालांकि संसद सत्र भी दिल्ली में दावेदारों के डटे रहने की एक वजह है, लेकिन ज्यादातर उत्सुकता यही है कि मध्यप्रदेश का अगला मुख्यमंत्री कौन होगा। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान पद के लिए स्वाभाविक और प्रबल दावेदार हैं, वहीं विधानसभा चुनाव में उतरे केन्द्रीय मंत्री और सांसदों में से अधिकांश मुख्यमंत्री पद की दौड़ में शामिल हैं।

केन्द्रीय मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर ज्योतिरादित्य सिंधिया चुनाव नतीजे के बाद शाम को ही दिल्ली रवाना हो गए थे। वहीं प्रह्लाद पटेल भी दो दिन से दिल्ली में ही हैं। बताया जाता है कि इन नेताओं ने पार्टी के प्रमुख रणनीतिकार एवं केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह और पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा से भी मुलाकात की है। इसी बीच आज प्रदेश भाजपा अध्यक्ष और सांसद वीडी शर्मा ने भी दिल्ली में इन दोनों वरिष्ठ नेताओं के साथ चर्चा की। समझा जा रहा है कि इस मेल-मुलाकात में प्रदेश के भावी नेतृत्व को लेकर मंथन किया जा रहा है। मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री पद को लेकर 2 राय उभरी हैं। एक राय यह है कि शिवराज को ही बनाना चाहिए कि उनकी लाड़ली बहना योजना की वजह से जबर्दस्त जीत मिली है। केन्द्रीय मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर और ज्योतिरादित्य सिंधियां ने भी प्रदेश में बड़ी जीत की वजह लाड़ली बहना योजना को माना है। वहीं इससे इतर जबकि कैलाश विजयवर्गीय का मानना है कि मोदी मैजिक की वजह से यह सफलता मिली, क्योंकि लाड़ली लक्ष्मी योजना छग और राजस्थान में लागू नहीं है। बताया जाता है कि मुख्यमंत्री को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात हुई है। इसके बाद शाह और नड्डा की मुलाकात भी हो चुकी है। प्रदेश के नेताओं से मुलाकात के बाद अब अगले 2-3 दिन में किया मुख्यमंत्री के नाम की घोषणा हो सकती है।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के अलावा केन्द्रीय मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर, ज्योतिरादित्य सिंधिया, प्रह्लाद पटेल, भाजपा महासचिव कैलाश विजय वर्गीय और भाजपा प्रदेशाध्यक्ष और सांसद विष्णुदत्त शर्मा प्रमुख रूप से मुख्यमंत्री पद के दावेदार माने जाते हैं।

बोरवेल में गिरी बच्ची, युद्ध स्तर पर प्रयास शुरू

राजगढ़, देशबन्धु। राजगढ़ जिले के एक खुले बोरवेल में 4 साल की मासूम बच्ची गड्ढे में गिर गई, जो भीतर जाकर फंस गई। मासूम को बोरवेल से

निकालने के लिए युद्ध स्तर पर प्रयास शुरू कर दिए गए हैं। घटना स्थल पर बचाव के लिए एडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंच गई है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी घटना पर संज्ञान लिया है। और अधिकारियों को समुचित निर्देश दिए।

राजगढ़ के बोड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले पिपलिया रसोड़ा गांव में एक 4 साल की बालिका एक खुले बोर में गिर गई है। घटना की खबर मिलते ही जिला मुख्यालय से एसडीईआरएफ की टीम तत्काल मौके पर पहुंच गई। जबकि भोपाल से भी इसके लिए एसडीआरएफ की टीम रवाना हो गई। बोरवेल के भीतर से बच्ची के रोने की आवाज आ रही है। घटना के बारे में शुरुआती जानकारी सामने आई है कि बोरवेल में फंसी बच्ची का नाम माही है। वह पटाड़िया गांव की रहने वाली है। बच्ची अपने पिता रवि के साथ अपने मामा इंदर सिंह के घर पिपल्या रसोड़ा आई थी। यहां खेत में खेलते-खेलते वह बोर में गिर गई। फिलहाल बच्ची को बचाने के लिए तमाम प्रयास किस जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने किया निरीक्षण, सर्दी से बचाव के इंतजाम देखे

रैन बसेरों में रहने वाले नागरिकों की सेहत की होगी जांच

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने राजधानी के दो रैन बसेरों में नागरिकों के लिए किए गए प्रबंधों का जायजा लिया। उन्होंने आज रात्रि पहले यादगार ए शाहजहांनी पार्क के पास स्थित रैन बसेरे पहुँचकर वहाँ की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने यहाँ रह रहे नागरिकों से रहवास व्यवस्था और सर्दी से बचाव के लिए गरम कपड़ों की व्यवस्था की जानकारी प्राप्त की। रैन बसेरा पहुँचने पर वहाँ के रहवासियों ने मुख्यमंत्री श्री चौहान का मामा-मामा कह कर हर्ष-ध्वनि से स्वागत किया।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि भोपाल शहर सहित प्रदेश के अन्य नगरों के रैन बसेरों में रह रहे नागरिकों के स्वास्थ्य परीक्षण की व्यवस्था होगी। बड़े शहरों में कार्य के लिए आने वाले नागरिक दिन में व्यस्त रहते हैं इसलिए रात्रि के समय डॉक्टर्स टीम स्वास्थ्य परीक्षण के लिए आएगी। सामान्य रोगों सहित गंभीर रोगों की पहचान होने पर उपचार की व्यवस्था जरूरी की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि रैन बसेरे के निकट अलाव और लकड़ियों का प्रबंध कर नागरिकों को शीत से बचाने की भी व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। भोपाल कलेक्टर आशीष सिंह इस अवसर पर उपस्थित थे।

गरम कपड़ों और भोजन व्यवस्था की जानकारी ली

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने हमीदिया चिकित्सालय परिसर में स्थित रैन बसेरे का अवलोकन किया और नागरिकों के लिए बिस्तर, गरम कपड़ों और भोजन की व्यवस्था की जानकारी प्राप्त की। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने नागरिकों से बातचीत भी की। नरसिंहपुर जिले के श्री दलपत सिंह यादव और भोपाल के सोनू ने बताया कि उन्हें रैन बसेरे में जरूरी सुविधाएँ प्राप्त हो रही हैं। हमीदिया अस्पताल के इस रैन बसेरे में प्रेरणा सेवा ट्रस्ट से भी भोजन व्यवस्था में सहयोग प्राप्त होता है। कुल 66 बिस्तर क्षमता के रैन बसेरे में आज 23 नागरिक व्यवस्थाओं का लाभ ले रहे हैं।

इनसे की चर्चा

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने सागर के भूपेंद्र साहू, होशंगाबाद के दशरथ प्रसाद, जबलपुर के दीपक, भोपाल के सुरेंद्र शर्मा और ललितपुर (उत्तरप्रदेश) के बाबूलाल कुशवाहा से चर्चा कर इंतजामों की जानकारी ली। यहां मुख्यमंत्री श्री चौहान ने नागरिकों को उपलब्ध करवाए जा रहे भोजन को चख कर, गुणवत्ता भी देखी। रैन बसेरे में करीब 400 बिस्तर क्षमता है। आज यहाँ लगभग 200 नागरिक रह रहे हैं।

कांग्रेस ने हार के कारणों पर किया मंथन

ईवीएम में गड़बड़ी से लेकर भीतरघात तक की शिकायतें

भोपाल, देशबन्धु। विधानसभा चुनाव में पराजय के बाद कांग्रेस ने आज चुनाव परिणामों की समीक्षा की जिसमें हार के कारणों पर मंथन किया गया। जिसमें कुछ कारण चिंन्हित किए गए। पूर्व मुख्यमंत्री और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ की मौजूदगी में हुई इस बैठक में ईवीएम में गड़बड़ी से लेकर भीतरघात की शिकायतें तक को हार का कारण बताया गया। ये बात भी सामने आई कि कई सीटों पर कांग्रेस टिकट के दावेदार रहे नेताओं ने पार्टी के अधिकृत प्रत्याशियों के पक्ष में काम नहीं किया।

बैठक को सम्बोधित करते हुए कमलनाथ ने कहा कि वर्ष 1977 में कांग्रेस इससे भी बुरी तरह से पराजित हुई थी, तब श्रीमती इंदिरा गांधी और संजय गांधी जैसे देश के शीर्ष नेता भी चुनाव हारे थे। पूरा माहौल कांग्रेस के खिलाफ लगता था, लेकिन सभी एकजुट हुए और मैदान में आए। 3 साल बाद हुए चुनाव में 3 सौ से अधिक सीटों के साथ इंदिरा गांधी ने पूर्ण बहुमत की सरकार बनाई। उन्होंने कहा कि इसी क्रम में प्रत्याशियों का मनोबल बढ़ाते हुए कहा कि इसी तरह अब भी कांग्रेस को 4 महीने बाद होने वाले लोकसभा चुनाव की तैयारी में जुट जाना है।

बैठक में जहां कांग्रेस बड़े अंतर से पराजित हुई है, वहां के कई प्रत्याशियों ने ईवीएम से छेड़छाड़ के आरोप लगाए। उनका तर्क था कि वहां पर सौ से ज्यादा ईवीएम मशीनें मतगणना

के समय 99 प्रतिशत तक चार्ज मिली, जबकि मतदान के दौरान 10 घंटे से ज्यादा इनका उपयोग हो चुका था। ऐसे मे ईवीएम बदले जाने का संदेह पैदा होता है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब डाक मतपत्र में कांग्रेस को प्रचण्ड बहुमत मिल रहा था तो मशीन में अचानक से कम हो जाना संदेह पैदा करता है। जिस पर कमलनाथ ने कहा कि ईवीएम को लेकर उन्हें बहुत सी शिकायतें मिली हैं। वह इस मुद्दे को दिल्ली में होन वाली बैठक में राष्ट्रीय नेतृत्व के सामने उठाएंगे।

बैठक में पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश पचौरी, कांतिलाल भूरिया, अजय सिंह, डॉ. गोविंद सिंह, सज्जन सिंह वर्मा, कमलेश्वर पटेल, रामनिवास रावत, रामेश्वर नीखरा, ओंकार मरकाम सहित कांग्रेस के सभी जीते हुए विधायक और प्रत्याशी उपस्थित थे।

अलग-अलग मांगी रिपोर्ट

इस बैठक में कमलनाथ ने सभी अधिकृत प्रत्याशियों की बैठक बुलाई थी। इस बैठक में शामिल कांग्रेस के चुनाव में पराजित प्रत्याशियों से उन्होंने चुनाव को लेकर अलग-अलग 2 रिपोर्ट मांगी।

जिसमें एक रिपोर्ट में चुनाव से संबंधित गड़बड़ी और दूसरी में संगठन की सक्रियता से संबंधित जानकारी तलब की गई है। कमलनाथ ने कहा कि सभी प्रत्याशी और विधायक अपने चुनाव की पूरी समीक्षा करें और अगले दस दिन के अंदर दो अलग-अलग रिपोर्ट भेजें। एक रिपोर्ट में चुनाव का विश्लेषण और दूसरी रिपोर्ट में संगठन की समीक्षा गुप्त रूप से भेजी जाए।

कमलनाथ का आरोप

जिसे परिणाम पता था उसी ने बनवाया होगा एग्जिट पोल

पूर्व मुख्यमंत्री एवं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने बिना किसी का नाम लिए आरोप लगाया कि एग्जिट पोल में भी यही परिणाम दिखाया गया था और जिसे पहले से परिणाम पता था, उन्हीं ने एग्जिट पोल बनवाया होगा। कमलनाथ ने बैठक से पहले मीडिया से कहा कि प्रत्याशियों से चर्चा की जा रही है। पार्टी के हारे और जीते हुए, सभी उम्मीदवारों को बुलवाया गया है। उनसे चर्चा करके चुनाव परिणाम का विश्लेषण किया जाएगा। ईवीएम के संदर्भ में कमलनाथ ने कहा कि अभी वे सभी उम्मीदवारों की बात सुनकर इस संबंध में किसी निर्णय पर पहुंचेंगे। इसी कड़ी में उन्होंने कहा कि उन्हें कई विधायकों ने कहा कि उनके अपने गांव में उन्हें 50 वोट नहीं मिले, ऐसा कैसे हो सकता है। उन्होंने कहा कि एग्जिट पोल में भी कुछ इसी प्रकार का रिजल्ट दिखाया गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि एग्जिट पोल तो सिर्फ माहौल बनाने के लिए था। उन्होंने कहा कि वे जल्दी ही पूरे प्रदेश का दौरा करेंगे और लोकसभा चुनाव की तैयारी में पूरी पार्टी जुट जाएगी।

अटकलों के बीच जताई आस्था

कांग्रेस को प्रदेश में करारी हार मिलने के बाद से ही नेतृत्व परिवर्तन को लेकर कयास लगाए जा रहे थे। इसी बीच बैठक में कमलनाथ के इस्तीफे तक की खबर चल निकली हैं। इन अटकलों के बीच बैठक में सभी प्रत्याशियों और विधायकों ने कमलनाथ के नेतृत्व में आस्था भी जताई है।

राज्यपाल से मिले निर्वाचन आयोग के पदाधिकारी

नवनिर्वाचित विधायकों की सूची सौंपी

भोपाल, देशबन्धु। राज्यपाल मंगुभाई पटेल से मध्यप्रदेश के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन और भारत निर्वाचन आयोग के सचिव अमित कुमार ने राजभवन में आज भेंट की। राज्यपाल श्री पटेल को अधिकारी द्वय द्वारा मध्यप्रदेश विधानसभा निर्वाचन-2023 के सभी 230 विधानसभा क्षेत्रों के नवनिर्वाचित विधायकों की अधिसूचना सौपी गई। राज्यपाल मंगुभाई पटेल का आयोग के पदाधिकारियों द्वारा पुष्प गुच्छ भेंट कर अभिनंदन किया गया। श्री पटेल को आयोग द्वारा संचालित विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी गई। इस अवसर पर राज्यपाल के प्रमुख सचिव डी.पी. आहूजा, अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी राजेश कुमार कौल, भारत निर्वाचन आयोग के अवर सचिव प्रफुल्ल अवस्थी, अधिकारी और पदाधिकारीगण मौजूद थे।

निविदा/नियुक्ति/जाहिरात

IN THE COURT OF XXII CIVIL JUDGE CLASS-I, DISTRICT COURT, JABALPUR
Presiding Officer - विश्वेश्वरी मिश्रा
(प्रदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अंतर्गत प्रकाशन हेतु)
RCS A/0000765/2021)
Process Id-926/2023 पेशी दिनांक- 19/12/2023

नोटिस- गोविन्द तिवारी तनय .... **वादी विरूद्ध** अनीता तिवारी ..... **प्रतिवादी** । प्रेषिती- 1. प्रमोद तिवारी पति स्व. रमेश चंद्र तिवारी पता- 2329 राईट टाउन जबलपुर जिला जबलपुर मध्य प्रदेश, 2. बंटी चतुर्वेदी पिता स्व. राजेन्द्र चतुर्वेदी पता- पंजाब नेशनल बैंक के पीछे बिलहरी जबलपुर जिला जबलपुर मध्यप्रदेश, 3. संगीता तिवारी पिता स्व. रमेश चंद्र तिवारी पता- 2329 राईट टाउन जबलपुर जिला जबलपुर मध्यप्रदेश, 4. प्रवीण तिवारी पिता स्व. रमेश चंद्र तिवारी पता- 2329 राईटटाउन जबलपुर जिला जबलपुर मध्यप्रदेश। यह कि प्रार्थी गोविन्द तिवारी तनय ने आपके विरूद्ध सिविल सूट ए आवेदन पत्र अंतर्गत आदेश 5 नियम 20 सीपीसी के लिए वाद संस्थित किया है, आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजाता/ हाजिर होने के लिये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते है, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मूजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें। यह आज तारीख 27 अक्टूबर 2023 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया हैं। **(श्रीमति विश्वेश्वरी मिश्रा)**
बाईसवें सिविल न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड
मोहर **जबलपुर (म.प्र.)**

नाम सुधार सूचना

मेरे सर्विस बुक में मेरा नाम इन्द्रमणि प्र. मिश्रा पिता श्री ददन राम मिश्रा लिख गया है, जो कि अन्य रिकॉर्ड में इन्द्रमणि मिश्रा पिता श्री ददनराम मिश्रा लिखा है, आज से मेरा नाम इन्द्रमणि मिश्रा पढ़ा जाए।

IN THE COURT OF XXII CIVIL JUDGE CLASS-I, DISTRICT COURT, JABALPUR
Presiding Officer - विश्वेश्वरी मिश्रा
आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम सत्यापन प्रकरण क्रमांक (MJCSUC/0000140/2023)
Process Id-1081/2023 पेशी दिनांक- 24/01/2024

नोटिस- शारदा भंडारी .... **आवेदक विरूद्ध** वेनचुरा सिक्युरिटीज लिमि. ..... **अनावेदक** । प्रेषिती- 1. आम जनता पता- जबलपुर म.प्र., 2. आम जनता। आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक शारदा भंडारी पता- मकान नंबर 693, ग्वारीघाट रोड, रतन कॉलोनी, लेबर कोर्ट के पास, भानोट वार्ड जिला जबलपुर (म.प्र.) ने मृतक सुनील भंडारी निवासी- जबलपुर, जिला जबलपुर मध्य प्रदेश की वेनचुरा सेक्यूरिटीज लिमिटेड प्रधान कार्यालय 8वां फ्लोर, बी-विंग थिंक टेकनो काम्पलेक्स, पोखरन रोड-2, ईस्टन एक्सप्रेस-हाईवे ठाने-वेस्ट पिन नं. 400607 में जमा शेयरो में नाम स्थानातंरित हेतु राशि/ संपत्ति हेतु उत्तराधिकारी नियुक्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिये इस न्यायालय में आवेदन किया है जिसकी सुनवाई दिनांक 24 जनवरी 2024 को नियत है। यदि किसी व्यक्ति को उक्त प्रकरण में आवेदक को उक्त मृतक का उत्तराधिकारी होने सम्बन्धी प्रमाण पत्र जारी किये जाने में कोई आपत्ति हो अथवा उक्त प्रकरण में वह अपना हक समझता हो तो पेशी दिनांक 24 जनवरी 2024 को न्यायालय में स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित रहें। सूचना उपरांत, यदि अनुपस्थित रहे तो प्रकरण की सुनवायी एक पक्षीय की जाकर प्रकरण का निराकरण किया जावेगा। यह आज तारीख 02 दिसम्बर 2023 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया हैं। **(श्रीमति विश्वेश्वरी मिश्रा)**
बाईसवें सिविल न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड
मोहर **जबलपुर (म.प्र.)**

नाम सुधार सूचना

मेरे सर्विस बुक में मेरा नाम राघवानंद पिता श्री घनश्याम गोदियाल लिख गया है, जो कि अन्य रिकॉर्ड में राघवानंद गोदियाल पिता श्री घनश्याम गोदियाल लिखा है आज से मेरा नाम राघवानंद गोदियाल पढ़ा जाए।

नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं Rukmini Ray पत्नि Ratan Kumar Ray उम्र 41 वर्ष निवासी- Village Hathinapur, पोस्ट ऑफिस Bangaon District- Barpeta, State-Assam, पिन कोड 781375 मेरे पति का आर्मी न.JC388941M, Rank - NB Sub, Name Ratan Kumar Ray है, जो कि वर्तमान मे Depot Reg. (Corps of Signals) Jabalpur M.P. पदस्थ है, मेरे पति के आर्मी सर्विस रिकॉर्ड में मेरा नाम Miss Rukmini Boro दर्ज है जो कि गलत है जबकि मेरे समस्त दस्तावेजों में मेरा नाम Rukmini Ray दर्ज है उक्त दोनों नाम मेरे ही हैं। मेरे पति के आर्मी सर्विस रिकॉर्ड मेरे नाम Rukmini Boro के स्थान पर मेरा नाम Rukmini Ray दर्ज कर लिखा एवं पढ़ा जाए।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों कर्मचारियों को दिए प्रशस्ति-पत्र, कहा-

इतिहास में सामाजिक क्रांति के रूप में दर्ज होगी लाड़ली बहना योजना

भोपाल, देशबन्धु। लाड़ली बहना योजना की चर्चा सभी ओर है, यह महिला सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हुई है, इतिहास में यह सामाजिक क्रांति के रूप में दर्ज होगी। योजना ने महिलाओं का आत्मविश्वास-आत्मसम्मान बढ़ाया है। महिलाओं के प्रति परिवारजन तथा समाज का व्यवहार एवं दृष्टिकोण बदला है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने यह बात आज लाड़ली बहना योजना के सुनियोजित क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले अधिकारी-कर्मचारियों को समत्व भवन में संबोधित किया और उन्हें प्रशस्ति-पत्र भी प्रदान किए।

श्री चौहान ने कहा कि शासकीय अमले ने कम समय में बाधारहित रूप से इतनी बड़ी योजना का जीरो डिफेक्ट के साथ क्रियान्वयन कर क्रांति की है, यह अद्भुत उपलब्धि है। टीम मध्यप्रदेश के कार्य की जितनी प्रशंसा की जाए

उतनी कम है। युद्ध स्तर पर कार्य कर मात्र 75 से 80 दिनों में 1 करोड़ 31 लाख बहनों को जोड़ना अधिकारी-कर्मचारियों की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। मुख्यमंत्री ने कहा कि महिला शक्तिकरण की प्रक्रिया लाड़ली लक्ष्मी योजना के क्रियान्वयन से आरंभ हुई। हमने तय किया था कि प्रदेश में जन्म लेने वाली हर बेटी लखपति होगी। इस सोच से ही लाड़ली लक्ष्मी योजना आरंभ हुई, अब प्रदेश में 46 लाख लाड़ली लक्ष्मियां हैं। महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए उन्हें स्थानीय निकायों और सेवाओं में आरक्षण दिया गया। महिलाओं के नाम रजिस्ट्री में स्टाम्प शुल्क में छूट, बेटा-बेटी के जन्म से पहले और जन्म के बाद आर्थिक सहायता दी जाने वाली योजनाएं क्रियान्वित की गईं।

उन्होंने कहा कि बैगा, भारिया और सहरिया समुदाय की महिलाओं को एक हजार रूपए की आर्थिक सहायता वर्ष 2017 से आरंभ की गई थी। इस योजना की प्रभावशीलता के अध्ययन में यह तथ्य सामने आया कि आर्थिक सहायता से बच्चों के कुपोषण स्तर में सुधार हुआ है।

परिणामस्वरूप यह विचार आया कि सभी जरूरतमंद महिलाओं को सहायता उपलब्ध कराने से उनके जीवन स्तर में सुधार होगा और महिलाओं का सम्मान भी बढ़ेगा। इस अवसर पर मुख्य सचिव श्रीमती वीरा राणा, प्रमुख सचिव महिला एवं बाल विकास श्रीमती दीपाली रस्तोगी तथा अधिकारी उपस्थित थे।

देशबन्धु

जबलपुर, बुधवार 06 दिसम्बर 2023

संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

राजस्थान के भाजपायी विधायक एक्शन में

जिन पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के नतीज़े निकले हैं, उनमें से एक राजस्थान भी है जहां भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस से जीत हासिल की है। अभी वहां न तो सरकार बनी है और न ही मुख्यमंत्री चुने गये हैं, परन्तु उसके विधायक सक्रिय हो गये हैं। उनके एक विधायक कह रहे हैं कि वे माफियाओं को ढूंढ़-ढूंढकर नाश्ते में खायेंगे, तो एक अन्य विधायक अपने विधानसभा क्षेत्र के सभी नॉन वेज दुकानों को तत्काल प्रभाव से बंद करने के लिये पुलिस अधिकारियों को फरमान जारी कर रहे हैं। विकास की बजाय उदयपुर के कन्हैयालाल की मौत के आधार पर भाजपा के पक्ष में जनादेश का सम्भवत: यही साइड इफेक्ट हो सकता है। भाजपा की जीत का यह तत्काल प्रभाव भी कहा जा सकता है। अगर भाजपा के विधायक और नेता अपनी सरकार बनने से ताकत पाकर अभी से ऐसी हरकतें कर रहे हैं तो आने वाले समय में और भी कई उदाहरण देखने को मिल सकते हैं। कहा जा सकता है कि पार्टी तो अभी शुरू हुई है, लेकिन ऐसे बयानों के चलते राज्य का सामाजिक माहौल कैसा बनेगा, उसकी सहज ही कल्पना की जा सकती है।

जयपुर के हवामहल से महज़ 600 वोटों से जीतने वाले बालमुकुंद आचार्य ने विधायक पद की शपथ लिये बिना ही सोमवार को स्थानीय पुलिस को आदेश दे दिया कि शाम तक उनके क्षेत्र के नॉन वेज के सारे ठेले हटाये जायें। उन्होंने पुलिस से कहा कि उनके लाइसेंसों की जांच की जाये और उन्हें दिखलाया जाये। आचार्य ने पुलिस अधिकारियों से यह भी पूछा कि वे स्वयं रिपोर्ट देंगे या उन्हें पुलिस स्टेशन आना पड़ेगा? राजस्थान मिली-जुली संस्कृति का प्रदेश है जहां सभी धर्मों के लोग रहते हैं। जाहिर है कि उनकी जीवन शैलियों में भी भिन्नता है। खान-पान सम्बन्धी रुचियां भी अलग-अलग हैं। चाहे शाकाहार हो या मांसाहार- सभी धर्मों के लोगों की जीवन पद्धति में दोनों ही तरह के भोजन शामिल हैं।

धाम पीठाधिश्वर कहे जाने वाले बालमुकुंद आचार्य का एक वीडियो वायरल हुआ है जिसमें वे अपने मोबाइल पर किसी अधिकारी को निर्देश देते हुए दिखाई दे रहे हैं कि चांदी की टकसाल रोड पर मांसाहार की दुकानें हटा दी जायें। इस सड़क पर जितने भी ठेले खुले में नॉन वेज पदार्थ बिक रहे हैं, वे दिखने नहीं चाहिये। इस वीडियो के वायरल होने के बाद उन्होंने सफाई दी कि वे किसी को धमका नहीं रहे हैं बल्कि निवेदन कर रहे हैं। फिर भी उन्होंने साफ किया कि उन्हें विधायक बनने का सर्टिफिकेट मिल गया है और अब वे किसी मुहूर्त का इंतज़ार नहीं करेंगे। उनका यह भी आरोप था कि कांग्रेस शासन में अधिकारी टालमटोल करते थे परन्तु वे इस बात को बर्दाश्त नहीं करेंगे। उनका कहना था कि उनके क्षेत्र के लोग खुले में मांस का व्यवसाय होते देखना पसंद नहीं करेंगे। उनकी शिकायत थी कि इसकी आड़ में गोमांस का भी कारोबार होता है।

बालमुकुंद आचार्य अखिल भारतीय संत समाज की राजस्थान शाखा के प्रमुख हैं। वे हर ऐसे मामले में हिन्दुओं का पक्ष लेने पहुंचते हैं जहां किसी भी प्रकार का साम्प्रदायिक टकराव होता है। पिछले दिनों वे अपने एक और बयान के लिये चर्चा में आये थे जिसमें उन्होंने कहा था कि जयपुर के परकोटा क्षेत्र में बड़ी तादाद में मंदिर थे जिन्हें नष्ट किया जा चुका है। उन्होंने ऐसे सैकड़ों मंदिरों के उनके पास प्रमाण होने का भी दावा किया था। उन्होंने यह भी कहा कि अब वे हर रोज ऐसे ही एक मंदिर में जायेंगे जिन्हें ध्वस्त कर दिया गया है। इन मंदिरों के पुनर्निर्माण या जीर्णोद्धार का भी उन्होंने संकल्प ले रखा है। देखना यह होगा कि विधायक बनने के बाद अपने बढ़े हुए रसूख व शक्तियों के साथ वे अपने अभियान को कैसा और किस तरह का अंजाम देते हैं। अब तो सरकार भी उनकी है और यह भी सम्भव है कि वहां बाबा बालकनाथ को मुख्यमंत्री बना दिया जाये। फिर तो उनका संकल्प पूरा होकर ही रहेगा।

उधर दूसरी तरफ जयपुर की ही झोटवाड़ा सीट पर जीते भाजपा नेता कर्नल (सेवानिवृत्त) राज्यवर्धन राठौड़ ने चेतावनी जारी कर दी है कि वे अब माफियाओं को ढूंढ़-ढूंढकर निकालेंगे और नाश्ते में खाएंगे। उनका भी एक वीडियो वायरल हुआ है जिसमें वे कहते हैं- 'मैं माफियाओं को नाश्ते में खाता हूं। जितने माफिया हैं वे कान खोलकर सुन लें कि अगर वे मुझको रोक सकते हैं तो रोक लें। अगर नहीं रोक सकते तो मैं माफियाओं को ढूंढ़-ढूंढ़कर निकालूंगा, नाश्ते में खाऊंगा। हिम्मत है तो मुझे रोककर दिखा दो।'

उल्लेखनीय है कि कांग्रेस की निवर्तमान अशोक गहलोत सरकार ने लोगों के पक्ष में अनेक कल्याणकारी योजनाएं लागू की थीं। राज्य के लोगों के लिये 450 रुपये में रसोई गैस का सिलेंडर दिया जा रहा था। साथ ही अंग्रेजी माध्यम स्कूल खोलने का भी ऐलान हुआ था। उनके द्वारा चिरंजीवी स्वास्थ्य योजना भी लाई गई थी जिसके अंतर्गत किसी भी तरह की बीमारी का 50 लाख रुपये तक का इलाज मुफ्त किया जा रहा था। पहले यह राशि 25 लाख रुपये तक थी जिसे बाद में बढ़कर 50 लाख किया गया था। इसके मुकाबले भाजपा ने कन्हैयालाल नामक व्यक्ति की हत्या को प्रमुख मुद्दा बनाया था। साम्प्रदायिकता व ध्रुवीकरण को राजस्थान की जनता ने अपनी पसंद बतलाकर भाजपा के पक्ष में बड़ा समर्थन दिया। बड़ी बात नहीं अगर पहले दिन से ही भाजपा के नवनिर्वाचित विधायक ऐसे बयान दे रहे हैं; क्योंकि वे जनता की पसंद को समझ गये हैं। फिर उन्हें अगला चुनाव भी तो जीतना है।

सकारात्मकता का पाठ सिखाते मोदी

पांच में से तीन राज्यों के विधानसभा चुनावों में रविवार को मिली छप्पर फाड़ जीत से गदगद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जब अगले ही दिन संसद के शीतकालीन सत्र में हिस्सा लेने पहुंचे, तो वे उत्साह से इस कदर लबरेज़ थे कि उन्होंने संसद के द्वार पर विपक्ष को 'सकारात्मकता' का संदेश दिया और 'नफरत का भाव' त्यागने की भी सलाह दी। उन्होंने विपक्ष को समझाया कि 'ऐसा करने से देश का उनके प्रति नज़रिया बदलेगा जिसका उन्हें (प्रतिपक्ष को) इसलिये राजनैतिक लाभ भी मिलेगा क्योंकि जनता उनसे (विरोधी दलों से) मोहब्बत करने लगेगी।' प्रधानमंत्री की उन्हें यह भी सलाह थी कि वे विरोध के लिये विरोध छोड़ें। तीन राज्यों में मिली 'पराजय का गुस्सा छोड़कर' विपक्ष को चर्चा में भाग लेने के प्रति आगाह करते हुए पीएम ने उनसे सरकार की कमियों पर सलाह देने के लिये भी आमंत्रित किया। उन्होंने यह भी इशारा किया कि विपक्षी दलों का यह रवैया पिछले नौ वर्षों से चला आ रहा है। जाहिर है कि वे इन शब्दों में अपने ही कार्यकाल का उल्लेख कर रहे थे। एक 'मजबूत एवं सामर्थ्यवान विपक्ष' की ज़रूरत बतलाकर मोदी ने सबको चकित भी कर दिया।

प्रधानमंत्री के ये परामर्श ऊपरी तौर पर तो बेहद नेक नज़र आते हैं और कोई भी यह नहीं कह सकता कि इस सीख को विरोधी नेताओं को नहीं अपनाना चाहिये। सवाल तो यह है कि क्या स्वयं मोदी इस कथित नकारात्मकता के भाव से ऊपर उठ चुके हैं? क्या उनमें विरोधी दलों एवं उनके नेताओं के प्रति नफरत का भाव कूट-कूटकर नहीं भरा हुआ है? सकारात्मकता का काढ़ा पिलाने की कोशिश करने वाले मोदी अगर ईमानदारी से अपने इन विचारों और खुद के आचरण पर ही गौर फरमाएं तो पाएंगे कि उनकी कथनी और करनी में धरती-आकाश सा फासला है। फिर भी, क्या ही अच्छा होता कि इस सलाह पर अमल की शुरुआत अगर उन्हीं से होती।

जिन नौ वर्षों के दौरान के विपक्ष के रवैये से मोदी व्यथित नज़र आये, उसे अगर उन्हीं के बरक्स देखें तो उनका यह वक्तव्य एक बड़े विरोधाभास से कतई कम नज़र नहीं आता। अमूनन मीडिया से भागने वाले मोदी अब संसद का सत्र प्रारम्भ होने पर इस तरह से मीडिया के समक्ष संक्षिप्त से उद्बोधन के लिये नमूदार होने लगे हैं। कम से कम इसका स्वागत तो किया ही जा सकता है। और भी बेहतर होता अगर वे पिछले सभी प्रधानमंत्रियों की परम्परा का निर्वाह करते हुए सत्र की शुरुआत के वक्त प्रेस कांफ्रेंस करते। पत्रकारों से सवाल आमंत्रित करते और उनके जवाब देते। अपने दो कार्यकालों के दौरान यह शायद चौथा या पांचवा मौका रहा होगा जब वे मीडिया के सामने आये। एक ओर तो वे पत्रकारों से बात ही नहीं करते, तो वहीं दूसरी ओर संसद में उनकी उपस्थिति बहुत कम होती है। संसदीय परम्परा के ही अनुसरण में सारे पूर्व प्रधानमंत्री पूरे समय संसद के दोनों सदनों में हाज़िर रहा करते थे। मोदी संसद के सत्रों के दौरान सदन के बाहर सभाएं या रैलियां करते फिरते हैं। शून्य काल या प्रश्न काल में वे नज़र ही नहीं आते। अक्सर चर्चा खत्म होने के बाद वे आते भी हैं तो उनके भाषणों में विपक्ष के सवालों के सिलसिलेवार या तार्किक जवाब नहीं होते और न ही देश की चिंताओं को वे एड्रेस करते नज़र आते हैं। तमाम महत्वपूर्ण विधेयक वे चर्चा के बगैर पास कराते हैं। कोई अगर सवाल करे तो वे या तो उस पर बात ही नहीं करते या फिर ऐसे मुखर सदस्यों की आवाज़ को अपने सांसदों के शोर-गुल में दबवा देते हैं। इस पर भी उनके लिये उठाये जाने वाले अड़चन भरे सवालों या बयानों को संसदीय कार्यवाही से विलोपित कर दिया जाता है या सदस्यों को ही निलम्बित करा दिया जाता है। इस पर भी मन न भरे तो उनके यहां केन्द्रीय जांच एजेंसियां दस्तक देने लगती हैं। सर्वदलीय बैठक जूनियर मंत्रियों के हवाले कर वे स्वयं बाहर सभाएं करते हैं।

सरकार की त्रुटियों पर विपक्ष के विचार आमंत्रित करने का औदार्य दिखलाने वाले ये वही मोदी हैं जो अपनी आलोचना को विरोधियों द्वारा गालियां देना भी बतलाते रहे हैं। ऐसा वे संसद के बाहर व भीतर दोनों जगहों पर करते हैं। उनके कारोबारी मित्र गौतम अदानी या फिर चीन की भारतीय सीमा में घुसपैठ की बात की जाये तो वे इसे देश पर हमला बतलाने लगते हैं; और अगर नोटबन्दी या जीएसटी की असफलताओं पर विपक्ष बात करे तो उसे देशविरोधी करार दिया जाता है। पिछले 70 वर्षों का बिला नागा रोज हिसाब मांगने वाले मोदी से सम्बन्धित कोई सवाल अगर हो तो वे उन्हें मिलने वाली गालियों की संख्या बतलाने लगते हैं। या वे इस बात का रोना रोते हैं कि उन्हें क्या-क्या कहकर और कितने किलो गालियां दी गईं। अगर प्रधानमंत्री खुली चर्चा के इतने ही हिमायती हैं तो उन्हें अपने सांसदों, पार्टी प्रवक्ताओं, आईटी सेल, ट्रोल आर्मी से कहकर विपक्ष की आवाज दबाने के लिये चलाए जा रहे अभियानों को रुकवाना चाहिये। सब जानते हैं कि ऐसा होना सम्भव नहीं है क्योंकि यह मोदी व उनकी भारतीय जनता पार्टी का विपक्ष के खिलाफ एक बेहद अलोकतांत्रिक अभियान का हिस्सा है। मजबूत प्रतिपक्ष की वकालत कर उसे खुली चर्चा का न्यौता ऐसा कोई व्यक्ति दे ही नहीं सकता जो देश को उसकी सबसे पुरानी और आजादी के आंदोलन में प्रमुख भूमिका निभाने वाली कांग्रेस से ही मुक्त होने का न केवल सपना दिखाए बल्कि उसका नारा भी दे और ऐसा करने के तमाम अलोकतांत्रिक कदम उठाये। खुद मोदी कांग्रेस एवं सम्पूर्ण विपक्ष को अनेक प्रकार से बदनाम करने के अभियानों का (सफल) नेतृत्व करते आये हैं।

डॉ. दीपक पाचपोर

सरकार की त्रुटियों पर विपक्ष के विचार आमंत्रित करने का औदार्य दिखलाने वाले ये वही मोदी हैं जो अपनी आलोचना को विरोधियों द्वारा गालियां देना भी बतलाते रहे हैं। ऐसा वे संसद के बाहर व भीतर दोनों जगहों पर करते हैं। उनके कारोबारी मित्र गौतम अदानी या फिर चीन की भारतीय सीमा में घुसपैठ की बात की जाये तो वे इसे देश पर हमला बतलाने लगते हैं; और अगर नोटबन्दी या जीएसटी की असफलताओं पर विपक्ष बात करे तो उसे देशविरोधी करार दिया जाता है।

वैसे जब प्रधानमंत्री संसद भवन को 'लोकतंत्र का मंदिर' बतलाते हुए विपक्ष को ज्ञान दे रहे थे तो उनकी भाव-भंगिमा में विनम्रता व सहजता नहीं थी। सम्भवत: वे कांग्रेस पर खास तौर पर तंज कसने और उसका मखौल उड़ाने के लिये प्रकट हुए थे। ऐसा उन्होंने पहली बार नहीं किया। संसद के दस्तावेज़ों में उनके ऐसे अनेक भाषण संरक्षित होने चाहिये जो विपक्ष एवं राष्ट्र निर्माताओं के लिये अपमानसूचक शब्दों से भरे पड़े हैं। उनका यही रवैया सदन के बाहर दिये जाने वाले भाषणों में भी रहता है। बहुत पीछे जाकर उनके पुराने वक्तव्यों को उद्धृत करने की बजाये हाल के उनके कुछ बयानों को देखें तो उनका व्यवहार उनकी इस ताज़ा सीख से एकदम अलग है। पुरानी संसद से नये भवन में जाने के पहले उन्होंने इसी जगह पर कहा था कि 'विपक्ष रोना-धोना छोड़कर नयी शुरुआत करे।' रोने-धोने से उनका आशय वही था जो इस बार की नकारात्मकता से है। यानी उन्हें असहज करने वाले प्रश्न न पूछे जायें और सरकार की हां में हां मिलाई जाये। मोदी की सकारात्मकता का यही आशय है। फिर, सवाल पूछने वाले उनके लिये 'मूर्खों के सरदार' भी हो जाते हैं।

अधिक पीछे गये बगैर मोदी के पिछले नौ वर्षों के राजनैतिक सफर को देखें तो कह सकते हैं कि सकारात्मकता अपनाने का जो संदेश वे दे रहे हैं उसकी शुरुआत उन्हीं से किये जाने की सख्त ज़रूरत है। आजाद मुल्क के गौरवशाली संसदीय इतिहास व लोकतांत्रिक विरासत को हमेशा गरियाने और विपक्ष विहीन भारत का नारा बुलन्द करने वाले मोदी ने जो बातें सोमवार को संसद भवन की दहलीज पर कीं, उसके एक छोटे से हिस्से पर भी वे अमल करें तो देश का न केवल लोकतंत्र बचा रहेगा वरन देश भी बच जायेगा।

(लेखक देशबन्धु के राजनीतिक सम्पादक हैं)

इंडिया ब्लॉक को विधानसभा चुनाव नतीजों से उचित सबक लेना होगा

■ नित्य चक्रवर्ती

पांच राज्यों की विधानसभाओं के चुनाव परिणाम अप्रैल/मई 2024 में होने वाले लोकसभा चुनावों से ठीक चार महीने पहले भाजपा विरोधी विपक्ष को अशुभ संकेत भेज रहे हैं। तीन उत्तर भारतीय राज्यों- मध्यप्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में अपने मुख्य प्रतिद्वंद्वी भाजपा के हाथों कांग्रेस की हार एक आपदा है। भाजपा की इस भारी जीत का प्रभाव राष्ट्रीय फलक पर बीआरएस को हराकर तेलंगाना में कांग्रेस की जीत को बेअसर कर देगा।

राज्य विधानसभा चुनावों के नतीजों से कई सबक मिलते हैं। सबसे महत्वपूर्ण है देश के इन तीन प्रमुख राज्यों में मतदाताओं के राजनीतिक मूड में भाजपा के पक्ष में स्पष्ट बदलाव। यह सीमांत नहीं है, यह बहुत अधिक है। चुनाव प्रचार के अंतिम समय तक यह धारणा थी कि इस साल मई में हिमाचल और इससे भी अधिक कर्नाटक में जीत के बाद कांग्रेस को चुनावी लड़ाई में बढ़त मिल रही है। 3 दिसंबर के नतीजों से पता चला है कि हवा भाजपा के पक्ष में बदल गई है और इससे हिंदी भाषी राज्यों में 2024 के लोकसभा चुनावों में कांग्रेस के पलटवार की संभावना कम हो गई है।

आइए इन तीन राज्यों में पिछले लोकसभा चुनाव के नतीजों पर नजर डालते हैं। 2019 के लोकसभा चुनाव में कुल 65 सीटों में से भाजपा को 61 सीटें मिली थीं, जबकि कांग्रेस को मात्र 3 सीटें ही मिली थीं। यह परिणाम 2018 के विधानसभा चुनावों के बाद आया था जिसमें कांग्रेस ने तीनों राज्यों में भाजपा को हरा दिया था। 2019 के लोकसभा नतीजों को कई लोगों ने नरेंद्र मोदी फैक्टर का जिक्र करके समझाया। अब लोकसभा चुनाव की पूर्वसंध्या पर इन तीनों राज्यों में से किसी में भी कांग्रेस की सरकार नहीं है। मोदी फैक्टर को छोड़ दें, केवल राज्य चुनाव प्रचार के आधार पर, कांग्रेस के पास इन तीन राज्यों में मतदाताओं को देने के लिए कुछ भी नया नहीं होगा।

2024 के चुनावों में हिंदी भाषी राज्यों में बदलाव कांग्रेस पार्टी के लिए अपनी लोकसभा सीटों को वर्तमान 52 से बढ़ाकर 120 से अधिक करने के लिए महत्वपूर्ण है, जो कि प्रमुख विपक्षी दल के लिए भारत ब्लॉक में प्रमुख भूमिका निभाने के लिए न्यूनतम है, यदि भाजपा को केन्द्र की सत्ता से बेदखल करना है तो। 2003 के विधानसभा चुनावों में सभी राज्यों में हार के बावजूद, 2004 के लोकसभा चुनावों में कांग्रेस ने इन तीन राज्यों में अच्छा प्रदर्शन किया। वह बीस साल पहले की बात है और प्रधानमंत्री के रूप में कोई नरेंद्र मोदी नहीं थे। कांग्रेस को गंभीरता से आत्मनिरीक्षण करना होगा और देखना होगा कि अगले कुछ महीनों में धारणा को कैसे बदला जा सकता है।

3 दिसंबर के नतीजे मतदाताओं के मूड में एक स्पष्ट दक्षिण-उत्तर विभाजन का संकेत देते हैं। आम तौर पर, पिछला इतिहास बताता है कि एक बार जब कांग्रेस को किसी क्षेत्रीय पार्टी सत्ता से हटाती है, तो सबसे पुरानी पार्टी कभी भी अपने दम पर सत्ता में वापस नहीं आती। तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, झारखंड और यहां तक कि बिहार के साथ भी यही स्थिति रही है। तेलंगाना में, यह प्रवृत्ति उलट गई है और इससे कांग्रेस आलाकमान को दक्षिण भारतीय राज्यों, विशेष रूप से आंध्र प्रदेश और केरल में अधिक महत्वाकांक्षी लक्ष्य मिल सकते हैं।

कांग्रेस पार्टी के लिए दिक्कत यह है कि दक्षिणी राज्यों से उसे लोकसभा में ज्यादा सीटें मिलने की गुंजाइश कम है। पार्टी को सबसे ज्यादा फायदा हिंदी भाषी राज्यों से होना है क्योंकि 2019 के लोकसभा चुनाव में इन राज्यों में प्रदर्शन सबसे निचले स्तर पर था। मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के अलावा, अन्य हिंदी भाषी राज्य बिहार, झारखंड, हरियाणा और उत्तर प्रदेश हैं। बिहार और झारखंड में कांग्रेस पहले से ही गठबंधन सरकार का हिस्सा है। ताजा नतीजे इन गठबंधन राज्यों में अपने सहयोगियों से अधिक लोकसभा सीटों के लिए कांग्रेस की सौदेबाजी की शक्ति को कम कर देंगे।

जहां तक इंडिया गठबंधन के सहयोगियों का सवाल है, नतीजों ने खतरा भी पैदा किया है और कुछ अवसर भी। कांग्रेस विधानसभा चुनावों में अच्छी जीत की उम्मीद कर रही थी और उस आधार पर, 2024 के चुनावों के लिए सीट बंटवारे के संबंध में बेहतर सौदेबाजी की शक्ति के साथ आगामी विपक्षी गठबंधन बैठक में भाग लेने की योजना बना रही थी। वह लाभ अब नहीं रहेगा। अपमानित और निराश कांग्रेस नेतृत्व सीट बंटवारे के फॉर्मूले सहित विधानसभा चुनाव के बाद की रणनीति पर चर्चा करने के लिए 6 दिसंबर को इंडिया ब्लॉक की बैठक में भाग लेगा।

बिहार, झारखंड और उत्तर प्रदेश में सहयोगियों के लिए भाजपा की चुनौती कड़ी होगी। खासकर बिहार में यह अपने चरम पर पहुंचेगा जहां भाजपा के सभी हमलों के केंद्र में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार होंगे। भाजपा यह सोचकर कि जाति जनगणना की मांग को तीन राज्यों में मतदाताओं ने खारिज कर दिया है, आने वाले महीनों में नरेंद्र मोदी की गारंटी के आधार पर जोरदार प्रचार करेगी। जद(यू) और राजद दोनों स्थिति की समीक्षा कर सकते हैं। कांग्रेस को राज्य चुनाव से पहले अपने पहले के अनुमानों के विपरीत कम संख्या में सीटों से संतोष करना पड़ सकता है।

उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव का होगा इंडिया गठबंधन के सहयोगियों के साथ सीट बंटवारे पर अंतिम फैसला। हाल के हफ्तों में यूपी कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने सभी 80 सीटों पर चुनाव लड़ने की बात कही थी। यह इस विश्वास का परिणाम था कि पार्टी विधानसभा चुनावों में अच्छा प्रदर्शन करेगी। अब, अखिलेश कांग्रेस पर अपनी शर्तें थोप सकते हैं, तथा अन्य सहयोगी निश्चित रूप से उनका समर्थन करेंगे। अखिलेश इस बात से भी चिंतित हैं कि हिंदी पट्टी में भाजपा की जीत निश्चित रूप से राज्य भाजपा को उत्साहित करेगी जो 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन के कारण पहले से ही लाभप्रद स्थिति में है। संक्षेप में, हिंदी भाषी राजनीतिक परिदृश्य इंडिया गुट के लिए अनुकूल नहीं हैं।

जो पार्टियां विधानसभा चुनाव नतीजों से थोड़ी भी अछूती रहीं, उनमें तृणमूल कांग्रेस, वामपंथी दल और डीएमके शामिल हैं। ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली टीएमसी निश्चित रूप से राज्य की राजनीति में पुनरुत्थान वाली भाजपा का सामना करेगी, लेकिन उन्होंने यह सुनिश्चित किया है कि उनका संगठन बिखरी हुई भाजपा के खिलाफ लोकसभा चुनावों के लिए अच्छी तरह से तैयार है। वह हमेशा चाहती थीं कि सीट बंटवारे पर बातचीत सितंबर में शुरू हो लेकिन कांग्रेस ने नतीजों की घोषणा तक इसमें देरी की। अब जब सीट बंटवारे पर बातचीत शुरू होगी, तो टीएमसी सुप्रीमो कमजोर कांग्रेस से निपटेंगी, अगर कांग्रेस अंतत: टीएमसी के साथ गठबंधन करने का फैसला करती है।

जहां तक दो वामपंथी दलों, सीपीआई और सीपीआई (एम) का संबंध है, सीपीआई को कांग्रेस के साथ गठबंधन के परिणामस्वरूप तेलंगाना में एक सीट मिली। कांग्रेस के साथ सीपीआई (एम) की गठबंधन वार्ता टूट गई। पार्टी ने कुछ सीटों पर चुनाव लड़ा लेकिन उसे कोई सीट नहीं मिली। सीपीआई (एम) ने राजस्थान में अपनी दो सीटें खो दीं। यह पार्टी के लिए बड़ा नुकसान है क्योंकि किसान आंदोलनों के जरिए पार्टी राजस्थान में अच्छा आधार बनाने में सफल रही है। लेकिन लोकसभा चुनाव में सीपीआई (एम) के लिए सबसे चुनौतीपूर्ण काम केरल से होगा। कुल 20 सीटों में से सीपीआई (एम) के पास अब केवल एक सीट है। कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ को अन्य 19 सीटें मिली हैं। यह दोनों मोर्चों एलडीएफ और यूडीएफ की संबंधित ताकत के अनुपात से अधिक है। सीपीआई और सीपीआई (एम) दोनों के पास 2024 के लोकसभा चुनावों में यूडीएफ सहयोगियों से सीटें हासिल करने का अच्छा अवसर है। केरल से अधिक सीटें जीतकर ही वाम दल अपनी संख्या मौजूदा पांच से बढ़ा सकते हैं। कांग्रेस को लगता है कि कर्नाटक और तेलंगाना चुनाव के बाद दक्षिण में उसकी स्वीकार्यता बढ़ी है। पार्टी केरल में अपनी सीटें बरकरार रखने की पूरी कोशिश करेगी।

कांग्रेस और इंडिया ब्लॉक में उसके सहयोगियों को लोकसभा चुनावों में राजनीतिक चुनौतियों पर समग्र रूप से विचार करना होगा। सहयोगियों को याद रखना होगा कि कांग्रेस ही एकमात्र ऐसी पार्टी है जो राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा से मुकाबला करने की स्थिति में है। कांग्रेस का कमजोर होना विपक्ष के हित में नहीं है। वहीं, कांग्रेस को यह भी देखना होगा कि संयुक्त विपक्ष की अधिकतम ताकत का इस्तेमाल भाजपा के खिलाफ लड़ाई में किया जा सके। इंडिया ब्लॉक के साझेदारों को इसे ध्यान में रखते हुए 6 दिसंबर की चर्चा में भाग लेना चाहिए। उन्हें यह ध्यान में रखना चाहिए कि प्रधानमंत्री उत्साहित मूड में हैं और वह 22 जनवरी को राम मंदिर उद्घाटन के तुरंत बाद राष्ट्रीय चुनावों की घोषणा कर सकते हैं। उन्हें उससे पहले सीट साझा करने की व्यवस्था और अभियान कार्यक्रमों के साथ तैयार रहना चाहिए।

जहां तक इंडिया गठबंधन के सहयोगियों का सवाल है, नतीजों ने खतरा भी पैदा किया है और कुछ अवसर भी। कांग्रेस विधानसभा चुनावों में अच्छी जीत की उम्मीद कर रही थी और उस आधार पर, 2024 के चुनावों के लिए सीट बंटवारे के संबंध में बेहतर सौदेबाजी की शक्ति के साथ आगामी विपक्षी गठबंधन बैठक में भाग लेने की योजना बना रही थी। वह लाभ अब नहीं रहेगा।

पावन प्रसंग

सेवा का अवसर न जाने दें

स्वामीजी का प्रवचन समाप्त हुआ। अपने प्रवचन में उन्होंने सेवाधर्म की महत्ता पर विस्तार से प्रकाश डाला और अंत में यह निवेदन भी किया कि इस राह पर चलने के इच्छुक हों, वे मेरे कार्य में सहयोगी हो सकते हैं। सभा विसर्जन के समय दो व्यक्तियों ने आगे बढ़कर अपने नाम लिखाए। स्वामीजी ने दूसरे दिन आने का आदेश दिया। सभा का विसर्जन हो गया, लोग इधर-उधर बिखर गए। दूसरे दिन सड़क के किनारे खड़ी थी एक महिला, पास में रखा था घास का भारी ढेर। प्रतीक्षा थी किसी राहगीर की। आए और उठवा दे उसका बोझा। एक आदमी आया, मजदूरनी ने अनुनय विनय की, पर उसने उपेक्षा की दृष्टि से देखा और बोला- अभी मुझे समय नहीं है, मैं बहुत महत्वपूर्ण कार्य को संपन्न करने जा रहा हूं। इतना कहकर आगे बढ़ गया। थोड़ी सी दूर पर एक बैलगाड़ी दलदल में फंसी खड़ी थी। गाड़ीवान बैलों पर डंडे बरसा रहा था. पर बैल एक कदम भी आगे न बढ़ पा रहे थे। यदि पीछे से कोई गाड़ी के पहियों को धक्का देकर आगे बढ़ा दे तो बैल उसे खींचकर दलदल से बाहर निकाल सकते थे। गाड़ीवान ने कहा- भैया! आज तो मैं मुसीबत में फंस गया हूं थोड़ी सहायता करो मेरी।

राहगीर बोला- मैं इससे भी बड़ी सेवा करने स्वामीजी के पास जा रहा हूं, फिर बिना कीचड़ में घुसे धक्का देना भी संभव नहीं। अत: कौन खराब करे अपने कपड़े। इतना कहकर वह आगे बढ़ गया। और आगे चलने पर मिली उसे एक नेत्रहीन वृद्धा, जो अपनी लकड़ी सड़क पर खटखट कर दयनीय स्वर से कह रही थी- कोई है क्या? मुझे सड़क की बाईं ओर वाली उस झोंपड़ी तक पहुंचा दो भगवान भला करे। बड़ा एहसान होगा मुझ पर। वह व्यक्ति कुड़कुड़ाया, क्षमा करो मां। क्यों बिगाड़ती हो। तुम शायद नहीं जानतीं मैं बड़ा आदमी बनने जा रहा हूं। मुझे जल्दी पहुंचना है। उस सेवाव्रती राहगीर ने सभी अवसर ठुकरा दिए, जबकि दूसरे अगले सेवाव्रती ने उस मजदूरनी का बोझा उठाया, वृद्धा को उसकी झोपड़ी तक पहुंचाया। बैलगाड़ी को दलदल से निकालने में मदद की। इस तरह उन सबकी सहायता की और स्वामीजी के पास देर से पहुंचने का कारण बताया। स्वामीजी की परीक्षा में सेवा-सहायता करने वाला व्रती उत्तीर्ण हुआ।

सेवाभावी नेतृत्व-सेवा का नेतृत्व का अर्थ है- वह वर्चस्व जिसके सहारे परिचितों और अपरिचितों को अंकुश में रखा जा सके,अनुशासन में चलाया जा सके। आमतौर से मनुष्य अनगढ़ होते हैं। छोटे बच्चे जागने से लेकर सोने तक ऐसे ही उछल-कूद करते रहते हैं। उनकी भाग-दौड़ का न कोई प्रयोजन होता है और न लाभ। मनमर्जी चलाने में उन्हें मजा आता है। इशारे से समझाने पर मानते नहीं। उन्हें काबू में रखना, शिष्टाचार बरतने के लिए सहमत करना, पढ़ने जैसे किसी उपयोगी काम में लगाना तभी संभव होता है, जब उनके पीछे व्यवहारकुशल अध्यापक या अभिभावक लगें। यही नेतृत्व है।

आत्मानुभूति यह भी होनी चाहिए कि सबसे बड़ी पदवी इस संसार में मार्गदर्शक की है। नाविक और अध्यापक जो स्नेह, सम्मान पाते हैं, अगणितों को कृतज्ञ बनाते और पार लगाते हैं, वह साधारण नहीं, असाधारण बात है। उतना कर पाना आत्मसंतोष के लिए, सबसे बड़ा आधार है। लोकश्रद्धा इसी के सहारे अर्जित होती है। संसार में जो भी महामानवों की श्रेणी में पहुंचे हैं, उन सभी को जनसमर्थन- जन सहयोग निश्चित रूप से मिला है। यह किस प्रकार सुलभ-संभव है, उसकी विद्या अनुभव- अभ्यास में उतार लेना महती सफलताओं में एक गिनी जा सकती है।

अपने दुर्गुण, कुविचारों एवं हेय कार्यों पर कड़ी नजर रखी जाए. उनका विरोध- असहयोग जारी रखा जाए तो कोई कारण नहीं कि जीवन को उच्चस्तरीय बनाने वाली सत्प्रवृत्ति अपने अभ्यास में न उतार सके। यह बहुत बड़ी बात है। नम्रता, सज्जनता, शिष्टता, उदारता, सेवा भावना के बलबूते कोई भी व्यक्ति लोकप्रिय एवं श्रद्धास्पद बन सकता है साथ ही उस समर्थन के कारण हर क्षेत्र में प्रगति के लिए अवसर मिलते रहने का सिलसिला अनायास ही चल पड़ता है।

युग निर्माण योजना

आपके पत्र

स्त्री की बुनियादी भूमिका और अधिकारों के मूल्यांकन की आवश्यकता

आज स्त्री के संदर्भ में सारी पुरातन अवधारणाओं को बदलने का समय आ गया है। नारी अब घर में पूज्या तो है ही साथ ही वह समाज में अपनी अहमियत की दस्तक देकर देश की सीमा सुरक्षा में भी अपना योगदान दे रही है। राष्ट्र निर्माण में नारी की शिक्षा एवं उनकी सहभागिता भारत का शक्तिशाली भविष्य है, अत: नारी की शिक्षा देश के लिए अति महत्वपूर्ण मुद्दा बन गई है। इनके अधिकारों और नई भूमिका के सही मूल्यांकन महती जरूरत है। वह समय चला गया जब किसी घर में कन्या के पैदा होने से पूरे परिवार में मातम छा जाता था अब भारत में धीरे-धीरे सामाजिक परिवेश में लिंग भेद बदलने लगा है। स्थिति यह है कि शिक्षित परिवार केवल एक संतान ही पैदा करना चाहती है चाहे वह कन्या हो या पुत्र। अब परिवार में कन्या पैदा होने से खुशियां मनाई जाती है और पुरातन सोच अब धीरे-धीरे सामाजिक परिवेश को मस्तिष्क के मूल्यांकन के साथ बदलते जा रही है। पुरुष प्रधान समाज में नारी को पूज्या कह कर बहला दिया जाता था और उसे घर की चहारदीवारी में सीमित कर दिया गया था। यही कारण था कि वे पुरुषों की बराबरी में ना आकर बहुत पिछड़ गई और देश की समग्र विकास की स्थिति एकांगी हो गई थी। समाज यह भूल गया था कि जिन हाथों में कोमल चूड़ियां पहनी जाती हैं वही हाथ तलवार भी उठा कर युद्ध में एक वीरांगना की भूमिका निभाती है, इसकी सर्वश्रेष्ठ उदाहरण रजिया बेगम और रानी लक्ष्मीबाई रही हैं। मनुस्मृति पर यदि आप नजर डालेंगे तो पाएंगे कि उसमें स्पष्ट कहा गया है कि जहां नारियों की पूजा होती है वहां देवताओं का वास होता है। प्राचीन भारत में नारी शिक्षा का काफी प्रचार प्रसार किया गया था इसके कई प्रमाण भी हैं कि वेद की रिचाओं का ज्ञान नारियों को था इसमें कुछ महत्वपूर्ण नारियां समाज के लिए एक उदाहरण बन गई थी उनमें मैत्री, गार्गी, अनुसूया, सावित्री, आदि उल्लेखनीय हैं। वैदिक काल के विद्वान मुंडन मिश्र की पत्नी उदय भारती ने प्रकांड पंडित विश्व विजयी आदि शंकराचार्य को भी शास्त्रार्थ में भरी सभा में पराजित किया था। इसीलिए वेदों और पुराणों में भी उल्लेखित है की बालिका शिक्षा समाज के निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला होता है। नारी के उत्थान में कई कुप्रथा कुठाराघात करती रही हैं, जो नारी के विकास में बाधा बनकर सामने आई थी इनमें बाल विवाह सबसे बड़ा अवरोध बना था और इसी का प्रतिफल है कि नारी पुरुष के समाज में काफी पिछड़ गई थी। महादेवी वर्मा ने नारी शिक्षा को पुरुष शिक्षा से ज्यादा महत्वपूर्ण बताया था उन्होंने कहा था स्त्री को शिक्षित बनाना एक पुरुष को शिक्षित बनाने से ज्यादा आवश्यक और महत्वपूर्ण है यदि एक पुरुष शिक्षित -प्रशिक्षित होता है तो उससे एक ही व्यक्ति को लाभ होता है किंतु यदि स्त्री शिक्षित होती है तो उससे संपूर्ण परिवार शिक्षित हो जाता है। उन्होंने बहुत महत्वपूर्ण बात कही नारी को अशिक्षित रखना समाज के लिए अपराध के समान है। समय के परिवर्तन के साथ साथ नारी का महत्व अब पूरे तौर पर समझा जा रहा है। आज समाज तथा देश में नारियां सर्वोत्कृष्ट कार्य कर रही है। समाज हो या विज्ञान या राजनीति अथवा समाज सेवा संपूर्ण क्षेत्र में आज नारियां पुरुषों से कंधे से कंधा मिलाकर सर्वश्रेष्ठ कार्य कर रही है। महात्मा गांधी ने स्वयं कहा है कि जब तक भारत की महिलाएं पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर हर क्षेत्र में काम नहीं करेंगी तब तक भारत का सर्वांगीण विकास संभव नहीं है।

संजीव ठाकुर

तबलीगी इज्तेमा में पहले दिन पहुंचे 32 जिलों में बड़ी संख्या में लोग

छत्तीसगढ़ जिले के वार्षिक इज्तेमे का जबलपुर में आयोजन

जबलपुर, देशबन्धु। अहले सुन्नत वल जमात निजामुद्दीन मरकज दिल्ली (तबलीगी जमात) का मध्यक्षेत्र और छत्तीसगढ़ राज्य के 32 जिलों का 2 दिवसीय सालाना इज्तेमा (वार्षिक सम्मेलन) का इको सिटी खिजरी बाईपास में आयोजन किया गया है इज्तीमे में सभी जिलो से बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज के लोग पहुंचे कर इस्लामिक विद्वान की तकरीर सुनी ।

इज्तेमा में निजामुद्दीन मरकज दिल्ली से तशरीफ़ लाए इस्लामी विद्वान ने लोगो को संबोधित करते हुए कहा के इंसान का अपने ईश्वर से संबंध अच्छे करने से मनुष्य का मनुष्य के प्रति संबंध अच्छे बन सकते हैं जिसके लिए हजरत मोहम्मद साहब के विचारो एवं सिद्धांतो के अनुरूप मुसलमानों को अपना जीवन व्यतीत करना पड़ेगा। और उसके लिए अपने तन मन धन का इस्तेमाल करने के लिए प्रतिबद्ध होना पड़ेगा, तभी विश्व में शांति आ सकती हैं।

इसमें उन्होंने कहा कि बनी हुई वस्तुएं स्वयं की इच्छा से संसार में परिवर्तन लाभ हानि पहुंचाने में ईश्वर की ईच्छा के आधीन है कोई भी संशारिक व्यवस्था अपनी इच्छा से किसी को लाभ हानि नहीं पहुंचा सकती। अतः मनुष्य को चाहिए के अपने विश्वास को ईश्वर के प्रति सकारात्मक रखे। और उसके आधीन और उसके अंतिम दूत हजरत मोहम्मद साहब के चरित का अनुकरण करे सारे मनुष्य को भला मानुष बनाने का प्रयत्न करता रहे।

सीएम हेल्पलाइन रैंकिंग सुधारें : जयति सिंह

लंबित पत्रों की समीक्षा बैठक

जबलपुर, देशबन्धु। जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी जयति सिंह की अध्यक्षता में लंबित पत्रों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिसमें वर्चुअल रूप से अनुभाग व तहसील स्तयरीय अधिकारी भी जुड़े थे। इस दौरान उन्होने कहा कि अति आवश्यईक सेवाओं से जुड़े कार्यों के साथ-साथ रूटीन कार्य व आमजन की प्राथमिकताओं को देखें और उस दिशा में कार्य करें। बैठक में उन्हो्नें विभागवार सीएम हेल्प्लाईन के प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा कर कहा कि जिले में सीएम हेल्पलाइन रैंकिंग सुधारें। 50 दिन के अधिक प्रकरणों का निराकरण प्राथमिकता से करें। साथ ही लंबित पत्रों के निराकरण की समीक्षा भी की गई। श्रीमती सिंह ने कहा कि सभी अधिकारी अपने-अपने विभागीय प्रकरणों का निराकरण करें और विभागीय लक्ष्यों को पूरा करने की दिशा में कार्य करें। इस दौरानमुख्य रूप से राजस्व, आदिम जाति कल्याण, माइनिंग, एमपीबी, हेल्थ, पीएचई व शिक्षा विभाग से संबंधित मुद्दों पर चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि कुंडम, सिहोरा, मझौली व जबलपुर ब्लाक के लोक स्वाथ्य यांत्रिकी विभाग से संबंधित समस्याओं के निराकरण के लिये 8 दिसंबर को बैठक करने के निर्देश दिये। बैठक के प्रारंभ में उन्होंने सभी अधिकारियों को सफलता पूर्वक चुनाव संपन्न कराने के लिये धन्यवाद दिया। इस दौरान अपर कलेक्टर शेर सिंह मीणा सहित सभी जिला अधिकारी उपस्थित थे।

नेशनल लोक अदालत 9 दिसम्बर को

जबलपुर, देशबन्धु। प्रदेश के सभी जिलों में 9 दिसम्बर (शनिवार) को नेशनल लोक अदालत आयोजित की जाएंगी। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार नेशनल लोक अदालत में चिन्हित किये गये मुकदमा पूर्व और न्यायालयों में लंबित राजीनामा योग्य प्रकरणों को निराकरण के लिये रखा जायेगा। लोक अदालत में राशि वसूली, श्रम और रोजगार संबंधी विवाद, बिजली, पानी के बिलों सहित अन्य बिल भुगतान, मेंटेनेंस सहित अन्य प्रकरणों को लोक अदालत में रखा जायेगा।

नये छात्र-छात्राओं के लिए सीपीसीआर तकनीक पर व्याख्यान

जबलपुर, देशबन्धु। शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय में मंगलवार को नये प्रवेश लेने वाले छात्र-छात्राओं के लिए इंडक्शन प्रोग्राम के तहत व्याख्यान आयोजित किया गया। सीपीसीआर तकनीक पर आधारित व्याख्यान दिल्ली से आए डॉ.बीके डांग द्वारा दिया गया। इसमें छात्र छात्राओं को जीवनरक्षक की तकनीक के विषय में बताया गया। प्रधानाचार्य डॉ.एलएल अहिरवार के मार्गदर्शन में कार्यक्रम किया गया। इसमें डॉ.प्रतिभा बघेल, डॉ.मंजुला मिश्रा, डॉ.बरखा ठाकुर, डॉ.पंकज मिश्रा, डॉ.मनीषा राय, डॉ.मनीष नेमा और मोहम्मद रजा सिद्दिकी ने सहयोग किया। कार्यक्रम में सुविधा अस्पताल में डॉ.अंकिता नेमा और उनके सहयोगी शामिल हुए।

भाजपा के युवा नेता डॉ. अभिलाष पांडेय का स्वागत

जबलपुर, देशबन्धु। स्वागत के तारतम्य में मध्य क्षेत्र से नव निर्वाचित भाजपा के युवा नेता डॉ. अभिलाष पांडेय का स्वागत सिख युवा विग अध्यक्ष व विश्व हिन्दु परिषद जिलाध्यक्ष महाकौशल प्रांत नर्मदा जिला सरदार अमरजीत सिंह धंजल के नेतृत्व में स्वागत किया गया इस अवसर पर अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत महाकौशल प्रांतअध्यक्ष परविनदर जीत सिंह बिंद्रा, संगठन मंत्री धर्मेंद्र सिंह व गुरु सिंह सभा प्रेमनगर के सचिव सुरिन्दर सिह ,सरदार रंजित सिंह,अवतार सिंह बांगा, पूर्व पार्षद इन्द्रजीत कोर, हरमित सिंह, हरजी सिंह बिंद्रा परमजीत सिंह, अजीतपाल सिंह,रविंद्र सिंह,जगमित सिंह,गुरुदेव सिंह रील(बंटू) गुरमिंदर सिंह उपस्थित थे।

केंट की देवतुल्य जनता का सदा आभारी रहूंगा: अशोक रोहाणी

जबलपुर, देशबन्धु। केंट विधानसभा के भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी अशोक ईश्वरदास रोहाणी ने केंट विधानसभा क्षेत्र में 30045 मतों से विजयी होने पर जन आभार यात्रा मुखर्जी चौ मानेगावं से प्रारंभ हुई, जो सरस्वती शिशु मंदिर, फुहारा चैराहा, दुर्गा मंदिर, बड़ा पत्थर, जे.पी. मेमोरियल स्कूल, बजरंग नगर, किशन होटल, मस्ताना चैक, बापू नगर, मोनी तिराहा, रांझी चुंगी, दर्शन सिंह तिराहा, व्हीकल मोड़, शारदा नगर में समापन हुआ, इसके पश्चात् मेंहदी बाग, सदर, गणेश चैक, सदर की समस्त गलियों से भ्रमण करते हुए, क्षेत्रीय नागरिकों का आभार व्यक्त किया।

इस दौरान माइकल प्रदीप कपूर, नन्दकुमार यादव, सर्वेश मिश्रा, सचिन जैन सहारा दामोदर सोनी, अनुराग दाहिया, आशीष राव, संजय वर्मा, श्रीमती सावित्री शाह, श्रीमती संतोषी ठाकुर, निशांत झारिया, संजय जैन, सुंदर अग्रवाल, श्याम कनौजिया, सोनू बचवानी, पुष्पराज सिंह सेंगर, आशीष दास, वेद महावर आदि मौजूद थे।

लमेटाघाट सरस्वतीघाट का पुल पायलट प्रोजेक्ट की तरह बने

जबलपुर, देशबन्धु। नर्मदा पंचकोशी परिक्रमा समिति के द्वारा अपर कलेक्टर मिशा सिंह आई एस को लामेटा घाट सरस्वती घाट पुल पायलट प्रोजेक्ट की तरह शीघ्र तैयार किया जाए इस संदर्भ में आज 25000 हस्ताक्षरों का ज्ञापन सौंपा गया।

नर्मदा महाआरती के संस्थापक डॉक्टर सुधीर अग्रवाल ने बताया कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर निकाली गई नर्मदा पंचकोशी परिक्रमा में भयंकर भीड़ को देखते हुए नवंबर 2024 के पहले सरस्वती घाट एवं लामेटा घाट का पुल शीघ्र बन जाए।

मुख्यमंत्री के द्वारा 2017 में पुल को पास कर दिया गया था जो अभी धीरे-धीरे काम चलने के कारण पूरा नहीं हो पाया समिति ने मांग की है राजस्व विभाग लोक निर्माण विभाग आपस मे समन्वय स्थापित कर शीघ्र चालू करने की कृपा करें।

समिति द्वारा अभी तक 6 कलेक्टर 6 एस पी 5 कमिश्नर एवं आईजी सहित 400 बार विभिन्न विभागों में अभी तक ज्ञापन सोपा जा चुका है। ज्ञापन सपने में नर्मदा पंचकोशी परिक्रमा समिति के संरक्षक डॉक्टर सुधीर अग्रवाल अध्यक्ष डॉक्टर शिव शंकर पटेल पंडित मनमोहन दुबे श्याम मनोहर पटेल सुरेश विश्वकर्मा मनोज गुलब्बानी कैलाश विश्वकर्मा आदि उपस्थित थे।

उत्तर विधानसभा की जनता का बेटा कर रहा है आभार:अभिलाष

जबलपुर, देशबन्धु। विधानसभा चुनाव में उत्तर विधानसभा के भाजपा प्रत्याशी अभिलाष पांडे की प्रचंड विजय पर क्षेत्र की जनता का आभार व्यक्त करने जन आभार यात्रा निकाली गई। रैली में अभिलाष पांडे ने क्षेत्र की जनता का आभार व्यक्त कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

रैली में जनता का आभार व्यक्त करते हुए अभिलाष पांडे ने कहा कि उत्तर विधानसभा में जनता का आशीर्वाद लेने, उनका आभार व्यक्त करने उनका बेटा जनता जनार्दन का आभार व्यक्त कर रहा है। रैली हितकारिणी स्कूल दमोहनाका से प्रारंभ होकर विभिन्न मार्गो से होते हुए बर्मा बारात घर दीनदयाल चौक पर समाप्त हुई।

इस दौरान भाजपा नगर अध्यक्ष प्रभात साहू, आशीष दुबे, शरद जैन, पूर्व महापौर स्वाति गोडबोले, सदानंद गोडबोले, सुधीर नायक, नेता प्रतिपक्ष कमलेश अग्रवाल, संदीप जैन, श्रीराम शुक्ला, नंद कुमार यादव, प्रशांत गोलू तिवारी, अभिषेक तिवारी आदि मौजूद थे।

सम्प्रेक्षण गृह में बालकों के योग शिविर एवं मोटीवेशनल क्लास का शुभारंभ

जबलपुर, देशबन्धु। गोकलपुर स्थित सम्प्रेक्षण गृह जबलपुर में प्रिंसीपल मजिस्ट्रेट किशोर न्याय बोर्ड जबलपुर मंजू सिंह के निर्देशन में बालकों के बौद्धिक एवं शारीरिक विकास के लिए योग शिविर एवं मोटीवेशनल क्लास का शुभारंभ किया गया । उक्त मोटिवेशन क्लासेस सीएसए संस्था के माध्यम से प्रारंभ किया गया । जिसमें किशोर न्याय बोर्ड की दोनों सदस्य नीतू पांडे एवं रितु शर्मा का विशेष योगदान रहा।

सीएसए प्रोग्राम ऑफिसर हरिमोहन द्वारा जीवन कौशल पर विस्तार पूर्वक समझाया गया । एवं विभिन्न महापुरुषों द्वारा अपने जीवन में किस तरह सफलता पाई विभिन्न उदाहरणों द्वारा समझाया गया । योग प्रशिक्षण श्री महेन्द्र मिश्रा द्वारा कार्यक्रम योग मुद्राऐं सिखाई गई। एवं प्रतिदिन नियमित रूप से योग करने के लिए प्रेरित किया गया । कार्यक्रम में सम्प्रेक्षण गृह के कर्मचारी हमीद खान, अनुज शर्मा, अरूण बढ़ोलिया एवं सुरेश अहिरवार उपस्थित रहे।

दिव्यांशी जैन को बी.टेक में गोल्ड मेडल

जबलपुर, देशबन्धु। ज्योति संजय जैन की सुपुत्री कुमारी दिव्यांशी जैन ने जेईसी जबलपुर इंजीनियरिंग कॉलेज में इनफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी ब्रांच के 2022 बैच में सर्वश्रेष्ठ अंक प्राप्त कर सकल जैन समाज सहित नगर का गौरव बढ़ाया। इस उपलब्धि के लिए जे.ई.सी. एलुमिनी एसोसिएशन एवं प्राचार्य द्वारा विशेष समारोह में उन्हें गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया।

दिव्यांशी जैन ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता पिता , दादी श्रीमती संतोष रानी जैन एवं गुरुजन को दिया। दिव्यांशी ने अपनी स्कूली शिक्षा सतना के क्राइस्ट ज्योति स्कूल से प्राप्त की है जिसमें भी वे 10 वीं एवं 12वीं बोर्ड में अव्वल रही थी। उनकी सफलता पर सकल जैन समाज सहित शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई दी।

मृदा एवं जल का उचित दोहन करें न कि इसका शोषण करें: डॉ. पी.एस. कुल्हाड़े

जबलपुर, देशबन्धु। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर के कुलपति डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा की प्रेरणा से मृदा विज्ञान एवं कृषि रसायन शास्त्र विभाग में विश्व मृदा दिवस कार्यकम का आयोजन आचार्य एवं विभागाध्यक्ष डॉ. पी.एस. कुल्हाड़े के मुख्यआतिथ्य में मृदा एवं जल: जीवन के स्त्रोत विषय पर आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्यअतिथि की आसंदी से जबलपुर चेप्टर इंडियन सोसायटी ऑफ सॉइल साइंस के प्रेसिडेंट डॉ. पी.एस. कुल्हाडे ने पृथ्वी पर जीवन के लिये मृदा एवं जल की नितांत आवश्यकता है, इसके महत्व पर प्रकाश डालते हुये कहा कि, मृदा एवं जल का दोहन करें न कि इसका शोषण करें। यदि आप मृदा परीक्षण के पश्चात् मृदा की आवश्यकतानुसार खाद्य एवं उर्वरक मृदा को समुचित मात्रा में प्रदान करते हैं, तो मृदा का स्वास्थ्य निरंतर उत्तम रहेगा। आपने कहा कि

हमारी माता कही जाने वाली मृदा धीरे-धीरे मुर्दा होती जा रही है, इस ओर सभी को गहन, गंभीरता के साथ कार्य करना करना होगा। जिससे मृदा का संरक्षण-संवर्धन हो सके, माटी के स्वास्थ्य हेतु कृषि छात्र, वैज्ञानिक एवं किसान एक साथ मिलकर कार्य करें। मृदा विज्ञान विभाग के आचार्य एवं जबलपुर चेप्टर इंडियन सोसायटी ऑफ सॉइल साइंस के वाईस प्रेसिडेंट डॉ. ब्रजेश दीक्षित एवं वैज्ञानिक एवं जबलपुर चेप्टर ऑफ इंडियन सोसायटी ऑफ सॉइल साइंस के ट्रजरर डॉ. जी. एस. टैगोर तथा अन्य मृदा विज्ञान अध्येताओं ने भी मृदा स्वास्थ्य एवं जल संरक्षण जैसे विषय पर अपने विचार व्यक्त किये। इस अवस पर विभाग के समस्त वैज्ञानिक, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

, कृषि विज्ञान केन्द्र, जबलपुर में किसानों को दिया मृदा एवं जल संरक्षण का संदेश-

मृदा एवं जल: जीवन के स्त्रोत की थीम पर आधारित विश्व मृदा दिवस 2023 का आयोजन कृषि विज्ञान केन्द्र, जबलपुर में संचालक विस्तार सेवायें डॉ. दिनकर प्रसाद शर्मा के निर्देशानुसार मृदा विज्ञान एवं रसायनशास्त्र विभाग के आचार्य एवं विभागाध्यक्ष डॉ. पी.एस. कुल्हाडे के मुख्यआतिथ्य एवं प्रधान वैज्ञानिक एवं डिप्टी रजिस्ट्रार डॉ. टी.आर. शर्मा के विशिष्ट अतिथ्य में आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्यअतिथि डॉ. कुल्हाड़े ने कृषकों को संबोधित करते हुये कहा कि मृदा में कार्बनिक पदार्थों का निरंतर प्रयोग करके ही मृदा की भौतिक रासायनिक एवं जैविक दशाओं को बेहतर बनाया जा सकता है। कार्यकम के विशिष्ट अतिथि डॉ. टी. आर. शर्मा ने कहा कि मृदा एक अमूल्य धरोहर है इसका संरक्षण एवं बेहतर उपयोग हमारा नैतिक कर्तव्य है। मृदा स्वास्थ्य एवं जल प्रबंधन द्वारा ही उत्पदन एवं उत्पादकता का स्तर सुदृढ़ किया जा सकता है।

कार्यक्रम की अध्यक्ष एवं कृषि विज्ञान केन्द्र की प्रमुख डॉ. रश्मि शुक्ला ने कहा कि कृषि विज्ञान केन्द्र, कृषकों के तकनीकी मार्गदर्शन के लिये सदैव तत्पर है।

नामांतरण कार्यो में तेजी लाने निगमायुक्त स्वप्निल वानखड़े ने अधिकारियों को दिये निर्देश

जबलपुर, देशबन्धु। लीज नवीनीकरण एवं नामांत्रण प्रक्रिया को अधिक गति प्रदान करने निगमायुक्त स्वप्निल वानखड़े ने समीक्षा बैठक में अधिकारियों को निर्देश प्रदान किये। समीक्षा के दौरान निगमायुक्त ने नवीनीकरण एवं नामांतरण के लिए विचाराधीन प्रकरणों की जानकारी ली और अधिकारियों को निर्देशित किया कि जितने भी प्रकरण विचाराधीन है सभी प्रकरणों का प्रकाशन कराकर वैधानिक प्रक्रिया को अपनाते हुए लीज नवीनीकरण एवं नामांत्रण की कार्यवाही सुनिश्चित करें। उन्होंने बैठक के दौरान यह भी निर्देशित किया कि यदि कर्मचारियों के साथ-साथ अन्य संशाधनों की आवश्यकता हो तो तत्काल प्रस्ताव दें और आवश्यकताओं की पूर्ति कर कार्यवाही सुनिश्चित करें। बैठक के दौरान निगमायुक्त श्री वानखड़े ने लीज नामांत्रण एवं नवीनीकरण प्रक्रिया में लापरवाही न बरतने की अधिकारियों को हिदायत भी दी और सभी को निर्देशित किया कि संपदा शाखा से संबंधित अधिकारी कर्मचारी गंभीरता के साथ विचाराधीन प्रकरणों का निराकरण कर लीज धारकों को राहत पहुँचाने की दिशा में कार्य सम्पादित करें। बैठक में अपर आयुक्त आर.पी. मिश्रा, प्रभारी अपर आयुक्त मनोज श्रीवास्तव, सहायक आयुक्त श्रीमती शिवांगी महाजन आदि उपस्थित रहे।

जिला अस्पताल में फल वितरित कर मनाया अंतर्राष्ट्रीय स्वैच्छिक सेवा दिवस

जबलपुर, देशबन्धु। कलेक्टर सौरभ कुमार सुमन के मार्गदर्शन में अंतर्राष्ट्रीय स्वैच्छिक सेवा दिवस पर आनन्द विभाग द्वारा जिला अस्पताल एवं एल्गिन अस्पताल में चिकित्सकीय स्टॉफ के सहयोग से बीमार व्यक्तियों एवं उनके परिजनों को बिस्कुट व फलों का वितरण किया गया। अपर कलेक्टर नाथूराम गौंड एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी हेमंत सिंह ने पूरी आनन्दम टीम को इस परोपकार व अनुकरणीय कार्य हेतु बधाई दी।

केन्द्रीय जेल में व्यंजन संबंधी विधाओं का प्रशिक्षण

जबलपुर, देशबन्धु। न्यायमूर्ति एवं अध्यक्ष मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति जबलपुर के मार्गदर्शन में प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर स्टेट इंडिस्टटयूट ऑफ होटल मैनेजमेंट जबलपुर एवं केन्द्रीय जेल जबलपुर के संयुक्त तत्वाधान में बंदियों के हितार्थ रोजगारपरक व्यवसायिक पाठयक्रम के अंतर्गत चतुर्थ बैच में 30 दिवसीय इंडियन स्वीट्स हलवाई प्रशिक्षण का सोमवार को केन्द्रीय जेल जबलपुर में प्रांगण में समापन हुआ।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में नामांकित 50 बंदियों को 30 दिवस में 30 व्यंजन संबंधी विधाओं का ज्ञान एवं प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया। ताकि वे जेल से मुक्त हो कर सुगमता से रोजगार प्राप्त कर सके। साथ ही प्रशिक्षण प्राप्त बंदियों को प्रशिक्षण उपरांत स्टेट इंडिस्टटयूट ऑफ होटल मैनेजमेंट एवं पर्यटन मंत्रालय भारत सरकार द्वारा प्रमाण पत्र भी प्रदान किये गये एवं भविष्य में प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण करने वाले बंदियों को मानदेय का भी भुगतान किया जायेगा बंदियों को प्रशिक्षण स्टेट इंडिस्टटयूट ऑफ होटल मैनेजमेंट जबलपुर में फैक्ल्टी दीपक उप्रेती एवं मयंक चौबे एवं अन्य द्वारा दिया जा रहा है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में दविन्दर पाल सिंह सोढ़ी प्राचार्य स्टेट इंडिस्टटयूट ऑफ होटल मैनेजमेंट जबलपुर का विशेष सहयोग रहा।

उल्लेखनीय है कि अध्यक्ष मप्र विधिक सेवा समिति जबलपुर म न्यायाधिपति मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय जबलपुर न्यायामूर्ति विवेक अग्रवाल महोदय के निर्देशन में तथा मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के तत्वाधान में केन्द्रीय जेल जबलपुर में परिरूद्ध दंडित बंदियों के हितार्थ स्टेट इंडिस्टटयूट ऑफ होटल मैनेजमेंट के द्वारा व्यवसायिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

भैरव अष्टमी पर काल भैरव महाराज को खीर का महाभोग किया अर्पण

गढ़ा स्थित काल भैरव मंदिर में दो दिसवीय कार्यक्रम सम्पन्न

जबलपुर, देशबन्धु। उपनगरीय क्षेत्र गढ़ा स्थित श्री काल भैरव मंदिर में देवाधिदेव महादेव भगवान शिव के 10 वें अवतार भगवान कालभैरव के जन्म दिवस भैरव अष्टमी पर्व के सुअवसर पर 5 दिसम्बर को काल भैरव समिति ने मंदिर में दो दिवसीय धार्मिक आयोजन में विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए। संयोजक अरविंद सराफ, सह संयोजक शरद दुबे कुररिया ने बताया कि भैरव अष्टमी आयोजन समिति विगत 39 वर्षों से गढ़ा बाजार स्थित भैरव मंदिर परिसर में भैरव अष्टमी पर विविध धर्मिक कार्यक्रम आयोजित कराती आ रही है।

इसी तारतम्य में इस वर्ष दो दिवसीय कार्यक्रम के प्रथम दिवस पर प्रात: 7 बजे से अखंड मानस पाठ का आयोजन किया गया। आयोजन के द्वितीय दिवस मंगलवार को सुबह 7 बजे से भगवान काल भैरव जी का रुद्राभिषेक पूजन-अर्चन एवं हवन किया गया। इसके पश्चात 11 कन्याओं का पूजन कर खीर के महाभोग लगाकर प्रसाद का वितरण किया गया। मंगलवार रात्रि 8 बजे भगवान काल भैरव की महाआरती के पुन: महाभोग का वितरण रात्रि 10 बजे तक किया गया।

मंदिर में आयोजित भैरव अष्टमी कार्यक्रम के दौरान अशोक मनोध्याय, रामकृष्ण ताम्रकार, बालाराम सोनी, मुकेश गर्ग, गुरु प्रसाद श्रीवास, मूलचंद कोष्टा, संजय उपाध्याय, बट्टुक उपाध्याय, शिवम सराफ राहुल तिवारी आदि सदस्यों सहित अनेक श्रद्धालु कार्यक्रम में उपिस्थत रहे। भैरव अष्टमी पर काल भैरव मंदिर में आयोजित किए गए कार्यक्रमों को सफल बनाने में सहयोग के लिए शरद दुबे कुररिया ने श्रद्धालुओं और सभी समिति सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

केक मिक्सिंग से शुरू हुआ क्रिसमस सेलिब्रेशन, प्लम केक में घुलेगी मिठास

क्रिश्चियन कम्युनिटी में हो रहीं तैयारी

जबलपुर, देशबन्धु। केक मिक्सिंग सेरेमनी क्रिसमस से पहले मनाया जाने वाला ऐसा आयोजन है, जहां से क्रिसमस की शुरुआत होती है। यह परंपरा यूरोप से शुरू हुई थी, जो धीरे-धीरे हर घर में मनाई जाने लगी। केक मिक्सिंग सेरेमनी को लेकर क्रिश्चियन कम्युनिटी में काफी तैयारी चल रही है। यह क्रिसमस सेलिब्रेशन की शुरुआत होती है। इसलिए कम्युनिटी द्वारा इस सेरेमनी को काफी अच्छे तरीके से मनाया जाता है। क्रिसमस के 15 से 20 दिन पहले केक मिक्सिंग की शुरुआत होती है, जिसके बाद टेस्टी केक तैयार होता है।

ताकि इंग्रीडियंस मिक्स हो जाएं-केक मिक्सिंग कर रहीं अनीता मसीह ने बताया कि क्रिसमस केक हर घर में बनाया जाता है। इसके इंग्रीडियंस की मिक्सिंग अच्छी तरह से हो जाए। इसलिए इसे कम से कम 20 दिन पहले मिक्स किया जाता है। इससे ना सिर्फ केक में मनचाहा स्वाद मिलता है, बल्कि फ्लेवर से जायका भी बदल जाता है। केक के लिए जितने ड्राई नट्स का इस्तेमाल किया जाता है, उन्हें लिकर और स्पेशल स्पाइसिस में मिक्स करके रखा जाता है, और फिर क्रिसमस के दिन इसे तैयार करते हैं।

घर से होटल तक सेलिब्रेशन-क्रिसमस अब सिर्फ कम्युनिटी का ना होकर सभी के लिए सेलिब्रेशन डे बन गया है । ऐसे में घर से लेकर होटल तक में केक मिक्सिंग का काम शुरू हो गया है। लोग अब सेलिब्रेशन के लिए ग्रुप में होटल और रेस्टोरेंट भी जाते हैं। ऐसे में सेलिब्रेशन के लिए होटल्स में भी केक मिक्सिंग का काम शुरू हो चुका है।

इनका कहना है

- केक मिक्सिंग कई प्रकार के ड्राय नट्स, ड्राय फ्रूट्स, स्पाइस, लिकर्स मिलाई जाती है। इसे एक एयरटाइट कंटेनर में कम से कम 20 दिनों के लिए बंद करके रख दिया जाता है। इससे क्रिसमस केक में होता है।

-रोमिला पीटर

- प्लम केक क्रिसमस की पहचान है। हर क्रिश्चियन घर में इस दिन इस केक की मिठास चखने को मिल जाती है। केक मिक्सिंग में सभी इंग्रीडियंस अच्छी तरह मिल जाते हैं तो केक का स्वाद बेमिसाल होता है।

-याना मसीह

भक्त की आस्था से ही परामात्मा की प्राप्ति होती है : स्वामी सदानंद सरस्वती

जबलपुर, देशबन्धु। परामात्मा ये नहीं देखते कोई क्या कर रहा है, उन्हें कोई सोने, चांदी की थाली में कुछ अर्पित कर रहा है, या वह भांग, धतुरा चढ़ा रहा है, वो ये देखते हैं उसके अंदर क्या है। भक्त के अंदर की आस्था से ही उसे परामात्मा की प्राप्ति होती है।

प्रत्येक वस्तु फलदायी होती है, प्रत्येक वस्तु से हम फल चाहते है, हमारी प्रत्येक क्रिया फलदायी होती है, उसी प्रतिक्रिया से मानव कार्य करता है, जिससे फल की प्राप्ति होती है, एवं जीवन जीने की पद्धति को स्वीकार करते है। उन्होंने आगे कहा कि रोगों को दूर करने वाले देवता सूर्य हैं। प्रात: काल सूर्योदय से पहले उठना चाहिए, जो व्यक्ति देर से रात्रि में सोता है, और सूर्योदय के बाद देर से सुबह उठता है, वह कभी स्वस्थ नहीं रह सकता। इसलिए सूर्योदय से पहले उठकर सूर्य, धरती, गौ-माता को प्रणाम करने से आपके अंदर सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा। इस आशय के उद्गार गौरीघाट ग्राम भटौली में कालीघाट स्थित कालीधा में आयोजित महामृत्युंजय महायज्ञ, शिवपुराण एवं संत समागम के द्वितीय दिवस पर शारदा पीठाधीश्वर जगतगुरु शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती महाराज ने व्यक्त किए।

महामृत्युंजय महायज्ञ, शिवपुराण एवं संत समागम में सुबह 9 बजे संतों द्वारा यज्ञशाला में पूज्य गुरूदेव श्री पंचखंड द्वादश पीठाधीशवर दंडी स्वामी स्वामी प्यारेनंद महाराज ने गणेश पूजन, मंडप पूजन किया। जगतगुरु शंकराचार्य स्वामी दानंद सरस्वती महाराज ने माँ काली का पूजन-अर्चन कर महाआरती की। इसके साथ ही डॉ. स्वामी राधेचैतन्य महाराज ने पूजन-अर्चन किया। व्यासपीठ में कालीधाम शिष्य परिवार से प्रदीप चौहान, श्रीराम खत्री, सुशील सोनी, अनिल उसरेटे, प्रभात दुबे, डीओपी राव, नारायण ब्रजवानी, मनीष खत्री ने पादुका पूजन की।

महंत चंद्रशेखरानंद, महामण्डलेश्वर स्वामी अखिलेशवरनंद महाराज, रंजीतानंद, आनंदधाम, स्वामी गिरीशानंद महाराज, मानस केशरीदास, कोतवाल रामदास, यज्ञाचारय पं रोहित दुबे धार्मिक अनुष्ठान में शामिल हुए। इस मौके पर संदीप जैन, इंद्र कुमार तिवारी, अशोक तिवारी,भैया राम अवस्थी, रामकुमार विश्वकर्मा, अजय यादव, रघुवीर श्रीवास, पूरन सिंह राजपूत, पन्ना लाल बर्मन, लाल सिंह राजपूत, भटौली ग्रामवासियों के साथ बड़ी संख्या में श्रद्धालुगण उपस्थित रहे।

ग्वारीघाट स्थित भैरव मंदिर में भंडारा का आयोजन किया गया

जबलपुर, देशबन्धु। काल भैरव अष्टमी पर प्रदेश सहित संस्कारधानी में भी विभिन्न संगठनों और काल भैरव मंदिरों में बड़ी धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस सुअवसर पर काल भैरव मंदिरों में जहां विविध धार्मिक आयोजन किए गए, तो वहीं संगठनों द्वारा भैरव मंदिरों में विशेष पूजन-अर्चन कर भंडारे का आयोजन कर प्रसाद वितरण किया गया। काल भैरव अष्टमी के अवसर पर ग्वारीघाट रोड स्थित विग बाजार के पास चण्डी माता मंदिर से विशाल शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा उप नगरीय क्षेत्र ग्वारीघाट के विभिन्न मार्गों का भ्रमण करते हुए ग्वारीघाट श्मशान घाट स्थित काल भैरव मंदिर में सम्पन्न हुई। शोभायात्रा के समापन अवसर पर भैरव मंदिर में विविध आयोजन किए गए।

तंत्र-मंत्र के देवता की गई पूजा-काल भैरव जयंती कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को मनाते हैं। इस दिन तंत्र मंत्र के देवता काल भैरव की पूजा की जाती है। काल भैरव की जो व्यक्ति पूजा करता है, उसे अकाल मृत्यु, रोग, दोष आदि का कोई भय नहीं सताता है। शास्त्रों के अनुसार काल भैरव को रुद्रावतार माना गया है। ये भगवान शिव का स्वरूप ही हैं। मान्यता है कि भगवान कालभैरव शिव के सबसे उग्र रूप हैं, एक रूप है, परन्तु ये अपने भक्तों की सदैव रक्षा करते हैं।

शिव के रौद्र स्वरूप है भैरव-मान्यता है कि भैरव का रूप ही शिव उग्र स्वरूप है। एक बार देवताओं ने ब्रह्मा से प्रश्न किया, जगत में अविनाशी तत्व कौन है, जिसका कोई अंत न हो। ब्रह्मा ने कहा कि इस जगत में अविनाशी तो केवल मैं ही हूँ, सृष्टि मेरे द्वारा ही सृजित की गई है। देवताओं ने विष्णु पूछा, तो उन्होंने कहा कि मैं इस जगत का भरण-पोषण करता हूँ, मैं ही अविनाशी हूँ। तत्पश्चात इसकी सत्यता परखने के लिए वेदों को बुलाया गया, तो वेदों ने एक ही स्वर में कहा कि जिनके भीतर चराचर जगत, भूत, भविष्य और वर्तमान समाया हुआ है, जिसका कोई आदि-अंत नहीं है, जो अजन्मा है, जो जीवन-मरण सुख-दुःख से परे है, देवता-दानव जिनका समान रूप से पूजन करते हैं, वे अविनाशी तो भगवान रुद्र ही हैं, अर्थात शिव ही अविनाशी है।

ग्रीन ड्रेसकोड में पूल साइड सेलिब्रेशन

जबलपुर, देशबन्धु। विंटर सीजन में पूल साइड पार्टी का मजा लेडीजों ने उठाया। भंवरताल गार्डन के समीप पूल साइड पार्टी में लेडीजों ने ग्रीन ड्रेसकोड रखा। इस दौरान जहां एंटरटेनिंग गेम्स खेले गए, वहीं सरप्राइज गिफ्ट्स भी दिए गए। बिंदास क्वींस लेडीज क्लब द्वारा फन एंड जॉय की एक्टिविटी आयोजित की गई। **हाउजी और तम्बोला गेम्स खेले गए**-कार्यक्रम में ग्रीन थीम के अकॉर्डिंग तरह-तरह के गेम्स भी खेले गए। इसके साथ ही हाउजी और तम्बोला में भी लेडीज ने बाजी मारी। इस मौके पर अंजू अग्रवाल, प्रीति वालिया, रश्मि समीम, ज्योति, मंजू, बबली सुनीता, उत्तरा, आरती मौजूद रहीं।

केन्द्रीय विद्यालय जीसीएफ में बैंड की धुन पर मिलाये कदमताल

जबलपुर, देशबन्धु। केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक वन जीसीएफ में एनुअल स्पोर्ट्स डे सेलिब्रेट किया गया। समारोह में छात्रों ने बैंड दल की सुमधुर प्रस्तुति देकर मार्च पास्ट किया, वहीं परेड में कदम ताल मिलाए। इसके साथ ही लेजिम डांस, रिंग डांस एवं अन्य रेसेज का आयोजन किया गया। विजेताओं को मेडल और शील्ड प्रदान की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जीसीएफ महाप्रबंधक राहुल चौधरी थे। इस मौके पर प्राचार्य रजनीश कुमार सिंघई, उप प्राचार्य योगेश कुमार पाण्डेय मौजूद थे।

दैनिक राशिफल

बुधवार 06 दिसम्बर 2023 का पंचांग विक्रम संवत् 2080, शक

संवत 1945 हिजरी 1444। अगहन कृष्णपक्ष की नवमीं। नक्षत्र-उफा.।

मेष

स्वभाव में उग्रता और जिद्दीपन पर संयम रखें। शारीरिक मानसिक अस्वस्थता अनुभव करेंगे।

वृषभ

आप सभी काम दृढ़ आत्मविश्वास और अटल मनोबल के साथ कर सकेंगे। पिता या पैतृक संपत्ति से लाभ होगा।

मिथुन

नई योजनाओं को अमल में लाने के लिए शुभ दिन है। नौकरीपेशा लोगों को अधिकारियों तथा सरकार की तरफ से परिश्रम का खूब अच्छा फल मिलेगा।

क.

तुला

आपका आज का दिन शुभफलदायक और लाभप्रद है। मित्रों के साथ मिलना- जुलना या पर्यटन का आनंद मिलेगा।

वृश्चिक

आज गृहस्थजीवन की सार्थकता आपको समझ में आएगी। घर में आनंद उल्लास का वातावरण रहेगा। आपके सभी काम सरलता से पूरा होंगे।

धनु

आज आपको तबीयत का ध्यान रखने की जरुरत है। काम करने में उत्साह उमंग का अभाव रहेगा। मन चिंता में रहेंगे। संतानों की समस्या इसका कारण हो सकती है।

कर्क

गलतफहमी और नकारात्मक व्यवहार आपके चित्त में ग्लानि का भाव पैदा करेंगे। स्वास्थ्य में विशेषरूप से आंख की तकलीफ होगी।

सिंह

आज किसी भी काम के संबंध में आत्मविश्वास के साथ त्वरित निर्णय ले सकेंगे। पिता तथा बुजुर्गों का सहयोग मिलेगा।

कन्या

आज आपके इगो के कारण तकरार होने की आशंका है। शारीरिक और मानसिक चिंता के साथ आज का दिन व्यतीत होगा।

मकर

नकारात्मक विचार हावी न होने दें। क्रोध को काबू में रखने से बहुत सी आफतों से बच जाएंगे। भागीदारों के साथ संबंध खराब होगा।

कुंभ

आपका आज का दिन प्रसन्नतापूर्वक बीतेगा। आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी, इस कारण कार्य सफलता में सरलता होगी।

मीन

मन की दृढ़ता और आत्मविश्वास आपका काम सफल बनाएंगे। परिवार में सुख- शांति और आनंद का वातावरण रहेगा।

मा.

गृहस्थ को जगत कल्याण के लिए कार्य करना चाहिए: स्वामी नरसिंह दास

जबलपुर, देशबन्धु। श्रीकृष्ण रुकमणि मंगल गृहस्थ जीवन में आनंद और समन्वय के साथ सामंजस्य रखकर संपूर्ण जगत के कल्याण के लिए कार्य करना चाहिए।

भगवान श्री कृष्ण चीर हरण लीला के बहाने गोपियों के वस्त्र हरण नहीं बल्कि मन और बुद्धि के अज्ञानावरण का हरण करते हैं। यह जीव जब अपना सर्वस्व परमात्मा को सौंप देता है, अनेक जन्मों के संचित पाप कल्मष व अज्ञान को नष्ट कर देते हैं। भगवान श्री कृष्ण बहुत सुन्दर है, जब वह मस्तक पर मयूर का पंख धारण किये, वेणु बादन करते हुए यमुना पुलिन में सखाओं के साथ वृन्दावन में गोचारण के बहाने विचरण करते हैं तो सम्पूर्ण प्रकृति दर्शन करके धन्य हो जाती है। इन्द्र की पूजा बन्द करके गिरिराज गोबर्द्धन की पूजा कराकर कुपित हुए इन्द्र की मूसलाधार जल वृष्टि से रक्षा करते हुए श्री कृष्ण ने विशाल गिरिराज को अँगुली में सात दिवस पर्यन्त धारण करते हैं। यह गोबर्द्धन क्या है, गो अर्थात इन्द्रियों का सम्बर्द्धन जहाँ हो, ऐसा हम आप के सबका यह शरीर ही गोबर्द्धन है।

विविध प्रसंगों का वर्णन करते हुए स्वामी ने दिव्य महारास लीला आदि के बाद भगवान का मथुरा गमन लीला व पावन रुकमणी हरण के अनन्तर श्री कृष्ण रुकमणी विवाह की दिव्य चर्चा करते हुए कहा यह परमात्मा अजन्मा अविनाशी होते हुए भी भक्तों के लिए जन्म भी धारण करते हैं। बाल लीला भी करते हैं।

इस आशय के उद्गार नरसिंह पीठाधीश्वर डॉक्टर स्वामी नरसिंह दास महाराज ने नरसिंह मंदिर में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा पुराण के छठवें दिवस पर व्यक्त किए।

श्रीकृष्ण रूक्मणी मंगल के अवसर पर कहें - इस अवसर पर व्यास पीठ पूजन यजमान गीता तिवारी शालिनी पांडे सावित्री उपाध्याय विजय तिवारी ने किया अशोक मनोध्या डॉ हितेश अग्रवाल श्रीराम पाण्डेय राजेंद्र प्यासी आचार्य रामफल शुक्ल एसबी मिश्रा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुगण उपस्थित रहे।

हरिशंकर स्मृति समारोह : लिटरेरिया में सुनाई परसाई की रचनाएं

जबलपुर, देशबन्धु। हरिशंकर परसाई की स्मृति में साहित्यिक समारोह में कवि विवेक चतुर्वेदी ने काव्य पाठ किया। उन्होंने कामकाजी महिलाओं की घर वापसी को इस अहमियत और वकार व अभिमान एवं घर संसार के लिए ज़रूरी अभियान को कविता का रूप दिया। सत्र में कवि उदय प्रकाश, वरिष्ठ कवि हरिश्चन्द्र पांडेय, उदयन वाजपेयी, मोहन श्रत्रिय, आशुतोष दुबे, डॉ. वेद रमण ने रचनाएं सुनाई। कार्यक्रम का आयोजन कोलकाता में सम्पन्न हुआ।

बगलामुखी सिद्ध पीठ में काल भैरव अष्टमी पर काल भैरव का किया गया पूजन-अर्चन

जबलपुर, देशबन्धु। काल भैरव जी के पूजन अवसर पर ब्रह्मचारी सुबुद्धानन्द एवं मंदिर के पुजारी ब्रह्मचारी चैतन्यानन्द महाराज ने खीर एवं गुलाब जामुन का भोग लगाया। इस अवसर पर ब्रह्मचारी सुबुद्धानन्द महाराज ने बताया कि शिवजी के गुस्से से हुआ था, काल भैरव का जन्म, परेशानी और बीमारियों से बचने के लिए होती है इनकी पूजा। मंगलवार को कालाष्टमी है। इस तिथि पर भगवान भैरव की पूजा और व्रत कर विशेष उपासना की जाती है। शिव पुराण के अनुसार कालभैरव भगवान शिव का रौद्र रूप हैं। नारद पुराण के अनुसार हर तरह की बीमारियों और परेशानियों से बचने के लिए भगवान कालभैरव की पूजा की जाती है। शिव पुराण के अनुसार भगवान शंकर ने बुरी शक्तियों को भागने के लिए रौद्र रुप धारण किया था। कालभैरव इन्हीं का स्वरुप है। हर महीने आने वाली कालाष्टमी तिथि पर कालभैरव के रूप में भगवान शिव के रौद्र रूप की पूजा की जाती है। इस दिन भगवान भैरव की सात्विक पूजा करने का विधान है। पूरे दिन व्रत रखा जाता है, और सुबह-शाम कालभैरव की पूजा की जाती है। इस अवसर पर आचार्य राजेंद्र शास्त्री जी, तुलाराम तिवारी, मनोज सेन, प्रकाश द्विवेदी जी एवं सभी भक्तगण उपस्थित रहे ।

विद्युत कर्मचारी जनता यूनियन की बैठक सम्पन्न

जबलपुर,देशबन्धु। मप्र विद्युत कर्मचारी जनता यूनियन की मासिक बैठक, सिटी कॉफी हाउस में सम्पन्न हुई। जिसमें विद्युत मण्डल पेंशनर्स को 4 प्रतिशत महंगाई राहत के आदेश जारी होने पर हर्ष व्यक्त करते हुए, शेष 4 प्रतिशत राहत के आदेश शीघ्र जारी किये जाने की माँग की गई। महँगाई राहत के आदेश जारी हो जाने पर शक्ति भवन के समक्ष प्रस्तावित जंगी प्रदर्शन एवं घेराव कार्यक्रम को स्थगित कर दिया गया। नियमित कर्मचारियों सहित संविदा एवं आउट सोर्स कर्मचारियों की समस्याओं पर भी विचार विमर्श किया गया। इस बैठक में दिसम्बर में नरसिंहपुर, रीवा एवं छिन्दवाड़ा में आम सभा आयोजित कर ज्ञापन सौंपें जाने का निर्णय लिया गया। बैठक में एम एल चौकसे, मोहन अग्रवाल, रविशंकर सक्सेना, लल्लू पटेल, अनिल साहू, अब्दुल वकील, आर के जैन, दिनेश चौधरी, आर के प्यासी सहित विद्युत कर्मचारी जनता यूनियन के अनेक कर्मचारी उपस्थित रहे।

निधन

ईश्वर अल्लाह तेरो नाम सबको सद्गति दे भगवान

श्री अनिल भाटिया- मोदीबाड़ा सदर निवासी श्री अनिल भाटिया (71) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती राम बाई रैकवार- द्वारका नगर कछियाना लालमाटी निवासी श्री दुर्जन रैकवार की धर्मपत्नी श्रीमती राम बाई रैकवार (71) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर में किया गया।

श्री ओम प्रकाश खम्परिया- संजीवनी नगर गढ़ा निवासी श्री ओम प्रकाश खम्परिया (74) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री राम किशन पाली- सरकारी कुआं घमापुर निवासी श्री राम किशन पाली का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती हेमा पांडे- जाग्रति नगर अमखेरा अधारताल निवासी श्री डीडी पांडे की धर्मपत्नी श्रीमती हेमा पांडे (76) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री शंकर लाल कोरी- शीतलामाई मंदिर के पीछे निवासी श्री शंकर लाल कोरी (74) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री विजय अग्रवाल- रैपुरा (पन्ना) निवासी श्री विजय अग्रवाल (50) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री लकी विश्वकर्मा- फूटाताल बढ़ई मोहल्ला निवासी श्री संतोष विश्वकर्मा के पुत्र श्री लकी विश्वकर्मा (32) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री गंगाराम पटेल- खेरमाई गेट नं. 1 के पास निवासी श्री गंगाराम पटेल (84) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में संपन्न हुआ।

पति की प्रताड़ना से तंग महिला ने की आत्महत्या, अरोपी गिरफ्तार

जबलपुर, देशबन्धु। बरगी थाना अंतर्गत ग्राम पारा में पति की प्रताड़ना से तंग महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। बताया जा रहा है कि मृतिका के ससुराल वाले व पति उसे छोटी-छोटी बातों पर ताने दिया करते थे। मारपीट करते थे। जिससे तंग आकर महिला ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली।

घटना के संबंध में नगर पुलिस अधीक्षक बरगी सुनील नेमा ने बताया कि बरगी थाना में 14 जुलाई की रात संतोष बर्मन उम्र 28 वर्ष निवासी ग्राम पारा ने सूचना दी थी कि उसकी शादी हरदुली निवासी सपना बर्मन से हुयी थी। उसकी पत्नी सपना बर्मन के कहने पर 13 जुलाई को अपनी पत्नी को मायके हरदुली घुमा कर लाया था। 14 जुलाई की दोपहर लगभग 3 बजे हम दोनों बच्चो कें साथ खाना खाये इसके बाद वह खेत पर चला गया था शाम लगभग 6-30 बजे उसकी बहन उषा ने फोन कर बताया कि भाभी ने फांसी लगा ली है, तो वह खेत से वापस आया दरवाजा खोला देखा तो उसकी पत्नी सपना बर्मन उम्र 24 वर्ष की फांसी पर लटकी थी। उसकी पत्नी की मौत हो चुकी थी। परिजनों की सूचना पर पंचनामा कार्यवाही कर शव को पीएम के लिये भिजवाते हुये मर्ग कायम कर जांच में लिया गया। जांच के दौरान मृतिका के पिता नरेश बर्मन ने शिकायत प्रस्तुत करते हुये मृतिका सपना बर्मन के ससुराल पक्ष के लोगों के द्वारा सपना बर्मन को प्रताड़ित करने का आरोप लगाया। शिकायत जांच एवं मर्ग जांच के मृतिका के मायके पक्ष के कथन लिये जो जिन्होंने बताये कि ग्राम हरदुली निवासी सपना बर्मन की शादी संतोष बर्मन निवासी ग्राम पारा से मई 2016 में हुयी थी जिनके 2 बच्चे हैं। सपना को शादी के बाद से ही पति संतोष बर्मन द्वारा घरेलू बातों को लेकर लड़ाई-झगड़ा तथा मारपीट कर प्रताड़ित करता था। सम्पूर्ण जांच में पति द्वारा आये दिन शारीरिक एवं मानसिक रूप से प्रताड़ित करने से परेशान होकर सपना द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या कर लेना पाये जाने पर आरोपी पति संतोष बर्मन के विरूद्ध धारा 306 भादवि का अपराध पंजीबद्ध कर संतोष बर्मन उम्र 28 वर्ष निवासी ग्राम पारा को गिरफ्तार कर लिया है।

तेज रफ्तार मोटर सायकिलें आपस में भिड़ी, दो घायल

जबलपुर, देशबन्धु। बरगी थाना में बीती रात गौरी शंकर साहू उम्र 43 वर्ष निवासी ग्राम मुकुनवारा ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि सब्जी का धंधा करता है सोमवा को मोटर सायकिल से वह एंव उसका दोस्त चंद्रप्रकाश साहू तथा दूसरी मोटर सायकिल में मनोज साहू एवं भारत गोंड़ हम सभी बरगी डेम घूमने जा रहे थे, जैसे ही टेमर नदी पुल के पास बरगी नगर रोड दोपहर लगभग 2-15 बजे पहुंचे तभी सामने से आ रही मोटर सायकिल क्रमांक एमपी 20 एनवी 8508 का चालक तेज गति से चलाते हुये मनोज साहू एवं भारत गोंड़ की मोटर सायकिल मे टक्कर मार दिया। जिससे दोनों गिर गये दुर्घटना करने वाला मोटर सायकिल चालक बरगी तरफ मोटर सायकिल से भाग गया। दुर्घटना में मनोज साहू एवं भारत गोंड़ को हाथ, पैर एवं शरीर में चोटें आयीं हैं। उसने दोनों घायलों को निजि वाहन से ले जाकर उपचार के लिये हरिओम अस्पताल जबलपुर में भर्ती कराया है। पुलिस ने रिपोर्ट पर अपराध पंजीबद्ध कर मामले को विवेचना में लिया है।

अमरवाड़ा के वृद्ध की बरगी डेम में उतराती मिली लाश

जबलपुर, देशबन्धु। छिंदवाड़ा के अमरवाड़ा में रहने वाले वृद्ध पुशु राठौर अमरवाड़ा में ही डॉक्टर के यहां इलाज कराने के लिए गए। इसके बाद वे लौटकर घर नहीं आए और उनकी लाश जबलपुर के बरगी डेम में उतराते मिली है। बरगी डेम में लाश मिलने की खबर से परिजन आक्रोशित हो गए, जिन्होंने थाना पहुंचकर हंगामा करते हुए धरना-प्रदर्शन शुरु कर दिया। खबर मिलते ही पुलिस अधिकारी पहुंच गए, जिन्होंने परिजनों को समझाइश देते हुए शांत कराया और जांच कर कार्यवाही का आश्वासन दिया।

पुलिस के अनुसार ग्राम लहगडुआ अमरवाड़ा निवासी पुशु पिता श्याम राठौर उम्र 60 वर्ष घर से दो दिसम्बर को इलाज कराने के लिए अमरवाड़ा में डॉक्टर डेहरिया के यहां जाने निकले। डॉक्टर के यहां से घर न लौटने पर परिजन चितिंत हो गए। उन्होंने अपने स्तर पर तलाश की लेकिन कोई जानकारी न मिलने पर थाना में लापता होने की शिकायत दर्ज कराई। बीती सुबह परिजन तलाश कर रहे थे, इस दौरान खबर मिली कि जबलपुर के बरगी डेम में वृद्ध की लाश मिली है जिसकी शिनाख्त पुशु राठौर के रुप में हुई है। वृद्ध पुशु की लाश मिलने से गुस्साए परिजनों ने थाना पहुंचकर हंगामा करते हुए मांग की है कि डॉक्टर से पूछताछ की जाए। पुलिस कर्मियों ने समझाने की कोशिश की तो परिजन सड़क पर धरना देकर प्रदर्शन करने लगे। खबर मिलते ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी पहुंच गए, जिन्होंने जांच कर निष्पक्ष कार्यवाही का आश्वासन देते हुए शांत कराया। इसके बाद परिजन जबलपुर के लिए रवाना हुए।

दूध बांटने जा रहे युवक पर बदमाशों ने किया हमला

जबलपुर, देशबन्धु। भेड़ाघाट थाना अंतर्गत शिल्पी नगर में एक दूध वाले को दो लोगों ने गाय और बछड़ों को पानी पिलाने को लेकर उपजे विवाद में पीट दिया। जिसमें दूध वाले के ऊपर धारदार हथियार से हमला कर उसे घायल कर दिया। जिसके बाद घायल ने थाने में घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई है।

जानकारी के अनुसार भेड़ाघाट थाना में बीती रात संतोष कुमार कुचबंधिया उम 52 वर्ष निवासी बेनगंगा पुल के पास हरे कृष्णा आश्रम सरस्वती घाट ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह दूध बेचने का काम करता है। बीती शाम अपनी साईकिल से दूध बांटने भेड़ाघाट तरफ जा रहा था शाम लगभग 7-15 बजे वह शिल्पीनगर तिराहा पर कल्लो बाई की चाय की दुकान के पास पहुंचा जहां पर उसे अशोक दाहिया एवं साथ में एक अन्य व्यक्ति मिला, दोनों बछड़ों तथा गाय को जंगल में पानी पिलाने की बात को लेकर गालीगलौज करने लगे। उसने गालियां देने से मना किया तो अशोक दाहिया ने नुकीली चीज से हमलाकर उसके सिर में चोट पहुंचा दी तथा दोनों जान से मारने की धमकी देते हुये भाग गये। घायल की रिपोर्ट पर पुलिस आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज कर लिया है।

बस ने मोटर सायकिल सवारों को टक्कर मारी, दो की मौत

जबलपुर, देशबन्धु। मझगवां थाना में देर रात साहिल कुमार चौधरी उम्र 16 वर्ष निवासी फनवानी ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि बीती शाम लगभग 6-45 बजे उसकी बुआ की लड़की शिखा चौधरी सिहोरा से फनवानी उसके घर आयी एवं बतायी कि जयसवाल बस क्रमांक एमपी 20 पीए 0869 में बैठकर आयीं हूँ उसी बस में मेरा सामान छूट गया है। बस कुम्ही सतधारा तरफ गयी है वह एवं उसका भाई निखिल चौधरी बहन शिखा को लेकर अपनी हीरो मोटर सायकिल क्रमांक एमपी 20 जेड सी 4805 से बस का पीछा किये जो बस उसे ढकरवार गांव के आगे मिली जिसके ड्रायवर को हाथ देकर रोकने की कोशिश कर रहे थे बस फनवानी से आगे बलराम शारदा के खेत के सामने मोड़ पर शाम लगभग 7 बजे अपनी मोटर सायकिल से ड्रायवर साईड से बस को रोकने के लिये ओवरटेक करने का प्रयास किया तभी बस क्रमांक एमपी 20 पीए 0869 के चालक ने तेज गति से चलाते हुये उसकी मोटर सायकिल में साईड से टक्कर मार दिया। जिससे निखिल चौधरी उम्र 18 वर्ष एवं शिखा चौधरी उम्र 19 वर्ष बस के तरफ गिरे जिनके ऊपर से बस के पिछले टायर निकल गये तथा दोनों की मौके पर मृत्यु हो गयी। वह मोटर सायकिल से खेत तरफ गिरा। घायल की रिपोर्ट पर पुलिस ने अपराध दर्ज कर मामले को जांच में लिया है।

बोलेरो कार ने टक्कर मारकर तीन घायल को घायल किया

जबलपुर, देशबन्धु। कटंगी थाना में बीती शाम मुस्ताक खान उम्र 40 वर्ष निवासी ग्राम सिंगपुर कटगी ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह खेती करता है। सोमवार को वह तथा चाचा निसार अहमद और गाव के बिन्दु और श्याम बाई चारों पैदल खेत में काम करने जा रहे थे, जैसे ही लगभग 10/15 बजे बिदली तिराहा के पास पहुंचे उसी समय मझौली तरफ से आ रही बुलेरो कार क्रमांक एपी 43 बीडी 1425 के चालक ने चाचा निसार अहमद और साथ में जा रहे बिन्दु कुमार और श्याम बाई को लापरवाही पूर्वक वाहन चलाकर पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर लगने से तीनों को हाथ, पैर, सिर में चोटें आई, उसने राहगीरों की मदद से उसी बोलेरो से ईलाज कराने सर्वोदय अस्पताल जबलपुर ले गया था बोलेरो चलाने वाला भर्ती कराकर भाग गया था, उसने तीनों को उपचार के लिये भर्ती कराया है भर्ती कराने के बाद में रिपोर्ट करने थाना आया है रिपोर्ट पर धारा 279, 337 भादवि का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

सीएसएमटी अमृतसर एक्सप्रेस में दो अतिरिक्त स्लीपर कोच लगाये

जबलपुर,देशबन्धु। रेल प्रशासन द्वारा अतिरिक्त यात्री यातायात क्लियर करने एवं यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए गाड़ी संख्या 11057/11058 छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस-अमृतसर - छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस एक्सप्रेस में द्वितीय श्रेणी शयनयान के 02 कोच (एक दिवस के लिये) लगाने का निर्णय लिया गया है। उक्त द्वितीय श्रेणी शयनयान श्रेणी के 02 अतिरिक्त कोच गाड़ी संख्या 11057 छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस अमृतसर एक्सप्रेस के प्रारंभिक स्टेशन छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस स्टेशन से दिनांक 05 दिसम्बर को तथा गाड़ी संख्या 11058 अमृतसर-छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस एक्सप्रेस के प्रारंभिक स्टेशन अमृतसर स्टेशन से 8 दिसंबर को गन्तव्य के लिए लगाया जाएगा ।

जिला स्तरीय बेंच प्रेस प्रतियोगिता में लिफ्टरों का शानदार प्रदर्शन

जबलपुर,देशबन्धु। जागरूक खेल संघ के जिला अध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन ने बताया कि जबलपुर पावर लिफ्टिंग संगठन, कामगार यूनियन और मुल्तानी व्यायाम शाला एवं जय बजरंग व्यायाम शाला के संयुक्त तत्वाधान में जिला स्तरीय बेंच प्रेस प्रतियोगिता का आयोजन अभी हाल ही में खमरिया में किया गया। जिसका शुभारंभ खमरिया के महाप्रबंधक एमएल हलदार द्वारा किया गया एवं समापन जीएस ठाकुर, जय सचदेवा एवं दुर्गेश शाह द्वारा पुरस्कार वितरण के साथ किया गया। प्रतियोगिता में बेस्ट लिफ्टर का किताब परवेश खान, एस चंदेलू , मेघा पांडे, असम अंसारी, एसवर्धन सिंह ने अपने-अपने वर्ग में स्ट्रांग मैन का खिताब जीता। कार्यक्रम को सफल बनाने में विल्सन लाल, ललित जॉन, जगदीश रजक, भगवान दास, लॉरेंस मार्टिन, दीनू स्वामी, रमेश सिंह, दीपक, सुनीता पंच, मानसी, ऋषि राज, मनोहर कोहली, रिमझिम, गणेश, नरेंद्र, गुरु चरण, राजेश साहू, राकेश सोनकर एवं जिला सचिव एस टंडेलू आदि का कार्यक्रम को सफल बनाने में अहम योगदान रहा एवं जबलपुर पावर लिफ्टिंग संगठन के सभी खिलाड़ियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

किसानों को मिले मटर का लाभकारी मूल्य- भारतीय किसान संघ

जबलपुर, देशबन्धु। भारतीय किसान संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख राघवेंद्र सिंह पटैल ने विज्ञप्ति जारी कर कहा कि जबलपुर जिला मटर का प्रमुख उत्पादक जिला है। एक जिला एक उत्पाद योजना के अंतर्गत मटर का चयन किया गया है। जिसके लिये प्रशासन ने बढ़ चढ़कर प्रचार प्रसार कर किसानों को मटर उत्पादन के लिये प्रेरित किया। जिसके परिणाम स्वरूप आज जिले में मटर उत्पादक किसानों ने बंपर उत्पादन किया है।

प्रचार प्रमुख राघवेंद्र सिंह पटैल ने कहा कि भारतीय किसान संघ जिले के मटर उत्पादक किसानों को लाभकारी मूल्य दिलाने के लिये आंदोलन करता रहा है। मटर उत्पादक किसानों के चाहे लाभकारी मूल्य का विषय हो, मटर की खरीद बिक्री के लिये मंडी की स्थापना, प्रसंस्करण इकाई स्थापना व मटर की गिरदावरी दर्ज करने का विषय हो। इन विषयों पर भारतीय किसान संघ ने समय समय पर सरकार व प्रशासन के नुमाइंदो को अवगत कराया है। लेकिन इन सभी विषयों पर प्रशासन व सरकार ने चिंता नहीं की है। यह गंभीर बात है। भारतीय किसान संघ सरकार व जिम्मेदार प्रशासनिक अधिकारियों से आग्रह करता है कि मटर उत्पादक किसानों की उपज की खरीदी व लाभकारी मूल्य दिलाने की व्यवस्था सुनिश्चित करे अन्यथा भारतीय किसान संघ मटर उत्पादक किसानों की मांगों को लेकर तीव्र आंदोलन करने के लिये बाध्य होगा।

क्या है गिरदावरी- गिरदावरी दर्ज करने से आशय है कि किसान ने अपने खेत में कौन सी फसल लगाई है। जिसे पटवारी फील्ड निरीक्षण करने के बाद राजस्व रिकार्ड में दर्ज करता है। जब कभी प्राकृतिक आपदा या अन्य कारणों से फसल में क्षति होती है तो शासन के रिकार्ड के अनुसार उस किसान के खेत में दर्ज फसल के अनुसार वह उस फसल को समर्थन मूल्य पर विक्रय करने का पंजीयन कराता है और इसी आधार पर फसल बीमा का क्लेम करने का हकदार होता है। भारतीय किसान संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख राघवेंद्र सिंह पटैल ने जानकारी देते हुये बताया कि जबलपुर जिले में गिरदावरी में मटर को दर्ज नहीं किया जा रहा है। जबकि 40 हजार हैक्टेयर से भी अधिक रकबे में किसान मटर पैदा कर रहे हैं। इससे पता चलता है कि प्रशासन किसान के विषयों को कितनी गंभीरता से लेता है। श्री पटैल ने कहा कि जब गिरदावरी दर्ज नहीं होगी तो मटर उत्पादक किसानों की संख्या का अनुमान नहीं लगाया जा सकता है। गिरदावारी में मटर दर्ज न होने के कारण मटर उत्पादक किसानों को प्राकृतिक आपदा के कारण होने वाली फसल नुकसानी का मुआवजा नहीं मिलता है। दूसरी ओर गिरदावरी में सिर्फ और सिर्फ गेंहू व धान ही दर्ज किया जा रहा है। मटर दर्ज करने का कालम की सॉफ्टवेयर में नहीं हैं। ऐसी स्थिति में पाला व ओला गिरने की स्थिति में मटर उत्पादक किसान फसल नुकसानी के मुआवजे का हकदार नहीं बचता है। जिसके कारण किसान को नुकसान उठाना पाता है।

शिक्षा के लिये वित्तीय सहायता योजना का लाभ लेने 31 दिसम्बर तक आवेदन कर सकेंगे श्रमिकों के बच्चे

जबलपुर,देशबन्धु। भारत सरकार के श्रम एवं रोजगार मंत्रालय द्वारा संचालित शिक्षा के लिये वित्तीय सहायता योजना के अंतर्गत मध्यप्रदेश के बीड़ी, चूना पत्थर एवं डोलोमाईट लौह-मैग्नीज-क्रोम अयस्क खदान श्रमिकों के बच्चों से शैक्षणिक सत्र 2023-24 के लिये 31 दिसम्बर तक ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किये गये हैं। इस योजना के तहत मान्यता प्राप्त शैक्षणिक संस्थाओं में कक्षा एक से लेकर उच्च शिक्षा ग्रहण करने पर श्रमिकों के पुत्र-पुत्रियों को छात्रवृत्ति एवं गणवेश की राशि एक हजार रुपये से अधिकतम 25 हजार रुपये स्वीकृत की जाती है।

उप कल्याणि आयुक्त श्रम कल्याचण संगठन जबलपुर ने बताया कि शिक्षा के लिये वित्तीय सहायता योजना के अंतर्गत पात्र छात्र-छात्राओं से नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल https://scholarships.gov.in पर ऑनलाईन आवेदन प्राप्त करने की प्रक्रिया प्रारंभ की जा चुकी है । पात्र छात्र-छात्रायें 31 दिसम्बर तक इस पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे । पूर्व में आवेदन की अंतिम तिथि 30 नवम्बार निर्धारित की गई थी । ऑनलाईन आवेदन करने की प्रक्रिया, पात्रता की जानकारी एवं शर्तें भी नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल पर प्रदर्शित की गई हैं ।

उप कल्याण आयुक्त के अनुसार ऑनलाइन आवेदन करने के बाद अपने शिक्षण संस्थान से संपर्क स्थापित कर अपने आवेदन को ऑनलाईन सत्यापन करवाना तथा उसे स्कॉलरशिप पोर्टल https://scholarships.gov.in के माध्यम से ही अग्रेषित करवाना छात्र-छात्राओं को ही सुनिश्चित करना होगा। उप कल्याण आयुक्त ने यह सलाह भी दी है कि पोर्टल में प्रदर्शित अन्य विभागों द्वारा छात्रवृति के लिये अधिक राशि प्रदान की जाती है तो ऐसे आवेदक-आवेदिका संबंधित विभाग की छात्रवृत्ति के लिये आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि ऑनलाईन आवेदन करने संबंधी अन्य किसी भी प्रकार की समस्या के निदान हेतु श्रम कल्याण संगठन के जबलपुर मुख्यालय के ई-मेल एड्रेस wcjab@mp.gov.in पर संपर्क स्थापित किया जा सकता है । साथ ही मध्यप्रदेश परिक्षेत्र में संचालित अपने नजदीकी औषधालय अपना चिकित्सालयों के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी से व्यक्तिगत रूप से जानकारी प्राप्त की जा सकती है। निर्धारित तिथि के पश्चात् प्राप्त होने वाले आवेदनों व संस्थान द्वारा सत्यापित नहीं किए गए आवेदनों पर विचार किया जाना संभव नहीं होगा।

राज्यस्तरीय एवं राष्ट्रीय बालरंग महोत्सव 19 से 21 दिसंबर तक

जबलपुर, देशबन्धु। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा 19 से 21 दिसंबर तक तीन दिवसीय इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में राज्यस्तरीय एवं राष्ट्रीय बालरंग महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। संयुक्त संचालक लोक शिक्षण भोपाल संभाग अरविंद चोरगढ़े ने बताया कि राज्यस्तरीय बालरंग में प्रदेश के सभी संभागों से लगभग 1000 छात्र-छात्राएं एवं राष्ट्रीय बालरंग में विभिन्न राज्यों के लगभग 500 छात्र-छात्राएं सहभागिता करेंगे।

इस वर्ष बालरंग महोत्सव की थीम आत्मनिर्भर भारत होगी, जिसमें प्रदेश के छात्र-छात्राएं अपने जिले की संस्कृति, वेशभूषा, नृत्य एवं खानपान आदि को विभिन्न मंचों पर प्रदर्शित करेंगे। लगभग 20 राज्यों से सहभागिता करने आ रहे छात्र-छात्राएं अपने राज्य के लोक नृत्य प्रस्तुत करेंगे। राष्ट्रीय बालरंग में उत्कृष्ट लोकनृत्य के लिए प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त नृतक दलों को पुरस्कृत किया जाएगा। श्री चोरगढ़े ने बताया कि राज्यस्तरीय बालरंग में सांस्कृतिक, साहित्यिक, योग, संस्कृत, निशक्तजन एवं मदरसा प्रतियोगिताएं, राष्ट्रीय लोक नृत्य, लघु भारत प्रदर्शनी, विद्यार्थियों द्वारा निर्मित क्रिएटिव क्राफ्ट, गतिविधि आधारित प्रदर्शनी एवं विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न जिलों एवं राज्यों के खाद्य पदार्थ (फूड जोन) की प्रदर्शनी और अन्य प्रतियोगिताएं भी आयोजित होंगी।

हाईकोर्ट ने विवादित भूमि पर यथास्थिति के दिए निर्देश

जबलपुर, देशबन्धु। हाई कोर्ट ने विवादित भूमि पर यथास्थिति का आदेश पारित किया है। आगामी आदेश तक किसी भी तरह के निर्माण कार्य को प्रतिबंधित किया गया है। याचिकाकर्ता ग्राम पनसोखर, तहसील बडवारा, जिला कटनी निवासी मुन्नी बाई की ओर से अधिवक्ता शंकर प्रसाद सिंह के साथ अधिवक्ता पदमावती जायसवाल व भूमिका सोनी ने रखा।

उन्होंने दलील दी कि याचिकाकर्ता ने पूर्व में व्यवहारवाद प्रस्तुत किया था। जिसमें कहा था कि खसरा नं. 535/1 रकवा 0.38 हेक्टेयर, जो सरदाई गौंड के नाम था, उसकी ललिया की मृत्यु के बाद उनकी पत्नी का नाम आया और उसकी मृत्यु हो गई तब उसकी पुत्री मुन्नी बाई का नाम आया। ऐसा इसलिए क्योंकि ललिया बाई की मृत्यु 31 मार्च, 2012 को हो गई थी। मुन्नी बाई का नाम रखने संशोधन पंजी दो अक्टूबर, 2013 दर्ज की गई। प्रतिवादीगण शकुंतला बाई, देवकी बाई, झुन्नी बाई सभी निवासी पनसोखर ने 0.10 हेक्टेयर नरेश दाहिया व अनविंद साहू, जो कोटवार व सरपंच हैं, के साथ मिलकर शकुंतला बाई, देवकी बाई झुन्नी बाई ने अपने नाम कर दो जून, 2023 को रमोली कोल आदिवासी को विक्रय कर दिया। जिस पर उसका अधिकार ही नहीं था। मुन्नी बाई द्वारा स्वत्व घोषणा अस्थाई निषेधाज्ञा व विकय पत्र शून्य व स्थगन की घोषणा तक व्यवहारिक तर्क प्रस्तुत किए गए। आवेदन भी प्रस्तुत किया

गया। जिसमें व्यवहार न्यायाधीश ने स्थानांतरण पर रोक लगा दी। वाद रहने के दौरान क्रेता रमोली कोल ने सरपंच व पटवारी के साथ मिलकर निर्माण कार्य करने लगा। स्थगन आदेश को वादी द्वारा विविध सिविल अपील प्रस्तुत कर मांग की गई कि निर्माण कार्य पर रोक लगाई जाए। लेकिन द्वितीय अतिरिक्त जिला न्यायाधीश ने निर्माण कार्य कर रोक नहीं लगाई। लिहाजा, हाई कोर्ट में याचिका दायर की गई। दलील दी गई कि शकुंतला बाई, देवकी बाई, झुन्नी बाई जिनको मालिकाना हक ही नहीं था, उन्होंने रमोली कोल को रजिस्ट्री की है जो अवैधानिक है। निर्माण कार्य पर रोक लगाई जाए।

ग्राम सभा की अनुशंसा के बिना जल स्त्रोत बनाने की अनुमति क्यों : हाईकोर्ट

जबलपुर। हाई कोर्ट ने राज्य शासन से पूछा है कि ग्राम सभा की अनुशंसा के बिना जल स्त्रोत बनाने की अनुमति क्यों दी गई। न्यायमूर्ति विवेक अग्रवाल की एकलपीठ ने पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अवर सचिव, संभागायुक्त जबलपुर, कलेक्टर बालाघाट, एसडीओ राजस्व व अन्य को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। बालाघाट निवासी राय सिंह ने याचिका दायर कर एसडीओ द्वारा जल स्त्रोत निर्माण के लिए जमीन अधिग्रहण करने अधिसूचना जारी की है। याचिका में दलील दी गई कि आदिवासी वन क्षेत्र में किसी भी तरह के निर्माण के लिए ग्राम सभा की अनंशसा जरूरी है। मामले की सुनवाई के दौरान कोर्ट ने पाया कि इसमें एक मुद्दा और शामिल है। तालाब, नहर, कैनाल आदि के निर्माण के लिए वन भूमि को मद परिवर्तन की अनुमति देने का क्या केन्द्र सरकार को अधिकार है। कोर्ट ने भी माना कि अनुसूचित जनजातियाँ और अन्य पारंपरिक वन निवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम की धाराओं के स्पष्ट प्रविधान है कि इस तरह के की संरचनाओं के निर्माण के लिए ग्राम सभा की अनुशंसा जरूरी है।

विक्टोरिया में आनंद विभाग ने फल वितरण कर अंतर्राष्ट्रीय स्वैच्छिक दिवस मनाया

जबलपुर, देशबन्धु। अंतर्राष्ट्रीय स्वैच्छिक दिवस के अवसर पर आनंद विभाग द्वारा जिला अस्पताल विक्टोरिया और लेडी एल्गिन अस्पताल में इलाजरत मरीजों एवं उनके परिजनों को फल व बिस्कुट वितरण कर मनाया गया। कलेक्टर सौरभ कुमार सुमन के मार्गदर्शन में अंतर्राष्ट्रीय स्वैच्छिक दिवस पर आनंद विभाग की दीप्ति ठाकुर, प्रतिभा दुबे, दर्पण रोटी बैंक की प्रिंसी जैन, पूजा जैन, विक्टोरिया अस्पताल के डॉक्टर नीलकमल सुहाने, एल्गिन अस्पताल की डॉ. भावना मिश्रा के सहयोग से बीमार व्यक्तियों एवं उनके परिजनों को बिस्कुट व फलों का वितरण किया गया। इस मौके पर डॉ. सुहाने ने ओपीडी में मरीजों का इलाज करने के साथ ही सारे मरीजों को फल वितरित किए, तो वहीं डॉ. भावना मिश्रा ने नर्स कंपाउंडर और आनंदम टीम के साथ सभी वार्डो में जाकर उत्साह के साथ फलों का वितरण किया और बच्चों को बिस्किट्स बांटे। डॉ. नीलकमल सुहाने ने कहा कि ऐसे आयोजन आनंद विभाग के द्वारा निरंतर होते रहना चाहिए। जिससे हम सभी को प्रेरणा मिलती रहे।

गरीब कल्याण योजना का आदर्श मॉडल मोदी की गारंटी : प्रहलाद पटेल

पाटन देशबन्धु। नव निर्वाचित नरसिंहपुर से भाजपा विधायक एवं केन्द्रीय राज्य मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने मीडिया से चर्चा के दौरान कहा कि पीएम नरेन्द्र मोदी ने गरीब कल्याण योजना के माध्यम से श्रमिक,महिला एवं किसानों के सशक्तीकरण का जो मॉडल पेश किया है,वह देश से गरीबी दूर करने का एक आदर्श मॉडल है। उन्होंने आगे कहा की देश में नेशनल फूड सिक्योरिटी एक्ट बनने के बाद भी देश में गरीब आदमी के पास राशन नहीं पहुंच पाया। पीडीएस सिस्टम में इस बात की गारंटी दी गई की वहां से आदमी को सस्ता अनाज मिलेगा। फिर भी पीडीएस पर हमेशा से उंगलियां उठती रही हैं,जब ये योजना शुरू हुई तो सिर्फ चार राज्यों में थी। लेकिन अब मोदी सरकार ने इसे 36 राज्यों में लागू कर दिया हैं। इसमें भी दो प्रकार की योजनाएं है-एक ओडब्ल?यूएस और दूसरी प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजाना। जब हम एक योजना में एक परिवार को युनिट मानते हैं तो उसे एक मुस्त में 35 किलो अनाज देते हैं। इस योजना में प्रत्येक परिवार के सदस्य को 5 किलो राशन दिया जाता है।

वन नेशन वन कार्ड ने गरीब मजदूरों को देश के किसी भी हिस्से में अपने खाद्यान्न की सुरक्षा की गारंटी देता है, वहीं डिजिटल कार्ड ने परिवार के प्रत्येक व्यक्ति को अलग-अलग रहने की परिस्थिति में खाद्य की गारंटी दी है। 5 साल के लिए गरीब कल्याण योजना को पीएम ने आगे बढ़ाया है। इस योजना में लगभग 80 करोड़ से ज्यादा लोगों को मुफ्त अनाज मिलेगा। पीएम ने मजदूरों के पीएफ का युनिक आइडिंटिटी नंबर भी देकर मेहनतकश मजदूरों के पैसे की सुरक्षा की गारंटी दी है। जब मजदूरों के पास भोजन की गारंटी होगी तब वो अपने मेहनत के पैसों से अपने परिवार और बच्चों की जिंदगी बेहतर करेगा। केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि आयुष्मान कार्ड योजना ने मजदूरों के स्वास्थ्य की गारंटी दी है तो वहीं पीएफ के नम्बर ने दुर्घटना में क्षतिपूर्ति की भी गारंटी दी है। एमपी के विस चुनाव में भाजपा को मिली बंपर जीत के बाद अब सीएम की कुर्सी पर कोन बैठेगा यह दिल्ली से बहुत जल्द तय होने वाला है। इस बार का पूरा विस का चुनाव मोदी के नाम पर लड़ा गया यही वजह थी कि इस बार के चुनाव में सीएम का फेस कही नज़र नहीं आया,इसलिए वर्तमान की परिस्थिति में सीएम के कई चेहरे प्रदेश में दिखाई पड़ रहे है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान भी सीएम पद के प्रबल दावेदार हो सकते हैं वही ओबीसी वर्ग से आने वाले प्रदेश के कद्दावर नेताओं में शुमार 28 जून 1960 को नरसिंहपुर जिले के गोटेगांव में एक मध्यवर्गी किसान परिवार में जन्मे अटल सरकार में कोयला मंत्री रहे और पांच बार के लोकसभा सांसद रहे श्री पटेल ने 1982 में सियासी जीवन की शुरुआत बीजेपी के युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष के पद से की थी वे वर्ष 1986 से 1990 तक युवा मोर्चा के सचिव रहे वही पहली बार 1989 में सिवनी लोकसभा से सांसद और 1996 में दूसरी बार सिवनी से सांसद बने फिर वर्ष 1999 बालाघाट से सांसद चुने गए और वर्ष 2003 में केन्द्र में कोयला राज्य मंत्री बने फिर वर्ष 2004 में छिंदवाड़ा से सांसद का चुनाव लडा और पहली बार आसमान में उड़कर लोकसभा का चुनाव जीतने वाले कमलनाथ को जमीन पर आकर चुनावी प्रचार प्रसार करने मजबूर कर दिया हालाकि श्री पटेल वह चुनाव हार गए थे। वर्ष 2011 में भारतीय जनता मजदूर महासंघ के अध्यक्ष बने और 2014 में दमोह से सांसद चुने गए फिर वर्ष 2019 में दमोह से दुबारा सांसद चुने गए। और 30 मई 2019 से केन्द्र में मंत्री है। प्रदेश के विस चुनाव में शीर्ष नेतृत्व के निर्देश पर नरसिंहपुर से चुनाव लडा और प्रचंड मतों से जीत दर्ज की है।

सीएम की रेस में श्री पटेल सबसे आगे

सार-समाचार

अतिथि विद्वान बगैर पारिश्रमिक के पढ़ा रहे हैं

कुंडम। मध्य प्रदेश तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ के ब्लॉक अध्यक्ष विनोद कुमार साहू की विज्ञप्ति के अनुसार कुंडम तहसील में समस्त स्कूलों में पदस्थ चयनित अतिथि विद्वानों का 4 महीना से परिश्रमिक नहीं दिया गया है। अतिथियों का पारिश्रमिक ना मिलने से दशहरा दीपावली और अन्य त्योहार फीकी रहे एवं घर गृहस्ती चलाने के लिए साहूकारों के सूद मे रूपये लेकर काम चला रहे हैं जिससे उनकी दिन प्रतिदिन। आर्थिक स्थिति कमजोर होती जा रही है । कुंडम विकासखंड शिक्षा अधिकारी महोदय के द्वारा बिल लगाकर ट्रेजरी भेज दिया गया है। बिलों को ट्रेजरि मे रोका गया है।

संघ के जिला अध्यक्ष अरबेंद्र राजपूत अवधेश तिवारी मुकेश सिंह अरुण दुबे नेतराम झरिया बलराम नामदेव नरेंद्र चौहान विनय नामदेव शंभू तिवारी अशोक कुमार बर्मन जगलाल बर्मन रमेश कुमार गोटिया राम रतन श्याम प्रभु दयाल में अशोक कुमार साहू सुभाष कुमार साहू हीरालाल हल्दकर राम सिंह परस्ते वेंकटरमन अयोध्या प्रसाद झारिया किशोरप्रसाद झारिया सरोज झरिया सुशील एक्का रामप्रसाद बरकडेभगत सिंह सूर्यवंशी दुकल मरावी वीरेंद्र सिंह ठाकुर और संघ के सभी सदस्यों ने माननीय कलेक्टर महोदय से अतिथि विद्वानों को परिश्रमिक दिलाने की पुरजोर रूप से कीमांग जा रही है।

पुलिस ने चलाया हेलमेट चेकिंग अभियान

बिना हेलमेट वालों की चालान काटे

गोसलपुर,देशबन्धु। थाना प्रभारी प्रियंका केवट एवं पुलिस स्टाफ के द्वारा गोसलपुर में मंगलवार को हेलमेट चेकिंग अभियान चलाया गया । पुलिस ने टीम बनाकर ताबड़तोड़ कार्यवाही की एक तरफ जहां पुलिस ने सुबह से शुरू किए अभियान में दुपहिया वाहनों के चालान काटे तो कई गाड़ियो के भी नियम पालन नहीं करने पर कार्यवाही की गई. हालांकि अभियान को ध्यान में रखते हुए पुलिस ने पहले से ही आम जन से हेलमेट पहनकर बाहर निकलने का आह्वान किया था. इसके बावजूद भी भारी सख्या में लोग नियमों की धज्जियां उड़ाते नज़र आये. उन्हे समझाइए भीं दी गई।

रमेश व्यास दादा बने आई खुशियों की बहार

गोसलपुर आश्रम मोहल्ला निवासी रमेश व्यास के सुपुत्र अमित व्यास को पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई रमेश व्यास दादा बनने पर उनके इष्ट मित्रों ने शुभकामनाएं प्रेषित की कल्याण सिंह राजपूत प्रकाश पालीवाल गुलाब श्रीवास धर्मेंद्र सिंह राजपूत सुरेश पालीवाल जीवन लाल गुप्ता आदि ने शुभकामनाएं दी।

नेशनल लोक अदालत 9 को

अनूपपुर, देशबन्धु। प्रदेश के सभी जिलों में 9 दिसम्बर (शनिवार) को नेशनल लोक अदालत आयोजित की जाएंगी। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार नेशनल लोक अदालत में चिन्हित किये गये मुकदमा पूर्व और न्यायालयों में लंबित राजीनामा योग्य प्रकरणों को निराकरण के लिये रखा जायेगा। लोक अदालत में राशि वसूली, श्रम और रोजगार संबंधी विवाद, बिजली, पानी के बिलों सहित अन्य बिल भुगतान, मेंटेनेंस सहित अन्य प्रकरणों को लोक अदालत में रखा जायेगा।

प्रशस्त ऐप पढ़ाई में बन रहा रोड़ा

बरेला, स्कूल शिक्षा विभाग में शासन द्वारा प्रशस्त ऐप डाउनलोड करने के लिए प्रत्येक शाला के शिक्षकों को निर्देशित किया गया है प्रशिक्षण प्राप्त कर प्रधान अध्यापकों द्वारा अधीनस्थ शिक्षकों को ऐप डाउनलोड करवा तो दिए गए हैं लेकिन वह अच्छी तरह से काम नहीं कर रहे हैं शाला के बच्चों को शिक्षकों द्वारा इस ऐप में रजिस्ट्रेशन सर्वे का कार्य करना है जिसे लेकर शिक्षक सुबह से लेकर शाम तक मोबाइल में ही लगे रहते हैं लेकिन उन्हें छात्रों के रजिस्ट्रेशन एवं सर्वे करने में तकनीकी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है जिससे विद्यालय में पढ़ाई भी प्रभावित हो रही है साथ ही शिक्षको के घरों के काम भी सही समय पर नहीं हो पा रहे हैं शासन द्वारा शिक्षकों से कितने प्रकार के कार्य कराए जाते हैं कि शिक्षक मानसिक रूप से कमजोर होते जा रहे हैं नित्य नए नए आदेशों के आ जाने से शिक्षक परेशान हो रहे हैं,सिर्फ शिक्षा देने का कार्य ही शिक्षकों से कराया जाए तो बच्चों को संस्कार के साथ शिक्षा देने में शिक्षक सफल रहेंगे मध्य प्रदेश अधिकारी कर्मचारी संयुक्त मोर्चा संघ के पदाधिकारी ने राज्य शासन से मांग की है कि शिक्षकों से सिर्फ शैक्षणिक कार्य ही कराए जाएं मांग करने वालों में संघ के शहजाद सिंह द्विवेदी,दालचंद पासी, रजनीश कुमार पांडेय, अजय दुबे मुकेश मेहरा,उमेश दुवेदी,सतीश उपाध्याय, शुभ संदेश, महेंद्र रंगडाले,आर के परोहा, रामदास बरकड़े, बृजेश दीक्षित, मनोज सिंह, शेर सिंह, अंशुल साहू,किशोर दुबे,जयप्रकाश गुप्ता, अर्पित दुबे, प्रवीण त्रिपाठी,अनिकेत नामदेव,सुरेंद्र चौबे, जनक लाल झरिया, डी के विश्वकर्मा,राममिलन बरकड़े, कृष्ण कुमार मरावी, सुभम दुबे, अमृत यादव, किरीट कोस्टा, सी पी मेहरा, सुम्मत सिंग, प्रफुल्ल बनाफर, मोहन पटेल प्रदीप मिश्रा,संतलाल कुर्वेति, शिवराम झरिया, राजकुमार लखेरा, विनय शर्मा, प्रमोद विश्वकर्मा, ममता दुबे, वन्दना गोस्वामी, संगीता गौर,रचना दुबे,अनीता कुरील, हेमलता राजोरिया, कमला बाबरिया,सुषमा वेन,पूनम पटेल ,सुनीता शुक्ला ,भारती गौतम,मोहित नाथ ,विजय नामदेव, मिथिलेश, जितेंद्र दुबे ,निर्मल लोधी, दिनेश पासी, आदि कर्मचारी ने की है=

विधायक इंदु तिवारी का किया स्वागत

बरेला ग्राम पंचायत रिछाई शारदा नगर में तीसरी बार बने विधायक इंदु तिवारी का भव्य स्वागत किया गया। ग्राम पंचायत के सरपंच आशीष शुक्ला, प्रदेश के युवा मोर्चा के उपाध्यक्ष शिवम तिवारी , देवी पटेल , धीरज दीक्षित, अरुण द्विवेदी और ग्राम के सोनू श्रीवास्तव, मुन्ना झरिया, चिंता राजा , सोहन सिंह, गुड्डा, जगदीश मरावी, सुरेश विश्वकर्मा, जेठू लाल, गज्जू ठाकुर, पप्पू पटेल, पप्पू विश्वकर्मा, दिनेश झरिया ,रिंकू शुक्ला, आयुष तिवारी, फुल्लू यादव, सुरेंद्र यादव, नर्मदा झरिया एवं ग्राम की माताएं बहने एवं बुजुर्ग साथी और युवा साथियों द्वारा माता बहनों द्वारा भगवान भोलेनाथ के मंदिर में पूजा पूजा अर्चना कराकर स्वागत किया गया।

अवैध रूप से संचालित ट्रैवल्स एजेंसियों पर की गई कार्रवाई

रीवा देशबन्धु। कलेक्टर रीवा के आदेशानुसार आर टी ओ रीवा के निर्देशन में परिवहन विभाग द्वारा नगर निगम रीवा और समान थाना पुलिस के साथ मिलकर अवैध रूप से संचालित ट्रैवेल्स एजेंसियों पर नये बस स्टैंड पर कार्यवाही की । नये बस स्टैंड रीवा पर काफ़ी दिनों से सिक़ायते आ रही थी की यात्रियों से किराए के नाम पर इन ट्रैवेल्स एजेंटों के द्वारा यात्रियों से नागपुर भोपाल इंदौर की बसों के लिए शासन द्वारा निर्धारित किराए से ज़्यादा किराया लिया जा रहा है जिससे यात्रियों को काफ़ी परेशानी का सामना करना पडता है । इन ट्रैवेल्स एजेंसियों के संचालकों के द्वारा ज़्यादा किराया लेकर यात्रियों को उनके गंतव्य के पहले ही उतारने की शिकायते भी आ रही थी जिसको लेकर परिवहन विभाग द्वारा पिछले दिनों शुक्रवार दिनांक 01/12/ 2023 को पुराने एवं नये बस स्टैंड के साथ हनुमना चाकघाट मार्ग पर एक साथ आल इंडिया बसों पर चलानी कार्यवाही की गई थी।जिसमें 30 वाहनों पर चालानी कार्यवाही करते हुए 48500 का चालान बनाया गया था। आज की कार्यवाही में ट्रैवेल्स एजेंसियों के होर्डिंग टेबल कुर्सी उनके काउंटर आदि जप्त किए गए और उन्हें नगर निगम के अतिक्रमण दस्ते की गाड़ी में रखकर नगर निगम कार्यालय रीवा भिजवाया गया। परिवहन विभाग के द्वारा आज भी 11 आल इंडिया बसों पर कार्यवाही करते हुए 2900 का जुर्माना किया गया। आज की कुल कार्यवाही में परिवहन विभाग द्वारा 68900 रुपये का राजस्व अर्जित किया गया।

एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन आज से प्रारंभ

सिवनी, देशबन्धु । जनजातीय कार्य विभाग द्वारा संचालित प्रदेश के विशिष्ट आवासीय विद्यालयों में कक्षा 6वीं की 8447 सीटों हेतु प्रवेश परीक्षा के लिए 6 दिसंबर से ऑनलाइन आवेदन किए जा सकेंगे। विभाग द्वारा संचालित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय (ई.एम.आर.एस.), कन्या शिक्षा परिसर (के.एस.पी.) और आदर्श आवासीय विद्यालय (एम.आर.एस.) में प्रवेश परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 8 जनवरी 2024 होगी। वहीं, 11 फरवरी 2024 को सुबह 10 बजे आयोजित होने वाली परीक्षा के लिए 29 जनवरी से प्रवेश पत्र डाउनलोड किए जा सकेंगे। भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय के अधीन प्रदेश में संचालित 63 एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों में 6वीं कक्षा में 1795 बालक एवं 1820 बालिकाओं सहित कुल 3615 सीटें हैं। वहीं, प्रदेश के 81 कन्या शिक्षा परिसर में कुल 4552 बालिकाओं और 8 आदर्श आवासीय विद्यालयों में कुल 280 सीटें हैं। मेरिट सूची में चयनित होने एवं न्यूनतम योग्यता प्राप्त करने वाले विद्यार्थी अपने विकल्प के अनुसार विद्यालयों में रिक्त सीट के विरुद्ध प्रवेश हेतु पात्र होंगे। विभागीय वेबसाइट https:// www.tribal.mp.gov.in/MPTAAS के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन किए जा सकते हैं। इन विद्यालयों में प्रवेश हेतु विशिष्ट पिछड़ी जनजाति (बैगा, भारिया या सहरिया), विमुक्त जनजातियां और घुमक्कड़ एवं अर्धघुमक्कड़ समुदाय के विद्यार्थियों हेतु सीटें आरक्षित की गई हैं। साथ ही वे बच्चे, जिन्होंने अपने माता-पिता को वामपंथी उग्रवाद/उग्रवाद या कोविड आदि के कारण खो दिया है उनके लिए भी सीटें आरक्षित हैं।

अनियंत्रित ट्रेलर वाहन पलट कर सड़क किनारे बने घर से टकराया

अनूपपुर, देशबन्धु। कोयला से भर जैतहरी की ओर से बिलासपुर जा रहें ट्रेलर क्र सीजी 04 पीजी 9515 वेंकटनगर मोड़ पर सड़क किनारे बने घर के सामने अनियंत्रित होकर पलट गया। जिससे घर को भी नुकसान हुआ है।

जानकारी अनुसार वेंकटनगर मुख्य मार्ग पर आरटीओ बैरियर के पास मोड़ है, जहां मंगलवार को जैतहरी की ओर से बिलासपुर जा रहें ट्रेलर क्र सीजी 04 पीजी 9515 सड़क किनारे बने घर के सामने अनियंत्रित होकर पलट गया। इस घटना से घर को भी नुकसान हुआ हैं। ग्रामीणों ने बताया कि जहां कोई साइन बोर्ड भी नही है। सड़क निर्माण के दौरान ठेकेदार को मोड़ पर सड़क चौड़ा करने के लिए कई बार बोला भी गया पर उन्होंने ऐसा नही किया। जिसके बाद ग्रामीणों ने एसडीएम जैतहरी से भी तीन माह पहले इस संबंध में चर्चा की। पर उन्होंने भी इस ओर कोई ध्यान नही दिया, जिससे आये दिन हादसे हो रहें है। पिछले सप्ताह ही प्रयागराज से बिलासपुर जा रही प्रयाग बस भी दुर्घटनाग्रस्त हुई थी, जिससे यात्री बाल-बाल बच गए थे।

ग्रामीणों की जिला प्रशासन से मांग है कि वेंकटनगर मुख्य मार्ग पर आरटीओ बैरियर के पास बने मोड़ पर दुर्घटना को रोकने का इंतजाम हेतु उचित व्यवस्था की जाए अन्यथा आये दिन हो रही दुर्घटना से किसी दिन बड़े हादसे के कारण जान माल की हानि हो

प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत इच्छुक व्यक्तियों से आवेदन 31 दिसम्बर तक आमंत्रित

दमोह,देशबन्धु। मत्स्य पालन से जुड़े कृषकों अथवा मत्स्यिकी से जुड़ने हेतु इच्छुक व्यक्तियों के लिए वित्तीय वर्ष 2024-25 से भारत सरकार के मत्स्यिकी विभाग द्वारा संचालित प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना की कार्ययोजना प्रेषित किये जाने के उद्देश्य से सहायक संचालक मत्स्योद्योग ने उक्त योजना में सम्मिलित गतिविधियों से लाभ लेने हेतु इच्छुक व्यक्तियों से 31 दिसम्बर 2023 तक आवेदन आमंत्रित किये हैं। आवेदनों की नियमानुसार जांच उपरांत कलेक्टर जिला दमोह की अध्यक्षता में गठित जिला स्तरीय संचालन समिति के प्रशासनिक अनुमोदन के पश्चात् ही इसे अंतिम रूप दिया जायेगा। सहायक संचालक मत्स्योद्योग ने कहा है नियमानुसार सामान्य /पिछड़ा वर्ग के कृषकों को योजना लागत का 40 प्रतिशत एवं अनुसूचित जनजाति / महिला वर्ग को 60 प्रतिशत अनुदान प्रदाय करने के प्रावधान है।

उक्त योजना का मुख्य ध्येय मछली उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि, गुणवत्ता, तकनीकी, आधारभूत संरचना एवं प्रबंधन के अंतर को कम करना, मूल्य श्रंखला का आधुनिकीकरण एवं सुदृढीकरण, मजबूत मत्स्य पालन-प्रबंधन ढांचा की स्थापना एवं मछुआरों का कल्याण, जिससे मछुआरों एवं मत्स्य कृषकों की आय दोगुनी होगी और इस प्रकार यह सामाजिक, भौतिक एवं आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने में सहायक होगा।

उन्होंने बताया इस योजना के अंतर्गत कार्यक्रम की सूची अनुसार नवीन तालाब का निर्माण (0.1 हेक्टेयर से 2.00 हेक्टेयर तक), मत्स्य बीज उत्पादन हेतु नए मत्स्य हैचरी की स्थापना, नवीन मत्स्य बीज संवर्धन हेतु रियरिंग पोखर/तालाब का निर्माण, मिश्रित मत्स्य पालन, पंगेशियस, तिलापिया मछली पालन हेतु इनपुट्स की व्यवस्था, जलाशय में मत्स्य अंगुलिकाओं का संचयन, रंगीन मछली के ब्रीडिंग एवं रियरिंग के लिए इकाई की स्थापना, आर.ए.एस. की स्थापना/ बायोफलाक्स की स्थापना, जलाशयों में केज कल्चर की स्थापना कर मत्स्य पालन, पेन कल्चर, मत्स्य कोल्ड स्टोरेज / आईस प्लांट का निर्माण अथवा आधुनिकीकरण, रेफ्रिजेरेटेड वाहन, इंसुलेटेड वाहन, आईस बाक्स युक्त मोटर साईकिल, मछली बिक्री हेतु ई-रिक्शा, फिश फीड मिल/ प्लांट, खुदरा मछली बाजार का निर्माण, मछली कियोस्क का निर्माण, परंपरागत मछुआरों के लिये नाव एवं जाल का प्रावधान, थोक मछली बाजार का निर्माण इत्यादि शामिल हैं।

रूस ने मोल्दोवा से फलों और सब्जियों के आयात पर लगाया प्रतिबंध

मॉस्को, (आईएएनएस)। रूस की संघीय पशु चिकित्सा और फाइटोसैनिटरी निगरानी सेवा (रोसेलखोज्नदज़ोर) ने सोमवार को मोल्दोवा से फलों और सब्जियों पर आयात प्रतिबंध लगा दिया है। कृषि निगरानी संस्था ने गुरुवार को एक बयान में कहा, रोसेलखोज्नदज़ोर को 4 दिसंबर, 2023 से मोल्दोवा गणराज्य से रूस में विनियमित उत्पादों के आयात पर 2022 में लगाए गए प्रतिबंधों को बहाल करने के लिए मजबूर किया गया है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, बयान में कहा गया है कि सब्जियों और फलों में क्वारंटीन के अधीन तत्वों की चल रही पहचान से रूस में कृषि उत्पादन को अरबों डॉलर का नुकसान हो सकता है और मोल्दोवा इन उत्पादों की आपूर्ति को रोकने के लिए प्रभावी उपाय करने में विफल रहा है। हालांकि खाद्य सुरक्षा के लिए मोल्दोवन राष्ट्रीय एजेंसी ने इस निर्णय को निराधार बताया है। रूसी

ब्रिटिश सरकार ने भारतीयों के लिए ब्रिटेन में काम करना किया मुश्किल

लंदन, (आईएएनएस)। ब्रिटिश सरकार द्वारा कुशल श्रमिक वीजा के लिए सीमा बढ़ाए जाने से लगभग 300,000 गैर ब्रिटेन के लोग प्रभावित होंगे, जिनमें से कई भारतीय भी हैं। एक आवेदक का अब न्यूनतम वेतन 26,000 पाउंड से बढ़कर 38,700 पाउंड होना चाहिए।

हाउस ऑफ कॉमन्स में गृह सचिव जेम्स क्लेवरली ने कहा, बहुत हो गया। उन्होंने कहा, यह नीति यूके में नेट माइग्रेशन (शुद्ध प्रवासन) को कम करने के लिए डिजाइन की गई है। ब्रिटेन में रहने के लिए आने वाले लोगों और छोड़ने वाले लोगों की संख्या के बीच शुद्ध प्रवासन का अंतर 2022 में 745,000 था और यह पूरे ब्रिटेन के लोगों के बीच बेहद अलोकप्रिय हो गया है।

यूरोपीय संघ (ईयू) से बाहर निकलने के लिए मुख्य तर्कों में से एक आप्रवासन को नियंत्रित करना था जिसे यूरोपीय संघ में लोगों की अनिवार्य मुक्त आवाजाही को रोका नहीं जा सकता था। इसे भारत सहित दुनिया के अन्य हिस्सों से ब्रिटेन में आने वाले लोगों ने हराया है। हालांकि स्वास्थ्य और सामाजिक देखभाल वीजा पर आने वाले ज्यादातर नर्सों को उच्च वेतन सीमा से छूट दी जाएगी। उन्हें अपने आश्रितों अर्थात् अपने साथियों और बच्चों को अपने साथ लाने की अनुमति नहीं होगी। जेम्स क्लेवरली ने कहा कि इससे स्वास्थ्य और देखभाल वीजा का दुरुपयोग बंद हो जाएगा। यूके में नर्सें भारत के साथ-साथ एशिया अफ्रीका और वेस्ट इंडीज के अन्य हिस्सों से भी आती हैं।

जेम्स क्लेवरली ने कहा, सितंबर 2023 को समाप्त होने वाले वर्ष में 100,000 देखभाल कर्मियों और वरिष्ठ देखभाल कर्मियों के साथ लगभग 120,000 आश्रित थे। अनुमान है कि केवल 25 प्रतिशत आश्रित ही काम पर हैं, जिसका अर्थ है कि एक महत्वपूर्ण संख्या सार्वजनिक सेवाओं का लाभ उठा रही है। इस साल की शुरुआत में ब्रिटेन में आश्रितों को लाने वाले छात्रों के लिए सख्त नियमों की घोषणा की गई थी। स्नातक छात्रों को अब अपने साथी या बच्चों को लाने की अनुमति नहीं है। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि विदेशी नौकरी चाहने वालों द्वारा देय स्वास्थ्य अधिभार 66 प्रतिशत बढ़कर 624 पाउंड से 1,035 पाउंड हो जाएगा। इस कदम की आलोचना किए बिना विपक्षी लेबर पार्टी शैडो गृह सचिव यवेटे कूपर ने कहा कि नए प्रस्ताव इस कंजर्वेटिव सरकार की वर्षों की पूर्ण विफलता की स्वीकारोक्ति है। उन्होंने प्रधानमंत्री ऋषि सुनक की आलोचना करते हुए कहा कि वह स्पष्ट रूप से बिना स्टीयरिंग के घूम रहे हैं और उन्हें हर जगह धकेला जा रहा है। स्कॉटिश नेशनल पार्टी के प्रवक्ता ने कहा कि क्लेवरली की घोषणा का मूल्यांकन इस आधार पर किया जाएगा कि यह सही है या नहीं। इंडिपेंडेंट केयर ग्रुप के अध्यक्ष ने चेतावनी दी, मुझे लगता है कि हम देखेंगे कि और अधिक व्यवसाय विफल हो जाएंगे, केयर होम बंद हो जाएंगे। ऐसा प्रतीत होता है कि यूके में मास्टर डिग्री पूरी करने के बाद उपलब्ध पोस्ट-स्टडी वर्क (पीएसडब्ल्यू) वीजा अभी तक नए दिशानिर्देशों के तहत नहीं आएगा।

न्यूजीलैंड में कम वेतन पाने वाले सिख कर्मचारी को मिला बकाया और छुट्टियों का वेतन

ऑकलैंड, (आईएएनएस)। न्यूजीलैंड में एक रोजगार संबंध निकाय के फैसले के बाद एक सिख कैफे कर्मचारी को वेतन बकाया और छुट्टियों का वेतन वापस मिल गया। स्टफ डॉट को डॉट न्यूजीलैंड की रिपोर्ट के अनुसार, भूपिंदर कौर ने हैवलॉक नॉर्थ में विलेज ग्रीन कैफे में ढाई साल तक बिना कोई वार्षिक छुट्टी लिए काम किया। वहां पर्याप्त कर्मचारी नहीं थे। कौर ने रोजगार संबंध प्राधिकरण (ईआरए) से संपर्क किया जब उनकी कंपनी के एकमात्र निदेशक जोगा सिंह चैंबर ने उनके अवैतनिक वेतन के चलते उनके साथ काम करने से इनकार कर दिया। नौकरी छोड़ने के बाद अपनी पे-स्लीप्स की बारीकी से जांच करने पर, कौर को पता चला कि उन्हें वार्षिक अवकाश वेतन का पूरा हक नहीं दिया गया, और उन्हें जो अवकाश वेतन मिला था, वह सही प्रति घंटा की दर से भुगतान नहीं किया गया। इसके अलावा, कंपनी ने उसके पूरे रोजगार के दौरान कई मौकों पर उसे सही प्रति घंटा की दर से भुगतान नहीं किया। हाल के एक निर्णय में, ईआरए ने कौर के औसत साप्ताहिक वेतन 862.02 न्यूजीलैंड डॉलर (सकल) के आधार पर 8,919.28 न्यूजीलैंड डॉलर के रूप में कौर को देय वार्षिक अवकाश वेतन की राशि की गणना की। उस ईआरए में से 3,323.24 न्यूजीलैंड डॉलर की कटौती की गई, जिसे कंपनी ने वार्षिक छुट्टी के लिए उसकी फाइन पे-स्लीप में भुगतान किया था, और 5,596.04 न्यूजीलैंड डॉलर के आंकड़े पर पहुंची। ईआरए सदस्य नताशा जेटो ने कहा कि कंपनी की वेतन और समय रिकॉर्ड रखने में विफलता और न्यूनतम छुट्टी और अवकाश रिकॉर्ड रखने में विफलता रोजगार संबंध अधिनियम, वेतन संरक्षण अधिनियम और अवकाश अधिनियम का उल्लंघन है। जेटो ने कहा कि इस उल्लंघन से ऐसा प्रतीत होता है कि कंपनी जानबूझकर कौर को गलत दर पर भुगतान कर रही थी।

आज का इतिहास

1060- बेला चैंपियन को हंगरी का राजा घोषित किया गया था।
1723- सम्राट कैरेल ने छठी व्यावहारिक संविधान घोषित किया।
1724- लंदन में कॉली सिब्बेर का नाटक 'सीज़र इन मिस्त्र' का प्रीमियर शुरू हुआ।
1768- एनसाइक्लोपीडिया ब्रिटैनिका का पहला संस्करण प्रकाशित हुआ।
1774- ऑस्ट्रिया राजकीय शिक्षा व्यवस्था लागू करने वाला पहला देश बना।
1848- फ्रांज शिलक के नेतृत्व में ऑस्ट्रियाई शाही सेना ने हंगरी पर हमला किया।
1865- अमेरिका में दासता को आधिकारिक रूप से समाप्त कर दिया गया।
1877- पहली बार मनुष्य की आवाज रिकॉर्ड हुई, थॉमस एडिसन ने सबसे पहले कहा 'री हेड अ लिटिल लेम्ब'।

सुडोकू 6397

1		3				8		6
				3	8		7	
5	8			9				
9	7		3		1		4	8
4								5
6	1		8		9		2	3
				7			5	4
	5		2	8				
7		4				3		9

: नियम :

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम, कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

वाशिंगटन डीसी के पास घर में विस्फोट, कई पुलिसकर्मी घायल

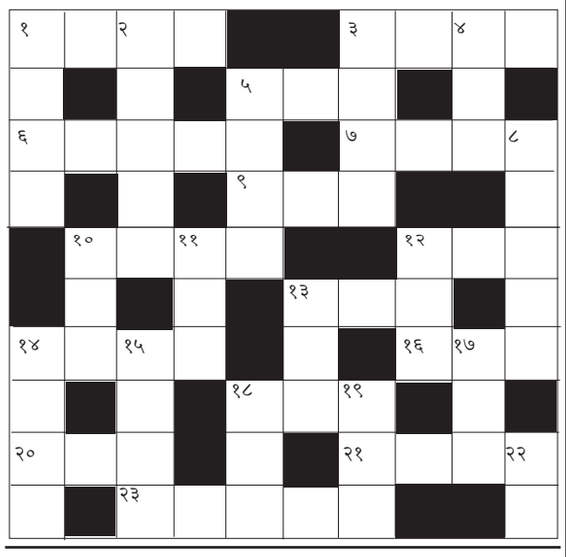

वाशिंगटन, (आईएएनएस)। वाशिंगटन, डीसी के पास एक आवासीय इमारत में विस्फोट की खबर सामने आई है, जिसमें कई पुलिस अधिकारी मामूली रूप से घायल हो गए। समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने स्थानीय मीडिया के हवाले से बताया कि यह विस्फोट वाशिंगटन डीसी से सीधे पोटोमैक नदी के पार अमेरिकी राज्य वर्जीनिया के एक काउंटी अर्लिंगटन स्थित एक घर में रात 8.20 बजे हुआ। पुलिस यहां किसी मामले में जांच करने पहुंची थी। अर्लिंग्टन काउंटी पुलिस विभाग ने एक्स पोस्ट में बताया, जब अधिकारी आवास पर सर्च वारंट एग्जीक्यूट करने का प्रयास कर रहे थे, तो संदिग्ध ने घर के अंदर कई गोलियां चलाईं। इसके बाद, आवास पर एक विस्फोट हुआ। फिलहाल, अधिकारी विस्फोट की परिस्थितियों की जांच कर रहे हैं। लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि संदिग्ध घायल हुआ या पकड़ा गया। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, इलाके में एक जोरदार विस्फोट सुना गया और आसपास की बिजली बाधित हो गई। आसपास के कुछ निवासियों ने सोशल मीडिया पर कहा कि उन्हें अपने घर हिलते हुए महसूस हुए।

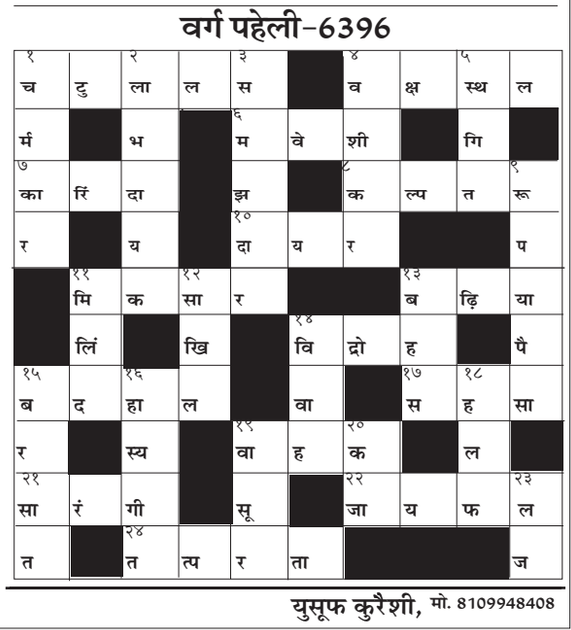

थाईलैंड बस दुर्घटना में 14 लोगों की मौत, 20 घायल

बैंकॉक, (आईएएनएस)। थाईलैंड में एक अनियंत्रित बस पेड़ से जा टकरायी। इस हादसे में कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई और 20 अन्य घायल हो गए। मंगलवार को राज्य के स्वामित्व वाली उद्यम ट्रांसपोर्ट कंपनी लिमिटेड ने अपने बयान में यह जानकारी दी। समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने बयान के हवाले से बताया कि यह दुर्घटना मंगलवार सुबह करीब 12.30 बजे प्रचुआप खिरी खान प्रांत में हुई। पहले, स्थानीय मीडिया ने 14 लोगों की मौत और 35 लोगों के घायल होने की खबर दी थी, लेकिन बाद में बस ऑपरेटर ने इसे संशोधित कर 14 लोगों की मौत और 20 लोगों के घायल होने की खबर दी। बस राजधानी बैंकॉक से सोंगखला प्रांत के नथावी जिले की ओर जा रही थी।

गाजा लड़ाई में 3 इजरायली सैनिकों की मौतः आईडीएफ

तेल अवीव, (आईएएनएस)। इजरायल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने बताया कि गाजा में युद्ध के दौरान तीन सैनिकों की मौत हो गई। वहीं, चार सैनिक गंभीर रूप से घायल हैं। एक बयान में, आईडीएफ ने तीन मृत सैनिकों की पहचान कैप्टन ईटन फिश (24), स्टाफ सार्जेंट तुवल याकोव त्सनानी (22) और सार्जेंट याक्किर येदिद्या शेंकोलेव्स्की (24) के रूप में की है। इन तीनों ने 188वीं बख्तरबंद ब्रिगेड की 53वीं बटालियन में सेवा की। आईडीएफ ने यह भी कहा कि चार घायल सैनिकों का वर्तमान में एक सैन्य अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। नवीनतम मौतों के साथ, 27 अक्टूबर को इजरायल द्वारा गाजा में जमीनी हमले शुरू करने के बाद से मारे गए सैनिकों की संख्या 78 हो गई है। एक दिसंबर से जब सात दिवसीय मानवीय संघर्ष विराम के टूटने के बाद इजरायल ने गाजा में अपने हमले फिर से शुरू किए, तो युद्ध में मारे गए सैनिकों की संख्या छह तक पहुंच गई है। 7 अक्टूबर को युद्ध की शुरुआत के बाद, आईडीएफ ने 400 से अधिक सैनिकों की मौत की घोषणा की है।

मानवीय आपूर्ति ले जाने वाले केवल 100 ट्रक गाजा में दाखिल - संयुक्त राष्ट्र

गाजा, (आईएएनएस)। मानवीय मामलों के समन्वय के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय ने बताया कि इजरायली हमलों के बीच पिछले 24 घंटों में केवल 100 सहायता ट्रक रफा सीमा के माध्यम से मिस्र से गाजा पट्टी में प्रवेश कर पाए। अपने नवीनतम अपडेट में मानवीय मामलों के समन्वय के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय ने कहा कि 69,000 लीटर ईंधन गाजा में प्रवेश किया, जो पिछले दिन के समान ही था। संयुक्त राष्ट्र एजेंसी ने कहा कि यह 24 से 30 नवंबर के बीच लागू मानवीय विराम के दौरान प्रवेश किए गए 170 ट्रकों और 110,000 लीटर ईंधन के दैनिक औसत से काफी कम है।

सात दिवसीय मानवीय विराम समाप्त होने के बाद इजरायल ने 1 दिसंबर को गाजा पर फिर से हमला करना शुरू कर दिया, दोनों युद्धरत पक्षों ने एक-दूसरे पर संघर्ष विराम का उल्लंघन करने का आरोप लगाया। तब से गाजा में हवाई, जमीन और समुद्र से इजरायली बमबारी के साथ-साथ जमीनी कार्रवाई और लड़ाई काफी तेज हो गई है, जबकि फिलिस्तीनी सशस्त्र समूहों द्वारा इजरायल पर रॉकेट दागना जारी है।

रविवार दोपहर से सोमवार के बीच गाजा में सबसे भारी गोलाबारी देखी गई। गाजा में हमास-नियंत्रित स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, 1 दिसंबर से मंगलवार की सुबह तक, नए सिरे से हुई लड़ाई में कम से कम 349 फिलिस्तीनी मारे गए हैं और 750 घायल हुए हैं। इजरायली अधिकारियों के अनुसार, रविवार को युद्ध में तीन इजरायली सैनिक भी मारे गए। सोमवार को कब्जे वाले फिलिस्तीनी क्षेत्र के लिए संयुक्त राष्ट्र मानवतावादी समन्वयक लिन हेस्टिंग्स ने कहा कि गाजा के लोगों को सहायता पहुंचाने के लिए आवश्यक शर्तें मौजूद नहीं हैं।

उन्होंने कहा, यदि संभव हुआ तो इससे भी अधिक नारकीय परिदृश्य सामने आने वाला है, जिसमें मानवीय अभियान प्रतिक्रिया देने में सक्षम नहीं होंगे।

आज हम जो देख रहे हैं वह बिना किसी क्षमता वाले आश्रय स्थल हैं, स्वास्थ्य प्रणाली घुटनों पर है, स्वच्छ पेयजल की कमी है, उचित स्वच्छता नहीं है और पहले से ही मानसिक और शारीरिक रूप से थके हुए लोगों के लिए खराब पोषण है। 7 अक्टूबर को युद्ध शुरू होने के बाद से गाजा में कम से कम 15,899 फिलिस्तीनी मारे गए हैं, जिनमें से लगभग 70 प्रतिशत महिलाएं और बच्चे बताए गए हैं। इजरायल में मरने वालों की संख्या 1,200 से अधिक है, जिसमें विदेशी नागरिक भी शामिल हैं।

बाइडेन ने भारतीय-अमेरिकी देवेन पारेख को प्रमुख पद के लिए किया नामित

वाशिंगटन, (आईएएनएस)। भारतीय मूल के पूंजीपति देवेन पारेख को अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने नए कार्यकाल के लिए अंतर्राष्ट्रीय विकास वित्त निगम के निदेशक मंडल में नामित किया है। पारेख न्यूयॉर्क शहर में स्थित ग्रोथ इक्विटी इन्वेस्टमेंट फंड इनसाइट पार्टनर्स में प्रबंध निदेशक हैं। कानून के अनुसार विकास वित्त निगम निदेशक मंडल में सीनेट और हाउस नेतृत्व से राष्ट्रपति की सिफारिश पर चार सदस्य शामिल होते हैं। व्हाइट हाउस ने एक बयान में कहा कि पारेख सीनेट के बहुमत नेता द्वारा अनुशंसित उम्मीदवार हैं। 2000 में इनसाइट में शामिल होने के बाद से पारेख ने उत्तरी अमेरिका, यूरोप, एशिया, मध्य पूर्व, अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया सहित वैश्विक स्तर पर एंटरप्राइज सॉफ्टवेयर डेटा और उपभोक्ता इंटरनेट व्यवसायों में 140 से अधिक निवेश किए हैं।

इनसाइट और डेवलपमेंट फाइनेंस कॉरपोरेशन में अपने काम के अलावा पारेख काउंसिल ऑन फॉरेन रिलेशंस, कार्नेगी एंडोमेंट फॉर इंटरनेशनल पीस, एनवाईयू लैंगोन, टिश न्यूयॉर्क एमएस रिसर्च सेंटर और इकोनॉमिक क्लब ऑफ न्यूयॉर्क के बोर्ड सदस्य के रूप में कार्य करते हैं। वह पहले ओवरसीज प्राइवेट इन्वेस्टमेंट कॉरपोरेशन के बोर्ड, यूएस एक्सपोर्ट-इम्पोर्ट बैंक के सलाहकार बोर्ड और संघीय संचार आयोग की तकनीकी सलाहकार परिषद में काम कर चुके हैं।

2021 में पारेख को रॉबर्ट एफ कैनेडी रिपल ऑफ होप अवार्ड मिला। वह एस्पेन इंस्टीट्यूट के हेनरी क्राउन फेलो भी हैं। इनसाइट में शामिल होने से पहले पारेख न्यूयॉर्क स्थित मर्चेंट बैंकिंग फर्म बेरेन्सन मिनेला एंड कंपनी में प्रिंसिपल थे, जहां उन्होंने एम एंड ए कमेटी में काम किया था। उन्होंने एमएंडए और अन्य निवेश गतिविधियों पर ब्लैकस्टोन के लिए भी काम किया। पारेख ने पेंसिल्वेनिया विश्वविद्यालय के व्हार्टन स्कूल से अर्थशास्त्र में बी.एस. किया है।

वर्ग पहेली 6397

बायें से दायें:-

१. विदूषक, हँसी-मजाक करने वाला परिहास प्रिय (उर्दू)
३. तिरस्कृत, बेइज्जत
५. मुग्ध करने वाला
६. जलयानों के रुकने-ठहरने की जगह
७. जिसे वरदान प्राप्त हो
९. पात्रता, काबिलियत
१०. दूसरे के अधीन, परतंत्र
१२. बहुत अधिक
१३. विशेष बौद्धिक शक्ति, चमक
१४. पूंजी, व्यापार आदि में लगाया गया धन
१६. अंगूठी, कंकण, दो-दो पंक्तियों की सैनिक स्थिति, घेरा
१८. बधिर, जिसके कानों में सुनाई न दे
२०. जलपान
२१. नाश करने वाला
२३. रूढ़िवादी (उर्दू)

ऊपर से नीचे:-

१. कलाई
२. सावधान, सचेत
३. बेचैनी
४. बेजान
५. मोह का बंधन
८. सूर्यपुत्र
१०. प्रारंभ, शुरुआत
११. बखान
१२. कमी, न होने का भाव
१३. बहाव
१४. मूल्य निर्धारण
१५. साधुवाद, कृतज्ञता प्रकाश, वाहवाही
१७. तीव्र लालसा
१८. श्रेष्ठ, उत्तम
१९. असुर, दैत्य
२२. काटा-छांटा या बदला गया, निरस्त, बेकार, निकम्मा (उर्दू)

वर्ग पहेली-6396

१ च	टु	२ ला	ल	३ स	■	४ व	क्ष	५ स्थ	ल
र्म	■	भ	■	६ म	वे	शी	■	गि	■
७ का	रिं	दा	■	झ	■	८ क	ल्प	त	९ रू
र	■	य	■	१० दा	य	र	■	■	प
■	११ मि	क	१२ सा	र	■	■	१३ ब	ढ़ि	या
■	लिं	■	खि	■	१४ वि	द्रो	ह	■	पै
१५ ब	द	१६ हा	ल	■	वा	■	१७ स	१८ ह	सा
र	■	स्य	■	१९ वा	ह	२० क	■	ल	■
२१ सा	रं	गी	■	सू	■	२२ जा	य	फ	२३ ल
त	■	२४ त	त्य	र	ता	■	■	■	ज

युसूफ कुरैशी, मो. 8109948408

आयोजन | देश में बजटीय संकट के कारण नहीं होंगे शामिल

जर्मनी के मंत्री सीओपी 28 में शामिल नहीं होंगे : रिपोर्ट

बर्लिन, (एजेंसियां)। जर्मनी के अर्थव्यवस्था मंत्री रॉबर्ट हैबेक देश में बजटीय संकट के कारण चांसलर ओलाफ स्कोल्ज के अनुरोध पर दुबई में संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (सीओपी28) में शामिल नहीं होंगे। यह जानकारी स्पूतनिक ने जर्मन अखबार बिल्ड के हवाले से सोमवार को दी।

रिपोर्ट के अनुसार, श्री स्कोल्ज ने रविवार को अनुरोध किया था कि 2024 के लिए मसौदा बजट पर बातचीत जारी रखने की आवश्यकता है, जो वर्तमान बजटीय संकट के कारण ज्यादा जटिल हो गया है। जर्मनी के संवैधानिक न्यायालय ने इस माह की शुरुआत में फैसला सुनाया था कि सोशल डेमोक्रेट्स, ग्रीन्स और फ्री डेमोक्रेट्स - जिन्हें ट्रैफिक लाइट गठबंधन के रूप में जाना जाता है - द्वारा अप्रयुक्त ऋणों को जलवायु निधि में स्थानांतरित करने का कदम ऋण ब्रेक नियम का उल्लंघन करेगा, जो नए सरकारी उधार पर संवैधानिक सीमा के अंतर्गत है। परिणामस्वरुप, 2024 के लिए सरकार की खर्च योजना से 60 अरब यूरो (65 अरब डॉलर) खर्च हो गया। पिछले सप्ताह, जर्मन वित्त मंत्रालय ने कहा था कि सरकार ने खर्च योजना से 60 अरब यूरो की कटौती करने के अदालत के फैसले के कारण देश में हुए बजटीय संकट से लड़ने के लिए 2023 के अनुपूरक बजट को मंजूरी दी। जर्मनी के जलवायु परिवर्तन कोष में हाइड्रोजन और अर्धचालक प्रौद्योगिकियों के विकास, ऊर्जा संरक्षण के लिए इमारतों के इन्सुलेशन और उद्योग के डीकार्बोनाइजेशन के लिए 211 अरब यूरो निर्धारित किए गए थे। बर्लिन ने उस फंड से 58 अरब यूरो खर्च करने की योजना तैयार की थी, साथ ही फाइबर ऑप्टिक लाइनें बिछाने और रेलवे और सड़क अवसंरचना को अपग्रेड करने पर देश के बजट का 54 अरब यूरो खर्च किया।

शी चिनफिंग के विशेष दूत ने शिखर सम्मेलन में भाग लिया

बीजिंग। चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के विशेष दूत, उप प्रधानमंत्री तिंग श्येश्यांग ने 2 दिसंबर को दुबई में आयोजित जी77 और चीन जलवायु परिवर्तन शिखर सम्मेलन में भाग लिया और भाषण दिया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि चीन दुनिया में सबसे बड़ा विकासशील देश होने के नाते हमेशा व्यापक विकासशील देशों के साथ खड़ा रहता है। चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने कहा कि जी77 और चीन विकासशील देशों के लिए सहयोग का महत्वपूर्ण मंच है। हाल के वर्षों में चीन ने सक्रियता और स्थिरता से चरम कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन और कार्बन तटस्थता के प्रयास तेज किए हैं। अपने अंतर्राष्ट्रीय कर्तव्य निभाने के साथ चीन अन्य विकासशील देशों को जलवायु परिवर्तन के मुकाबले में सहायता भी देता है।

खेल जगत

न्यूजीलैंड की तैयारी पर भरोसा है : सोढ़ी

मीरपुर। न्यूजीलैंड के लेग स्पिनर ईश सोढ़ी को उम्मीद है कि उनकी टीम बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में अपनी लय हासिल कर लेगी। सिलहट में दोनों पक्षों के बीच पहले मुकाबले में बांग्लादेश ने बेहतरीन फॉर्म दिखाया और 150 रनों के अंतर से जीत हासिल की। पहली पारी में मामूली बढ़त लेने के बाद, न्यूजीलैंड टाइगर्स की बराबरी नहीं कर सका और उसे हार का सामना करना पड़ा। हालांकि, कीवी स्पिनर सोढ़ी मीरपुर में दूसरे और अंतिम टेस्ट से पहले अपनी टीम की संभावनाओं को लेकर आशावादी हैं। आईसीसी की रिपोर्ट के अनुसार, उनका मानना है कि टीम इस हार से जल्दी उबरने में सफल रहेगी। सोढ़ी ने कहा, पिछले एक दशक में इस टीम को बड़ी सफलता इस तरह की चीजों को जल्दी से हासिल करने में मिली है। चाहे यह सफलता हो या हार। सिलहट में उस पहले मैच में हार से बाहर आना स्पष्ट रूप से कठिन है, लेकिन मुझे लगता है कि जैसे-जैसे टेस्ट आगे बढ़ा हमें थोड़ी और लय मिली।

अरिजित हुंदल की हैट्रिक से भारत का द. कोरिया पर 4-2 से जीत से आगाज

■ सत्येन्द्र पाल सिंह

■ जीत के बावजूद भारत को आगे के मुकाबलों में गलतियों से बचना होगा

नई दिल्ली। अनुभवी स्ट्राइकर -ड्रैग फ्लिकर अरिजित सिंह हुंदल के साथी स्ट्राइकर कप्तान उत्तम सिंह और बॉबी सिंह धामी के डी के बढिया पासों पर शानदार हैट्रिक तथा अमनदीप के एक गोल की बदौलत भारत ने दक्षिण कोरिया को मंगलवार को क्वालालंपुर के बुकित जलील स्टेडियम में 13 वें एफआईएच जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप में पूल सी के मैच में 4-2 से हरा अपना अभियान शुरू किया। भारत को तीसरे क्वॉर्टर के अंतिम आखिरी तीन मिनट में अपने कप्तान उत्तम सिंह के हरा कार्ड लेकर दो मिनट और अगले ही मिनट रोहित के पीला कार्ड लेकर पांच मिनट के लिए मैदान से बाहर होने जैसी गलतियों से बचना होगा। दक्षिण कोरिया को मैच में छह पेनल्टी कॉर्नर मिले और उसमें इस पर उसकी ओर से दो पर लिम दोहयुन और मिंकवॉन किम ने एक-एक गोल किया। दक्षिण कोरिया ने अंतिम दो क्वार्टर मे दबाव बना कर जिस तरह दो गोल उतारे वह जीत के बावजूद भारत के लिए आने वाले मैच से पहले आंखें खोलने वाला है।

मैन ऑफ द मैच इस टूर्नामेंट मे शिरकत कर छह फुट दो इंच लंबे स्ट्राइकर भारत के अरिजीत सिंह हुंदल ने कहा, % हम अब स्पेन के खिलाफ अगले मैच मे दक्षिण कोरिया के खिलाफ पहले मैच की कुछ गलतियों से सबक लेकर बेहतर खेल दिखाने से उतरेंगे। हमने दक्षिण कोरिया के खिलाफ मैच में बढिया आगाज किया लेकिन कुछ गलतियां भी की इससे हमें आगे बचना होगा क्योंकि जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप जैसे बड़े मंच पर इस तरह की गलतियां गवारा नहीं कर सकते। हम किसी भी मैच को हल्के में नहीं ले सकते हैं।

कप्तान उत्तम सिंह की अगुआई में अरिजित सिंह हुंदल, बाबी सिंह धामी, सुखविंदर सिंह, राजिंदर सिंह जैसे स्ट्राइकरों से सज्जित भारतीय अग्रिम पंक्ति ने आक्रामक मिडफील्डर विष्णुकांत सिंह से मिले पास पर बराबर दक्षिण कोरिया के गोल पर दबाव बनाए रखा। अमनदीप ने भारत को 11 वें मिनट में पहला पेनल्टी कॉर्नर दिलाया। इस पेनल्टी कॉर्नर पर अमनदीप के फ्लिक को दक्षिण कोरिया के गोलरक्षक सिंह युन किम ने अपने बाएं गोता लगा रोका लेकिन लौटती गेंद को कप्तान उत्तम सिंह ने डी में संभाला और साथी स्ट्राइकर अरिजीत हुंदल की ओर सरकाया और उन्होंने तेजी से गेंद को फ्लिक कर गोल में डाल कर भारत का खाता खोला। उत्तम सिंह के दूसरे क्वार्टर के पहले ही मिनट में बाएं से जोरदार हमले पर गेंद को दाएं बॉबी सिंह धामी ने संभाला और उनसे मिली गेंद को अरिजीत सिंह हुंदल ने तेजी से फ्लिक कर गोल में डाल कर भारत की बढ़त 2-0 कर दी। अमनदीप ने दूसरा क्वॉर्टर खत्म होने से कुछ ही सेकंड पहले राजिंदर सिंह से मिली गेंद पर तेज वाली लगाकर भारत को 3-0 से आगे कर दिया था। भारत ने शुरू के दो हाफ बाद 3-0 की बढ़त लेकर मैच पर अपनी मजबूत पकड़ बना ली।

दक्षिण कोरिया के ड्रैग फ्लिकर लिम दोहयुन ने तीसरे क्वार्टर के आठवें मिनट में मिले दूसरे पेनल्टी कॉर्नर पर गोल कर स्कोर 1-3 कर दिया। अरिजित हुंदल ने तीसरे क्वॉर्टर के खत्म होने से चार मिनट पहले रिबाउंड पर लौटती गेंद पर अपनी हैट्रिक पूरी कर भारत को फिर 4-1 से आगे कर दिया। इसके तुरंत बाद कप्तान उत्तम सिंह ने रफ टैकल पर हरा कार्ड दो मिनट के लिए और अगले ही मिनट रोहित ने बेवजह की रफ टैकल पर पीला कार्ड हासिल किया और तीसरा क्वार्टर खत्म होने से तीन मिनट पहले नौ खिलाड़ी रह गए। उत्तम तीसरा क्वॉर्टर खत्म होने से पहले मैदान पर लौट आए लेकिन दक्षिण कोरिया ने तीसरा खत्म होने से पहले मैच का अपना तीसरा पेनल्टी कार्नर हासिल किया इस पर भारत के गोलरक्षक मोहित ने लिम दोहयुन को पैड से रोका लेकिन लौटती गेंद को मिंकवॉन किम ने संभाल तेजी से फ्लिक कर गोल में डाल स्कोर 2-4 कर दिया। दक्षिण कोरिया ने इसके बाद सभी पेनल्टी कॉर्नर पर भारत के गोलरक्षक मोहित ने अच्छे बचाव कर उसे और गोल नहीं करने दिया।

मैक्सवेल की निगाहें चौंकाने वाली रेड-बॉल वापसी पर

दुबई। सीमित ओवरों के विशेषज्ञ ग्लेन मैक्सवेल ने टेस्ट क्रिकेट में वापसी की उम्मीद नहीं छोड़ी है और मौजूदा आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र के अंत में उपमहाद्वीप में एक विदेशी सीरीज पर नजर गड़ाए हुए हैं।

आईसीसी की रिपोर्ट के अनुसार, मैक्सवेल ने अपने देश के लिए केवल सात टेस्ट खेले हैं, जिनमें से प्रत्येक लाल गेंद की प्रतियोगिता ऑस्ट्रेलिया के बाहर हुई है और उनकी सबसे हालिया उपस्थिति छह साल से अधिक पहले हुई थी। उस समय मैक्सवेल ने ऑस्ट्रेलिया को 2021 में दुबई में अपने शुरुआती आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप खिताब का दावा करने में मदद करने में एक प्रमुख भूमिका निभाई और फिर भारत में ऑस्ट्रेलियाई टीम के हालिया सफल आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप अभियान के दौरान एक बार फिर अपनी भूमिका निभायी।

जबकि मैक्सवेल को पता है कि वह खेल के सीमित ओवरों के प्रारूप के लिए बेहतर अनुकूल हैं, 35 वर्षीय को अभी भी लगता है कि वह टेस्ट स्तर पर प्रभाव डाल सकते हैं और ऑस्ट्रेलिया की वर्तमान विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र की अंतिम श्रृंखला से पहले चयन के लिए अपना नाम आगे बढ़ाना जारी रखना चाहते हैं। ऑस्ट्रेलिया का 2025 की शुरुआत में वार्न-मुरलीधरन ट्रॉफी के लिए श्रीलंका की यात्रा करने का कार्यक्रम है, जो उस वर्ष के अंत में विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल से पहले एक महत्वपूर्ण श्रृंखला के रूप में सामने आती है और मैक्सवेल इसमें शामिल होने की आकांक्षा रखते हैं।

मैक्सवेल ने मंगलवार को ऑस्ट्रेलियाई रेडियो स्टेशन एसईएन पर कहा, मैं वर्तमान पक्ष की परिस्थितियों को भली-भांति समझ रहा हूं। वे वास्तव में अच्छा क्रिकेट खेल रहे हैं, वे विश्व टेस्ट चैंपियन हैं। जहां तक घरेलू मैदान पर टेस्ट मैचों की बात है तो ज्यादा जगहें नहीं बची हैं, लेकिन मुझे पता है कि जब उपमहाद्वीप दौरे की बात आती है तो मैं उस टीम में भूमिका निभाने के लिए एक वास्तविक व्यवहार्य विकल्प हो सकता हूं। मुझे नहीं लगता कि 2025 की शुरुआत तक कोई और उपमहाद्वीप दौरा होगा। इसलिए, मैं इसके लिए कड़ी मेहनत करता रहूंगा और उम्मीद है कि उस स्तर पर एक मौका मिलेगा।

मैक्सवेल वर्तमान में ऑस्ट्रेलिया में अपने घर वापस आ गए हैं और खुद को एक और घरेलू बिग बैश लीग अभियान के लिए तैयार कर रहे हैं, जबकि उनके कई विश्व कप विजेता टीम के साथी एक व्यस्त टेस्ट समर की शुरुआत के लिए तैयारी कर रहे हैं जिसमें विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में पाकिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की श्रृंखला और वेस्ट इंडीज के खिलाफ दो मुकाबले शामिल हैं। गर्मियों में होने वाली अधिकांश चर्चा इस बात को लेकर है कि क्या अनुभवी सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर सिडनी में पाकिस्तान के खिलाफ घरेलू टेस्ट के बाद टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लेंगे, जैसा कि उन्होंने इस साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया के सफल विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल अभियान से पहले सुझाव दिया था। टीम के पूर्व साथी मिशेल जॉनसन ने हाल ही में वार्नर को लेकर कुछ शिकायतें व्यक्त करते हुए संकेत दिया था कि अनुभवी सलामी बल्लेबाज को अपनी सेवानिवृत्ति की तारीख का चयन करने में सक्षम नहीं होना चाहिए। लेकिन मैक्सवेल ने इस चर्चा में शामिल होने से इनकार कर दिया और इसके बजाय अपने साथी विश्व कप विजेता के लिए एक शानदार समर्थन प्रदान करने का विकल्प चुना। मैक्सवेल ने कहा, मैं इस बारे में कुछ सुर्खियों में अपना नाम नहीं उछालूंगा। लेकिन डेवी लंबे समय तक ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के पूर्ण चैंपियन रहे हैं और चयनकर्ता इस बारे में बहुत स्पष्ट थे कि वे इसके बारे में क्या सोचते हैं (उनके चयन के बारे में)। मैं डेवी को उस पहले टेस्ट में और उसे इस गर्मी में बहुत सारे रन बनाते हुए देखने के लिए उत्सुक हूं।

बड़े रिकॉर्ड तोड़ना मायने रखता है : गिल

नई दिल्ली। भारत के युवा सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल ने कहा कि वह स्थायी सफलता के क्षितिज पर अपनी नजरें गड़ाए हुए हैं और बिना किसी विशिष्ट व्यक्तिगत उपलब्धि को ध्यान में रखे लगातार प्रमुख रिकॉर्डों को पार करने का लक्ष्य बना रहे हैं। क्रिकेट के प्रतिभाशाली खिलाड़ी गिल इस साल की शुरुआत में हैदराबाद में न्यूजीलैंड के खिलाफ 149 गेंदों में 208 रन बनाकर वनडे दोहरा शतक बनाने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए थे । साथ ही वो सबसे तेज़ 1000 वनडे रन बनाने वाले भारतीय भी बन गए। एक पुरस्कार समारोह में बोलते हुए 24 वर्षीय सलामी बल्लेबाज ने कहा कि सबसे कम उम्र में 200 का स्कोर बनाना एक बड़ी उपलब्धि है लेकिन वह दीर्घकालिक सफलता पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

गिल ने कहा, 200 का स्कोर हासिल करने वाले सबसे कम उम्र के होने का गौरव प्राप्त करना वास्तव में एक उपलब्धि है। लेकिन, मेरा प्राथमिक ध्यान दीर्घकालिक सफलता पर है। लगातार महत्वपूर्ण रिकॉर्ड को पार करना मेरे लिए मायने रखता है। फिलहाल कोई व्यक्तिगत रिकॉर्ड मेरे दिमाग में नहीं है। गिल ने अपने प्रेरणास्रोत सचिन तेंदुलकर की प्रशंसा करते हुए कहा, सचिन तेंदुलकर सर्वकालिक महान हैं और मैंने उनकी वजह से क्रिकेट खेलना शुरू किया। शीर्ष क्रम के बल्लेबाज ने भारत के विश्व कप 2023 अभियान पर भी विचार किया और कहा, यह हम सभी के लिए दिल तोड़ने वाला था। हालांकि, खिलाड़ी के रूप में भविष्य की चुनौतियों के लिए तत्पर रहना हमें आगे बढ़ाता है। इसलिए आगे बढ़ना हमारी यात्रा का एक अनिवार्य पहलू है। गिल, जिन्हें आखिरी बार अहमदाबाद में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच वनडे विश्व कप 2023 के फाइनल के दौरान एक्शन में देखा गया था। दक्षिण अफ्रीका में

बल्लेबाज रोहित शर्मा से ज्यादा कप्तान रोहित की जरूरत है : मोहम्मद कैफ

विशाखापत्तनम। आईसीसी एकदिवसीय विश्व कप 2023 के कड़े मुकाबले के बाद, जहां एक रोमांचक फाइनल में ऑस्ट्रेलिया ने भारत के सपनों को चकनाचूर कर दिया, अब क्रिकेट जगत का ध्यान टी20 विश्व कप 2024 पर केंद्रित हो गया है।

पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ का मानना है कि हार के मलबे के बीच, रोहित शर्मा का नेतृत्व पहले से कहीं अधिक चमक रहा है। उन्होंने कहा, टी20 विश्व कप 2024 में टीम का नेतृत्व करने के लिए आपको बल्लेबाज रोहित शर्मा से ज्यादा कप्तान रोहित की जरूरत है। एकदिवसीय विश्व कप फाइनल तक भारतीय टीम की यात्रा लगातार दस जीतों से चिह्नित थी, जिसका समापन अहमदाबाद में आस्ट्रेलियाई टीम के साथ हुआ। हालाँकि, 240 के निम्न-बराबर स्कोर और लगातार ऑस्ट्रेलियाई पीछा करने से उन्हें टूर्नामेंट में पहली हार का सामना करना पड़ा, जिससे उन्हें 50 ओवर का विश्व खिताब जीतने का सपना टूट गया। अब, जैसे कि टी20 विश्व कप नजदीक है, सवाल उठता है- क्या रोहित शर्मा भारतीय टीम का नेतृत्व करना जारी रखेंगे, या कोई नया कप्तान पद

संभालेगा? कैफ, जो एक खिलाड़ी और एक नेता दोनों के रूप में रोहित की प्रतिभा को स्वीकार करते हैं, का तर्क है कि मुंबईकर की कप्तानी अपरिहार्य है, खासकर हार्दिक पांड्या की अनुपस्थिति में। कैफ ने कहा, रोहित शर्मा को वहां रहना होगा क्योंकि उनमें नेतृत्व की गुणवत्ता है। उन्होंने वनडे विश्व कप के दौरान लचीलापन और कौशल का प्रदर्शन करने वाली टीम का मार्गदर्शन करने में रोहित की भूमिका के महत्व पर जोर दिया। जिस तरह से उन्होंने 50 साल के विश्व कप में नेतृत्व किया, उन्होंने एक नेता के रूप में शानदार काम किया है। आपके प्रमुख ऑलराउंडर (हार्दिक पांड्या) के बिना टीम को फाइनल में पहुंचाया है, आप इस बात की सराहना करेंगे। भारत को टी20 में भी उनके अनुभव की जरूरत होगी, रोहित ने कप्तान और बल्लेबाज के तौर पर शानदार काम किया जिसकी भारत को टी20 में भी जरूरत होगी। जैसे-जैसे टी20 विश्व कप नजदीक आ रहा है, रोहित शर्मा के नेतृत्व गुणों को भारत की सफलता के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। विराट कोहली और रोहित के सफेद गेंद वाले क्रिकेट से ब्रेक लेने के साथ, दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए टेस्ट टीम में चेतेश्वर पुजारा और अजिंक्य रहाणे की अनुपस्थिति पर सवाल उठ रहे हैं। कैफ ने विशेष रूप से पुजारा की चूक के बारे में भी चिंता व्यक्त की, उन्होंने कहा, श्रेयस अय्यर आपके लिए पुजारा की जगह भरना कठिन होगा। कैफ ने कहा, मुझे नहीं पता कि पुजारा को क्यों नहीं चुना गया है। आप अपने प्रमुख बल्लेबाज के बिना अफ्रीकी दौरे पर नहीं जा सकते, आप मौजूदा या पिछले फॉर्म पर भरोसा नहीं कर सकते, जिस चीज की आपको सबसे ज्यादा जरूरत है उसे अनुभव कहा जाता है और भारत को इसकी कमी खलेगी।

पीसीबी का ऑस्ट्रेलिया टेस्ट सीरीज से अपना नाम वापस लेने पर रऊफ को नोटिस

■ पीसीबी की मंजूरी मिलने के बाद तीनों खिलाड़ी 28 दिसंबर तक बीबीएल में खेल सकेंगे

■ मेलबर्न स्टार्स की टीम अभी से ही रऊफ के स्थान पर खिलाड़ी ढूंढने कर दिया है

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने हारिस रऊफ, उसामा मीर और जमान खान को बीबीएल में खेलने के लिए अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) देते ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज से नाम वापस लेने वाले रउफ को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। पीसीबी की मंजूरी मिलने के बाद तीनों खिलाड़ी 28 दिसंबर तक बीबीएल में खेल सकेंगे। बोर्ड ने कहा है कि 'खिलाड़ियों के कार्यभार और राष्ट्रीय पुरुष टीम के भविष्य के दौरे के कार्यक्रम' को ध्यान में रखते हुए यह मंजूरी दी गई है। ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद पाकिस्तान की टीम को न्यूजीलैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज खेलनी है।

उल्लेखनीय है कि सात दिसंबर को (बिग बैश लीग) बीबीएल 2023-24 का पहला मैच खेला जाएगा। इन खिलाड़ियों के पास सिर्फ 28 दिसंबर तक बीबीएल में खेलने की अनुमति है। ऐसे में उसामा और रऊप मेलबर्न स्टार्स के लिए केवल पांच ही मैच खेल पाएंगे। वहीं जमान भी सिडनी थंडर्स के लिए इतने ही मैच खेल सकेंगे।

बोर्ड ने कहा, पीसीबी समझता है कि कार्यभार प्रबंधन के साथ-साथ इस मसले से जुड़े हुए सभी पक्षों के लिए यह एक संतुलित निर्णय है। इसमें सभी हितधारकों का ध्यान रखा गया है।

वहीं मेलबर्न स्टार्स की टीम अभी से ही रऊफ के स्थान पर खिलाड़ी ढूंढने कर दिया है। उन्होंने ऑली स्टोन को अभ्यास सत्र के लिए बुलाया था। स्टोन को उनकी टीम में शामिल किया जा सकता है। रऊफ के हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज नहीं खेलने के फैसले से नाराज पीसीबी के कई सदस्यों उनकी आलोचना भी की है। इसी संदर्भ में उन्होंने रऊफ को कारण बताओ नोटिस भी जारी किया है।

मुख्य कोच मुजुमदार फिटनेस, फील्डिंग पर ध्यान देंगे, विश्व कप में गौरव का लक्ष्य

मुंबई। भारतीय महिला क्रिकेट टीम इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लगातार दो सीरीज और दो विश्व कप - बांग्लादेश में टी20 विश्व कप और 2025 में घरेलू मैदान पर वनडे विश्व कप के साथ 18 से 20 महीने की व्यस्तताओं के लिए तैयार हो रही है जिसके लिए नवनियुक्त मुख्य कोच अमोल मुजुमदार ने खिलाड़ियों की फिटनेस और फील्डिंग पर ध्यान देने के लिए दो पहलुओं को चुना है। मुजुमदार ने कहा कि उनके कार्यकाल के दौरान टीम का हर साल तीन फिटनेस टेस्ट होगा। खेल के ये दो पहलू टीम के लिए कमजोर साबित हुए हैं क्योंकि वे शीर्ष टीमों और आईसीसी टूर्नामेंटों में बार-बार पिछड़ रहे हैं। इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बहु-प्रारूप श्रृंखला के बाद महिला प्रीमियर लीग के दूसरे संस्करण में भाग लेने के लिए तैयार खिलाड़ियों के साथ, 2024 के मध्य में टी20 विश्व कप से पहले फिटनेस उनके लिए एक प्रमुख मुद्दा होगा। आगे इस तरह के चुनौतीपूर्ण मुकाबलों को देखते हुए, मुजुमदार ने ध्यान केंद्रित करने के लिए दो क्षेत्रों को चुना है क्योंकि टीम को दो पहलुओं में पिछड़ते हुए पाया गया है। मुजुमदार ने कहा कि उन्होंने खिलाड़ियों की फिटनेस और क्षेत्ररक्षण को खेल के दो पहलुओं के रूप में रेखांकित किया है और इसे सख्ती से और धार्मिक रूप से लागू करने की योजना बना रहे हैं। मुजुमदार ने बुधवार को वानखेड़े स्टेडियम में इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले पहले टी20 मैच की पूर्वसंध्या पर मुख्य कोच के रूप में अपनी पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, फील्डिंग और फिटनेस सर्वोच्च प्राथमिकता है, जिसका मैंने पहले ही उल्लेख किया है।

भारत या इंग्लैंड, तीन मैचों की टी20 सीरीज में कौन मारेगा बाजी?

मुंबई। जब भारतीय महिला टीम और इंग्लैंड महिला टीम के बीच टी20 अंतर्राष्ट्रीय मुकाबलों की बात आती है तो पसंदीदा की तलाश में मत रहिए। इंग्लैंड ने भारत के खिलाफ 27 मैचों में से केवल सात गंवाए हैं। इतना ही नहीं भारतीय सरजमीं पर भी उन्होंने अपना दबदबा कायम रखा है और अब तक खेले गए नौ टी20 मैचों में से सात में जीत हासिल की है।

आखिरी बार भारत ने महिला टी20 मैच में इंग्लैंड को 2018 में हराया था। इसलिए, बुधवार से वानखेड़े स्टेडियम में शुरू होने वाली तीन मैचों की श्रृंखला मेजबान टीम के लिए एक बड़ी चुनौती होगी। क्या हरमनप्रीत कौर की कप्तानी वाली भारतीय महिला टीम सीरीज में इंग्लैंड से बेहतर प्रदर्शन कर पाएगी? यह सवाल प्रशंसकों के मन में सबसे महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत की महिलाएं और इंग्लैंड की महिलाएं दोनों बुधवार को वानखेड़े स्टेडियम में खेले जाने वाले तीन मैचों की टी20 सीरीज के पहले मैच के लिए अपनी पूरी ताकत लगाने के लिए तैयार हैं।

दूसरा मैच 9 दिसंबर को उसी स्थान पर खेला जाएगा और उसके अगले दिन तीसरा और अंतिम टी20 मैच खेला जाएगा। दोनों टीमें 14 दिसंबर से नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में एकमात्र टेस्ट में भिड़ेंगी। उनके खिलाफ इंग्लैंड के शानदार रिकॉर्ड के अलावा, भारतीय महिलाओं को इस श्रृंखला में कुछ अन्य चुनौतियों से भी पार पाना होगा। वे सितंबर 2023 में श्रीलंका के खिलाफ एशियाई खेलों के फाइनल के बाद अपना पहला अंतर्राष्ट्रीय मैच खेलेंगे और 18 फरवरी, 2023 के बाद पहली

बार इंग्लैंड से भिड़ेंगे, जब वे आईसीसी महिला टी20 विश्व कप में प्रारंभिक ग्रुप मुकाबले में हार गए थे।

संयोग से इंग्लैंड की महिलाओं ने भी अपना आखिरी अंतर्राष्ट्रीय मैच श्रीलंका के खिलाफ नॉर्थम्प्टन में एकदिवसीय श्रृंखला का तीसरा मैच खेला, जिसका कोई नतीजा नहीं निकला।

भारतीय घरेलू परिस्थितियों पर भरोसा करने की उम्मीद कर रहे होंगे। जो कप्तान हीथर नाइट, नैट साइवर-ब्रंट, सोफी एक्लेस्टोन, सोफिया डंकले और एलिस कैप्सी जैसे इंग्लैंड के खिलाड़ियों के लिए उतनी अलग नहीं होगी, क्योंकि यह सभी खिलाड़ी महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) का हिस्सा थीं। वो भारतीय खिलाड़ियों को अच्छी तरह से समझते हैं। साथ ही उनमें से कुछ के साथ ड्रेसिंग रूम साझा किया है और दूसरों को करीब से देखा है।

लेकिन इंग्लैंड की महिला कप्तान हीथर नाइट ने कहा कि यह दोनों तरीकों से काम करता है क्योंकि भारतीय खिलाड़ियों ने भी डब्ल्यूपीएल के दौरान उनके खिलाड़ियों की ताकत और कमजोरियों को देखा होगा।

हीदर नाइट ने कहा, मुझे लगता है कि यह दोनों तरीकों से काम करता है। जाहिर है, मैं उन खिलाड़ियों को बेहतर जानती हूं जो टीम में आ रहे हैं लेकिन वे मेरे खेल और इस तरह की चीजों को भी बेहतर जानते हैं। लेकिन हां, मुझे लगता है कि यह काफी रोमांचक गतिशीलता पैदा करता है। डब्लूपीएल में आपके साथियों के खिलाफ अलग-अलग तरह की कहानियां चल रही हैं। कुछ अन्य टीमों में भी ऐसा ही है। तो हां, मुझे लगता है कि यह एक शानदार श्रृंखला होने जा रही है।

भारतीय टीम इस श्रृंखला में अपने मजबूत शीर्ष क्रम की बल्लेबाजी और स्पिन गेंदबाजी पर भरोसा करेगी। जिसे शैफाली वर्मा, स्मृति मंधाना, जेमिमा रोड्रिग्स और कप्तान हरमनप्रीत कौर से सबसे अधिक फायदा मिलने की उम्मीद है। गेंदबाजी विभाग में सभी की निगाहें स्पिनर श्रेयंका पाटिल और सायका इशाक पर होंगी, जो डब्ल्यूपीएल की दो खोज हैं जो अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण की उम्मीद कर रही होंगी।

सार संक्षेप

जिम्बाब्वे ने आयरलैंड टी-20 श्रृंखला के लिए टीम में किया नये चेहरों को शामिल

हरारे। टी-20 विश्वकप के लिए क्वालीफाइ करने में विफल रही जिम्बाब्वे ने आयरलैंड के खिलाफ आगामी टी-20 सीरीज के लिए टीम में नये चेहरों को जगह दी है। जिम्बाब्वे ने आयरलैंड के खिलाफ टी-20 के लिए टीम में कई बदलाव किए गए हैं। मध्यक्रम के बल्लेबाज ब्रायन बेनेट और तेज गेंदबाज ट्रेवर ग्वांडू को टीम में शामिल किया है। लेग स्पिनर ब्रेंडन मावुता और बल्लेबाज टोनी मुनयोंगा को भी टीम वापस बुला लिया गया है तथा अफ्रीका क्वालीफायर के पहले मुकाबले में कमर में चोट के कारण बाहर हुए क्रेग एर्विन की भी 15 सदस्यीय टीम में वापसी हुई है। तेज गेंदबाज तेंडाई चटारा, बाएं हाथ के स्पिनर वेलिंगटन मसाकाद्जा, सलामी बल्लेबाज इनोसेंट कैया और निक वेल्च को टीम से बाहर किया है। तीन मैचों की टी-20 सीरीज सात दिसंबर को हरारे स्पोर्ट्स क्लब में शुरू होगी।

आईएसएल में ईस्ट बंगाल एफसी ने एनई यूनाइटेड एफसी को 5-0 से हराया

कोलकाता। ईस्ट बंगाल एफसी ने इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) में नॉर्थईस्ट युनाइटेड एफसी को 5-0 से हराकर अपनी सबसे बड़ी जीत दर्ज की। सोमवार की रात यहां विवेकानन्द युवा भारती क्रीड़ांगन (साल्ट लेक स्टेडियम) में खेले गये इस मुकाबले में क्लिटन सिल्वा ने 24वे मिनट, 66वे मिनट में और नंदकुमार सेकर ने 62वे मिनट, 81वे मिनट में ने दो-दो गोल किए। जिसकी बदौलत ईस्ट बंगाल एफसी ने नॉर्थईस्ट युनाइटेड एफसी 5-0 से हरा दिया। ससे पहले, उन्होंने 24वें मिनट में मंदार राव देसाई के क्रॉस पर सिर हिलाया था और रात के लिए अपना खाता खोला था।

राजेश्वरी, विवान ने सीज़न का पहला ट्रैप शूटिंग राष्ट्रीय ट्रायल जीता

नई दिल्ली। पेरिस 2024 ओलंपिक कोटा विजेता राजेश्वरी कुमारी ने मंगलवार को यहां शहर के कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में महिलाओं के ट्रैप राष्ट्रीय चयन ट्रायल 1 में जीत हासिल की जबकि, विवान कपूर ने पुरुषों के ट्रैप में जीत हासिल की। महिलाओं के ट्रैप में भारत की नंबर एक महिला ट्रैप निशानेबाज राजेश्वरी ने तीन दिनों तक चले क्वालिफिकेशन राउंड में 118 के स्कोर के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। रजत पदक जीतने वाली दिल्ली की किशोरी भाव्या त्रिपाठी ने 114 का स्कोर बनाकर छह क्वालीफाइंग स्थानों में से एक पर कब्जा कर लिया।

सुडोकू 6397 का हल

1	4	3	5	2	7	8	9	6
2	9	6	4	3	8	5	7	1
5	8	7	1	9	6	4	3	2
9	7	2	3	5	1	6	4	8
4	3	8	7	6	2	9	1	5
6	1	5	8	4	9	7	2	3
8	6	1	9	7	3	2	5	4
3	5	9	2	8	4	1	6	7
7	2	4	6	1	5	3	8	9

पर

SENSEX BSE 69296.14 ▲ 431.02 20855. 10 ▲ 168.30 MCX Gold 62378 ▲ 09 silver 75700 ▼ 468 देशबन्धु

अर्थ जगत

रुपया तीन पैसे की गिरावट के साथ 83.41 प्रति डॉलर पर बंद

मुंबई। रुपया मंगलवार को शुरुआती कारोबार में तीन पैसे की गिरावट के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.41 के सर्वकालिक निचले स्तर पर। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि निवेशक भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति के नतीजों का इंतजार कर रहे हैं। केंद्रीय बैंक की मौद्रिक नीति समिति बुधवार को अपनी द्विमासिक समीक्षा बैठक शुरू करेगी। शुक्रवार को निर्णय की घोषणा की जाएगी। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 83.41 पर खुला, जो पिछले बंद भाव से तीन पैसे की गिरावट है।

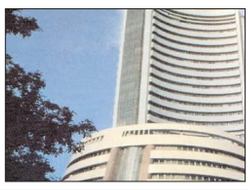

भारत में जनवरी-सितंबर के दौरान चाय निर्यात 4.93 प्रशित घटा

कोलकाता। भारत से चाय का निर्यात जनवरी से सितंबर के दौरान 4.93 प्रतिशत घटकर 15.792 करोड़ किलोग्राम रह गया। चाय बोर्ड के नवीनतम आंकड़ों में यह बात सामने आई। वर्ष 2022 के पहले नौ महीनों में निर्यात 16.611 करोड़ किलोग्राम रहा था। आंकड़ों के अनुसार, उत्तर भारत में मुख्य तौर पर असम और पश्चिम बंगाल राज्यों में समीक्षाधीन अवधि में चाय का निर्यात 6.61 प्रतिशत गिरकर 9.628 करोड़ किलोग्राम रह गया, जबकि एक साल पहले इसी नौ महीने में यह 10.309 करोड़ किलोग्राम था। दक्षिणी क्षेत्र में जनवरी से सितंबर के बीच निर्यात 2.19 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 6.164 करोड़ किलोग्राम रह गया। वर्ष 2022 में भारत से चाय का निर्यात 23.1 करोड़ किलोग्राम था। बागान मालिकों की शीर्ष संस्था इंडियन टी एसोसिएशन (आईटीए) के सूत्रों ने बताया कि निर्यात परिदृश्य गंभीर बना हुआ है क्योंकि भुगतान संबंधी मुद्दों के कारण ईरान से निर्यात अनिश्चित है।

उन्होंने कहा कि भारत के कुल चाय निर्यात में ईरान बाजार का योगदान करीब 20 प्रतिशत है। इसके बाद दूसरे नंबर पर सीआईएस (कॉमनवेल्थ ऑफ इंडिपेंडेंट स्टेट्स) समूह का सबसे अधिक योगदान है।

शेयर बाजार नई रिकॉर्ड ऊंचाई पर, सेंसेक्स 70 हजार की ओर

निफ्टी पहली बार 20,855 के पार

मुंबई। घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को लगातार छठे दिन जोश में रहा। बाजार आज फिर नई ऊंचाई पर बंद हुआ। सेंसेक्स 431.02 अंक के उछाल के साथ 69,296.14 अंक के नए रिकॉर्ड लेवल पर बंद हुआ। निफ्टी भी 168.50 अंक चढ़कर 20,855.30 अंक के नए हाई लेवल पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निवेशकों ने 3 लाख करोड़ रुपये से भी ज्यादा की कमाई की।

सेंसेक्स ने 69381.31 के ऑल टाइम हाई को भी टच किया, हालांकि बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज के मिडकैप और स्मॉल कैप इंडेक्स मामूली तेजी के साथ बंद हुए। बैंकिंग और ऊर्जा शेयरों की अगुवाई में बढ़त के चलते मार्केट आज नई ऊंचाई पर चला गया। खबर के मुताबिक, अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 83.38 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर स्थिर बंद हुआ। निफ्टी 50 मंगलवार को सत्र के दौरान 20,864.05 के अपने नए रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया। 5 दिसंबर को लगातार छठा कारोबारी सत्र रहा जब दोनों सूचकांक बढ़त के साथ बंद हुए हैं। मिड और स्मॉल कैप ने 2023 में लार्जकैप से बेहतर प्रदर्शन किया है और कैलेंडर वर्ष 2023 में निफ्टी में 11 फीसदी की बढ़ोतरी के मुकाबले क्रमश: 36 फीसदी और 46 फीसदी वृद्धि दर्ज की है।

अडानी ग्रुप के शेयरों में जबरदस्त उछाल

अडानी ग्रुप के शेयरों में मंगलवार को जबरदस्त तेजी देखने को मिली। अडानी एंटरप्राइजेज का शेयर 17.03 फीसदी या 430.80 रुपये बढ़कर 2960.10 पर बंद हुआ। अडानी पोर्ट का शेयर 15.15 फीसदी या 133.10 रुपये बढ़कर 1011.85 रुपये पर बंद हुआ। अडानी पावर का शेयर 15.91 फीसदी या 73.90 रुपये बढ़कर 538.50 पर बंद हुआ।

बीएसई की सूचीबद्ध कंपनियों का मार्केट कैप 2.4 लाख करोड़ रुपये बढ़ा

बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण मंगलवार को सुबह के कारोबार में 2.4 लाख करोड़ रुपये बढ़कर 345.88 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया, यह सोमवार को 343.48 लाख करोड़ रुपये था। सेंसेक्स की कंपनियों में अदाणी एंटरप्राइजेज और अदाणी पोर्ट्स के शेयर क्रमश: 4.40 प्रतिशत और 4.37 प्रतिशत की बढ़त में रहे। बीपीसीएल, एक्सिस बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा और एसबीआई के शेयर भी लाभ में रहे। बंबई शेयर बाजार के 30 शेयरों में से 20 में तेजी रही। वहीं निफ्टी के 50 शेयरों में 37 शेयरों में तेजी दर्ज की गई। छह कारोबारी सत्रों में निवेशकों की संपत्ति में 17.16 लाख करोड़ रुपये का इजाफा हुआ है।

प्याज, टमाटर और दालों ने बिगाड़ा रसोई का बजट, बेमौसम बारिश बढ़ाएगी महंगाई

***नई दिल्ली।** बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि ने महाराष्ट्र के 22 जिलों में फसलों को नुकसान पहुंचाया है। इससे नुकसान का क्षेत्र तीन गुना बढ़ गया है और सब्जियों की कीमतें बढ़ गई हैं। अब बाजार में प्याज और सब्जियों की कमी होने की आशंका है। यानी आने वाले दिनों में इनके दाम और बढ़ सकते हैं।*

पिछले दिनों आई बारिश और ओलावृष्टि से विदर्भ के यवतमाल जिला सबसे अधिक प्रभावित है। बेमौसम बारिश के कारण 1,26,438 हेक्टेयर खेती को नुकसान पहुचा है। सब्जियों, अंगूर, प्याज, कपास, चना और तुअर की फसलों को सबसे अधिक नुकसान पहुंचा है। इसके अलावा कई जिलों में केले की खेती और धान, गेहूं और मिर्च की फसल को भी नुकसान हुआ है।

एक साल में प्याज और टमाटर का रेट लगभग दोगुना- अगर उपभोक्ता मंत्रालय के आंकड़ों की बात करें तो पिछले एक साल में प्याज और टमाटर का रेट लगभग दोगुना हो गया है। दिल्ली में एक साल पहले प्याज का औसत मूल्य 30 रुपये था, जो बढ़कर 60 रुपये प्रति किलो हो गया है। मुंबई में 31 से 56 पर पहुंच गया है, जबकि कोलकाता में 63 रुपये पर। टमाटर एक साल पहले दिल्ली में 30 रुपये था। अब 60 रुपये पर पहुंच गया है। कोलकाता में अब 60 रुपये है। मुंबई में यह 18 रुपये से बढ़कर 50 रुपये पर पहुंच गया है। आलू की बात करें तो दिल्ली में इस दौरान राहत मिली है। एक साल पहले 28 रुपये के मुकाबले यह 24 रुपये पर है। मुंबई में 33 की जगह 31 और कोलकाता में केवल 21 रुपये किलो है। **दालों ने किचन का बजट बिगाड़ा**- दिल्ली में एक साल पहले 72 रुपये प्रति किलो बिकने वाली चना दाल अब 88 रुपये के औसत भाव पर है। मुंबई में यह 89 से 123 रुपये पर पहुंच गई है। अरहर की दाल भी दिल्ली में 115 से 170 रुपये पर पहुंच गई है। मुंबई में 121 से 182 रुपये पर चहुंच चुकी है। उड़द दाल ने भी अपने तेवर दिखाते हुए दिल्ली में 117 से 143 रुपये और मुंबई में 130 से 171 रुपये प्रति किलो पर पहुंच गई है। मूंग दाल दिल्ली में पिठले एक साल में 15 रुपये किलो महंगी हुई है। वहीं मुंबई में यह 118 से 163 रुपये पर पहुंच चुकी है। मसूर दाल दिल्ली में जहां 92 रुपये से 90 पर आ गई है, वहीं मुंबई में 102 से 115 पर पहुंच गई है।

सोना 1050 रुपये सस्ता, चांदी 1700 रुपये लुढ़की

***नई दिल्ली।** वैश्विक बाजारों में कमजोरी के रुख के बीच दिल्ली सर्राफा बाजार में मंगलवार को सोना 1,050 रुपये टूटकर 63,250 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया। पिछले कारोबारी सत्र में सोना 64,300 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था।*

इस दौरान चांदी भी 1,700 रुपये टूटकर 78,500 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई। जानकारों ने कहा, विदेशी बाजारों में मंदी के रुख के बीच दिल्ली सर्राफा बाजार में मंगलवार को सोने की कीमत 1,050 रुपये की गिरावट के साथ 63,250 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गई।

वायदा कारोबार में एमसीएक्स पर सोने का फरवरी अनुबंध 46 रुपये चढ़कर 62,415 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। हालांकि, चांदी के मार्च अनुबंध की कीमत 389 रुपये की गिरावट के साथ 75,779 रुपये प्रति किलोग्राम रह गई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना और चांदी गिरावट के साथ क्रमश: 2,037 डॉलर प्रति औंस और 24.50 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार करते दिखे। गांधी के अनुसार फेडरल रिजर्व की ओर से ब्याज दरों में कटौती की आक्रामक मौद्रिक नीति के बहुत आगे तक जाने के संकेतों के बीच डॉलर और अमेरिकी ट्रेजरी प्रतिफल में तेजी देखी गई इससे सोना अपने रिकॉर्ड उच्च स्तर से पीछे हट गया

बजाज समूह का मार्केट कैप 10 लाख करोड़ के पार

नई दिल्ली। बजाज समूह ने बड़ी सफलता हासिल की है। समूह ने लंबी छलांग लगाते हुए खुद को 10 लाख करोड़ के मार्केट कैप वाली कंपनियों की लिस्ट में शामिल कर लिया है। इसके साथ ही बजाज समूह देश की पांचवी कंपनी बन गई है, जिसका मार्केट कैप 10 लाख करोड़ के मार्केट कैप को पार कर गया है। बजाज की एंट्री के साथ 10 लाख मार्केट कैप वाली कंपनियों में नया नाम जुड़ गया है। बजाज देश की पांचवीं कंपनी है , जो इस क्लब में शामिल हुई है। बजाज का मार्केट कैप 10 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है। इस क्लब में पहले से ही टाटा ग्रुप, रिलायंस, एचडीएफसी बैंक और अडावी समूह है।

भारत साल 2030 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है : एसएंडपी

***नई दिल्ली।** भारतीय अर्थव्यवस्था की तेज रफ्तार से रेटिंग एजेंसी एसएंडपी ग्लोबल का भी भरोसा मजबूत हुआ है। एजेंसी ने मंगलवार को कहा कि भारत साल 2030 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी इकोनॉमी बन सकता है।*

उसका यह भी अनुमान है कि वित्त वर्ष 2026-27 में देश की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि सात प्रतिशत तक पहुंचने का अनुमान है। भाषा की खबर के मुताबिक, एसएंडपी का मानना है कि भारत के लिए एक बड़ी परीक्षा विशाल अवसर का फायदा उठाकर खुद को अगला बड़ा इंटरनेशनल मैनुफैक्चरिंग हब बनाने की है। एसएंडपी की रिपोर्ट ग्लोबल क्रेडिट आउटलुक 2024 न्यू रिस्क, न्यू प्लेबुक में कहा गया है कि मार्च 2024 यानी चालू वित्त वर्ष में जीडीपी की वृद्धि दर 6.4 प्रतिशत रहने का अनुमान है। साल 2026 में इसके सात प्रतिशत पहुंचने की उम्मीद है। खबर के मुताबिक, वित्त वर्ष 2022-23 में भारतीय अर्थव्यवस्था 7.2 प्रतिशत की दर से बढ़ी थी। भारत की सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि जून और सितंबर तिमाही में क्रमश: 7.8 प्रतिशत और 7.6 प्रतिशत रही थी। एसएंडपी ग्लोबल के मुताबिक,भारत 2030 तक तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के लिए तैयार है और हमें उम्मीद है कि यह अगले तीन सालों में सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था होगा। सबसे बड़ी परीक्षा यह है कि क्या भारत अगला बड़ा वैश्विक विनिर्माण केंद्र (इंटरनेशनल मैनुफैक्चरिंग हब)बन सकता है, जो एक बहुत बड़ा अवसर है। एसएंडपी के मुताबिक, एक मजबूत

लॉजिस्टिक्स ढांचा विकसित करना भारत को सेवा-प्रधान अर्थव्यवस्था से विनिर्माण-प्रमुख अर्थव्यवस्था में बदलने में महत्वपूर्ण होगा। वित्त वर्ष 2022-23 के आखिर तक भारत के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 3,730 अरब अमेरिकी डॉलर रहा है। भारत वर्तमान में अमेरिका, चीन, जर्मनी और जापान के बाद दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है।

कच्चा तेल 80 डॉलर से नीचे, पेट्रोल-डीजल के दाम कम होने की उम्मीद

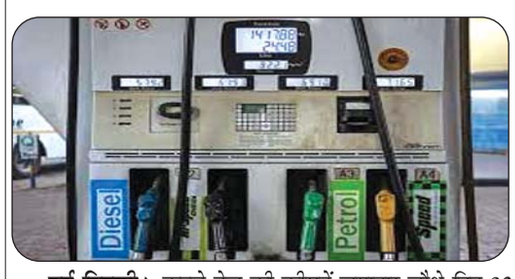

***नई दिल्ली।** कच्चे तेल की कीमतें लगातार चौथे दिन 80 डॉलर प्रति बैरल से नीचे गिर गईं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की गिरती कीमतों के कारण आने वाले महीनों में आम जनता के अच्छे दिन आने के संकेत मिल रहे हैं। अगर कुछ और हफ्तों तक कच्चे तेल की कीमतें 80 डॉलर से नीचे रहीं तो हमें पेट्रोल और डीजल की कीमतों में गिरावट देखने को मिल सकती है।*

खास बात यह है कि एक महीने में कच्चे तेल की कीमत में 8 फीसदी से ज्यादा की गिरावट आई है. उत्पादन में कटौती के बाद भी कीमतों में बढ़ोतरी वैसी नहीं दिख रही जैसी तेल उत्पादक देश चाहते थे. दरअसल, मांग में भारी गिरावट और तेल भंडार बढ़ने के कारण कच्चे तेल की कीमतें बिल्कुल भी नहीं बढ़ी हैं। वहीं, देश के चारों महानगरों में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है. मई 2022 के बाद से देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतें न तो बढ़ी हैं और न ही सस्ती हुई हैं। चार में से तीन महानगरों में पेट्रोल की कीमतें अभी भी 100 रुपये प्रति लीटर से ऊपर हैं. वहीं डीजल की कीमत 90 रुपये प्रति लीटर के पार पहुंच गई है. आइए आपको बताते हैं कि कच्चे तेल की मौजूदा कीमत क्या है और देश के प्रमुख शहरों और महानगरों में पेट्रोल और डीजल की कीमतें क्या हैं?

लगातार चौथे दिन कच्चा तेल 80 डॉलर के नीचे- अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें लगातार चौथे दिन 80 डॉलर प्रति बैरल से नीचे रहीं। खाड़ी देशों से कच्चा तेल 1.08 प्रतिशत गिरकर 78.03 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। पिछले एक महीने में ब्रेंट कच्चे तेल के दाम में 7 डॉलर प्रति बैरल यानी 8 फीसदी से ज्यादा की गिरावट देखी गई है. यूएस क्रूड यूएस वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट क्रूड 1.03 या 1.39 प्रतिशत गिरकर 73.04 पर आ गया। पिछले एक महीने में अमेरिकी तेल में करीब 10 फीसदी की गिरावट आई है. विशेषज्ञों के मुताबिक, आने वाले दिनों में कच्चे तेल की कीमतें 80 डॉलर प्रति बैरल से नीचे रह सकती हैं। भले ही उत्पादन में कटौती की जाए, लेकिन असर दिखाई नहीं देगा।

भारत में पेट्रोल और डीजल की कीमतें- वहीं, भारत में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। देश के प्रमुख शहरों में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में आखिरी बार बदलाव 21 मई को देखने को मिला था। फिर देश की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों पर टैक्स कम कर दिया. इसके बाद कुछ राज्यों ने वैट घटाकर या बढ़ाकर कीमतों को प्रभावित करने की कोशिश की। दिलचस्प बात यह है कि जब से देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतें अंतरराष्ट्रीय बाजार के अनुसार रोजाना बदलने लगीं, यह पहली बार है कि पेट्रोलियम कंपनियों ने रिकॉर्ड समयसीमा के दौरान कोई बदलाव नहीं किया है।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ दूसरी तिमाही में क्लेम सेटेलमेंट शीर्ष पर

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2024 की दूसरी तिमाही के लिए, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस निजी क्षेत्र के जीवन बीमाकर्ताओं के बीच क्लेम सेटेलमेंट अनुपात में शीर्ष पर है । वित्त वर्ष 2024 की पहली तिमाही में कंपनी का सर्वश्रेष्ठ क्लेम सेटेलमेंट अनुपात 97.9 प्रतिशत था। यह ग्राहकों और उनके परिवारों से किए गए वादों को पूरा करने की उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है ।गौरतलब है,वित्त वर्ष 2023 के लिए कंपनी का क्लेम सेटेलमेंट अनुपात 98.7 प्रतिशत था और वास्तविक मृत्यु क्लेम को निपटाने में लगने वाला औसत समय 1.2 दिन था। यह सुनिश्चित करता है कि दावेदारों को दावा राशि तक तत्काल पहुंच मिले। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस का दूसरी तिमाही-वित्त वर्ष 2024 का क्लेम सेटेलमेंट अनुपात 98.14 प्रतिशत है । टाटा एआईए लाइफ इंश्योरेंस का 90.55 प्रतिशत,एचडीएफसी लाइफ का 96.62 प्रतिशत, बजाज अलियांज लाइफ इंश्योरेंस का 91.79 प्रतिशत,मैक्स लाइफ इंश्योरेंस का 95.90 प्रतिशत,एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस का 95.67 प्रतिशत है।

यह जानकारी क्लेम सेटेलमेंट में आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस की निरंतरता को दर्शाती है। डेटा कंपनी की वेबसाइट पर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध है ।कंपनी ग्राहक-केंद्रित है और इसकी क्लेम फॉर श्योर सेवा पहल यह सुनिश्चित करती है कि सभी पात्र मृत्यु दावों का सभी आवश्यक दस्तावेज प्राप्त होने के बाद 1 दिन में निपटान किया जाए।

सर्विस सेक्टर की रफ्तार पड़ी सुस्त, नवंबर में एक साल के निचले स्तर पर पहुंचा पीएमआई

***नई दिल्ली।** भारत के सेवा क्षेत्र की गतिविधियां नवंबर में एक साल के निचले स्तर पर पहुंच गईं। नए आर्डर मिलने और काम पूरा करने की धीमी रफ्तार के कारण यह गिरावट आई है। एक मासिक सर्वेक्षण में यह जानकारी दी गई है। मौसमी रूप से समायोजित एसएंडपी ग्लोबल भारत सेवा पीएमआई कारोबारी गतिविधि सूचकांक नवंबर में एक साल के निचले स्तर 56.9 पर पहुंच गया। यह अक्टूबर में 58.4 था। मासिक आधार पर गिरावट के बावजूद, विस्तार की दर इसके दीर्घकालिक औसत से अधिक मजबूत है।*

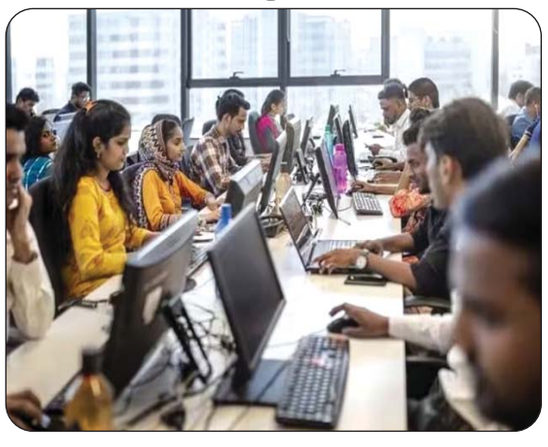

खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) की भाषा में 50 से ऊपर अंक का मतलब गतिविधियों में विस्तार से और 50 से कम अंक का आशय संकुचन से होता है। सर्वेक्षण सेवा क्षेत्र की करीब 400 कंपनियों को भेजे गए प्रश्नावली के जवाबों पर आधारित है। एसएंडपी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस में अर्थशास्त्र की एसोसिएट निदेशक पॉलियाना डी लीमा ने कहा, '' भारत के सेवा क्षेत्र ने तीसरी वित्त तिमाही के मध्य में ही वृद्धि की गति खो दी, हालांकि हम सेवाओं की मजबूत मांग देख रहे हैं जिससे नए आर्डर मिलने और काम पूरा करने की गति बढ़ेगी। '' कीमतों की बात करें तो कच्चे माल और काम पूरा करने की दरें आठ महीने के निचले स्तर पर फिसल गईं। रोजगार के मोर्चे पर सेवा कंपनियों ने कारोबार के मुख्य तौर पर स्थिर स्तर पर रहने से नई भर्तियां रोकी हैं। इस बीच एसएंडपी ग्लोबल इंडिया कंपोजिट पीएमआई आउटपुट सूचकांक नवंबर में 57.4 रहा, जो अक्टूबर में 58.4 था।

महावर ट्रेडिंग कंपनी, गांधीगंज
फोन- 4067270, 9826035338
प्रति क्विंटल- राहर दाल एवरेज 13000-14000, मीडियम बोल्ड 15000-16000, फाइन 17000-17500, एकस्ट्रा बोल्ड 17500-18000, चना दाल एवरेज 7400-7600 चना दाल मार्का 7600-7800, मसूर दाल एवरेज 7800-8000, मसूर दाल फाइन 8000-8200, उड़द छिलका 11000-12000, फाइन 12500-13000, उड़द धुली 11500-12500, फाइन 13000-13500, मूंग दाल छिलका 9000-9500, मूंग दाल फाइन 10000-10200, मूंगदाल धुली 10500-10800, फाइन 10800-11000। चावल - पुराना चावल सरना चालू 3000-3200, बेस्ट 3200-3400, बीपीटी चालू 3200-3400, फाइन 4000-4200,एचएमटी-5000-5300 फाइन-5500-5800 दुबराज भाटापारा 5000-5200, जेजेएल चालू 5500-6000, फाइन 6000-6500, बासमती कनकी चालू 3000-3500, बासमती कनकी मीडियम 4000-4500, बेस्ट 4500-5500, मोगरा- 4000-4500, दुबार- 5500-6000, तिबार- 7000-8000, बासमती 10000-11000, बेस्ट 12000-12500 पोहा- 4000-4200, फाइन 4200-4400, मुरमुरा- 5800-6500, फाइन- 7000-7500, रु.- लाई- 6000-6500 रु., फाइन- 8000-8500 रु.।

सोहन लाल एण्ड संस
रसल चौक फोन- 9425156095
सोना बुलियन (प्रति 10 ग्राम) फाइन भाव- 63100 चांदी रिफाइन - 76500

दुल्हन श्री आभूषण
कमानिया गेट, सराफा बाजार-
मो. 9425860998,9826307100
सोना बुलियन (प्रति 10 ग्राम) फाइन भाव- 63100 चांदी रिफाइन - 76500

रुपया के मुकाबले अन्य मुद्राएं

मुद्रा	रुपया
एक अमेरिकी डॉलर	83.41
एक यूरो	90.50
एक ब्रिटिश पाउंड	105.23
एक आस्ट्रेलियन डॉलर	55.34
एक जापानी येन	00.56

परफेक्ट हैचरीज एंड पोल्ट्री प्रोडेक्ट इंडिया प्रा. लि.
864 मारुति शोरूम के सामने
फोन- 2412223,9329428085
जिंदा बायलर्स बड़ा- फार्म रेट 86 प्रति कि.
जिंदा बायलर्स मीडियम- फार्म रेट 104 प्रति कि.
जिंदा बायलर्स छोटा- फार्म रेट-114 नेट प्रति किलो
जिंदा मुर्गी लेयर कल्स -76 नेट प्रति किलो
जिंदा काकरेल-मुर्गा- 150 रु. प्रति किलो
(जिंदा थोक फार्म रेट)

अग्रवाल आयरन ट्रेडर्स
शास्त्री-ब्रिज 4004070, 2402070
भाव प्रति क्विं.- 5.5 एम एम 6400, 6 एम एम 6400, 8 एम एम 5880, 10 एम एम 5760,12 एम एम, 5700 एवं 16 एम 5700 रु.। तार- 76 रु. किलो।

ICICI PRUDENTIAL LIFE INSURANCE

रेमण्ड से ट्रेनिंग प्राप्त फ्यूजिंग सूट, ट्राउजर शर्ट स्पेशलिस्ट
टेलर्स वारिस
शॉप नं. 3 आनंद टॉकीज शॉपिंग काम्पलेक्स, जबलपुर फोन: 2405596
मो.-9424392281, 9425152707
देग्रासे सी 30/7/2022

100 प्रतिशत गारन्टेड इलाज
क्या आपको गुप्त रोग है। अंडकोष, बवासीर, सेक्स से संबंधित रोगों के स्थायी इलाज के लिए मिलें
बिना ऑपरेशन
डॉ. विश्वास
राइट टाउन, प्रेम मंदिर, होटल पंकज पेलेश के पीछे
मो: 9827042596

नोट- पाठकों को सूचना दी जाती है कि किसी भी विज्ञापन पर कार्रवाही जैसे पैसा भेजना, कोई खर्च करना या प्रकाशित विज्ञापन के विश्वास पर किसी प्रकार संबंध बनाना आदि करने से पूर्व आवश्यक/संपूर्ण जानकारी कर लेवें।
देशबन्धु यह भी घोषित करता है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित होने वाले किसी भी राजनैतिक, सामाजिक अथवा अन्य प्रकार के विज्ञापनों से देशबन्धु का कोई सरोकार नहीं है। अत: विज्ञापनदाता द्वारा जारी किये गये किसी भी प्रकार के दावे/प्रस्तुतिकरण के लिये जिम्मेदार नहीं हैं।

मुंबई की फार्मा कंपनी को जबलपुर ब्रांच हेतु आवश्यकता है
उम्र 18 से 27, योग्यता- 12वीं, ग्रेजुएट
Posts-Computer Operator Accountant, Office Ass., HR, Advisor, Health Advisor, Admin.
MO: - 7880251021
8767693588

देशबन्धु
ग्राहक सेवा

प्रकाशक-गिरिराज चाचा, मुद्रक-मोहन सुरजन द्वारा पत्रकार प्रकाशन प्रा. लिमि. के लिये देशबन्धु काम्पलेक्स नौदराब्रिज जबलपुर से प्रकाशित एवं श्रीजी प्रिंटर्स से मुद्रित, सम्पादक-अशोक मिश्रा, * (* पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार)
फोन संपादकीय-4006577 व्यवस्था - 4085031, 4085679, 2626244 आर.एन.आई. पंजी. क्रमांक 38276/71 डाक पंजीयन क्रमांक-एसएसपी जबलपुर /04/2020-2022 E mail- Jabdesh1@yahoo.com

किसानों का विरोध खत्म, जबलपुर-दमोह-पाटन मार्ग करीब 22 घंटे बाद खुला

700 रूपये प्रति बोरी मटर खरीदेगा प्रशासन

जबलपुर, देशबन्धु। इस बार मटर की बंपर उपज किसानों के लिये मुसीबत बन गई है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है अब व्यापारियों ने मटर खरीदी से हाथ ऊपर कर लिये हैं और जो किसान खरीदने की जिद कर रहे हैं उनसे अत्यंत कम कीमत पर मटर खरीदी की बात सामने आई है। जिसके बाद सोमवार की शाम छ बजे से कृषि उपज मंडी के सामने किसानों ने सड़क बंद कर प्रदर्शन शुरू कर दिया जो सोमवार 6 बजे से मंगलवार दिन तक जारी रहा। इस क्षेत्र में सामान्य गतिविधि पूरी तरह ठप्प हो गई। सड़के जाम होने से राहगीरों को खासा परेशान देखा गया। जो वहां था घंटों वहीं जाम में फंसा रहा।

प्रशासन के आश्वासन के बाद किसान माने

मंडी में किसानों के प्रदर्शन को देखते हुये जिला प्रशासन ने हस्तक्षेप किया और 700 रूपये बोरी मटर खरीदने की पेशकश किसानों के सामने रखी। जिसके बाद किसानों ने भी इस मूल्य पर हामी भर दी और विरोध प्रदर्शन खत्म कर दिया। मंगलवार को लगभग शाम 4 बजे सभी मार्ग खुल गये और आवागमन शुरू कर दिया गया।

जिम्मेदारों ने किसानों से की चर्चा

कृषि उपज मंडी में किसानों के आक्रोश को देखते हुये एएसपी, एडीश्नल कलेक्टर, मंडी सचिव, एवं किसान प्रतिनिधि एवं कृषि उपज मंडी सब्जी व्यापारी संघ व फल मंडी के पदाधिकारी जिनमें अशरफ भाई, धनीराम चौबे, गुड्डू भाई और राजेन्द्र पटेल तथा माढोताल थाना प्रभारी विपिन ताम्रकार ने मिलकर किसानों से चर्चा की और मटर खरीद के लिये प्रशासन की ओर से पक्ष रखा जिसके बाद किसानों ने प्रशासन की शर्तों पर मटर बिक्री के लिये हामी भरी और प्रदर्शन समाप्त कर दिया।

आम जनता हुई घंटों परेशान

कृषि उपज मंडी पर सड़कों के दोनों ओर प्रदर्शन के दौरान वाहनों की लंबी-लंबी लाइने लग गई। एक तरह से प्रशासन इस मामले को लेकर लाचार नजर आया। वहीं अभी नई सरकार का गठन नही हुआ है। ज्यादातर नये विधायक रैली और स्वागत सत्कार में लगे हैं। इससे भी समस्या को सुलझाने में असुविधा देखी गई।

कई घंटा दीनदयाल उपाध्याय बस स्टेंड में गतिविधि ठप्प

इस समस्या के कारण दीनदयाल उपाध्याय बस स्टेंड में गतिविधियां पूरी तरह ठप्प हो गई हैं। यहां से न तो कोई बस जा पा रही है और न दूसरे शहरों से आने वाली बस पहुंच पा रही हैं। जो बस जबलपुर की तरफ आने वाली थी, उन्हें कटंगी-पाटन बायपास के पास रोक दिया गया था।

रात से सवारी भटकने को हुई मजबूर

इधर बसों का परिचालन प्रभावित होने से यात्रियो को अपने गंतव्य स्थान तक पहुंचने में भारी असुविधा का सामना करना पड़ा। जहां पर रेल का साधन है वहां किसी तरह यात्री पहुंचे, लेकिन जहां रेल का साधन नही है, उन लोगों की परेशानी का अंदाजा लगाया जा सकता है। साथ नगर वाहन सेवा भी बुरी तरह चौपट हो गई थी। इस मार्ग से गुजरने वाले छोटे बड़े वाहनो की आवा जाही पूरी तरह बंद रही।

मंडी में खड़े वाहनों की हवा निकाली

कृषि उपज मंडी के समक्ष बीती रात आक्रोशित किसानों ने यहां खड़े भारी वाहनों के टायरों की हवा निकाल दी गई। जिससे स्थिति और भी बिगड़ गई।

भारी वाहनों में इस तरह से हवा निकालने पर ऐसे वाहनों के लिये परेशानी हुई जो लंबी दूरी वाले वाहन चालकों को कई तरह की व्यवहारिक कठिनाईयों का सामना करना पड़। जिस तरह की स्थिति रही उसके बाद जरूरी काम से आस-पास रहने वाले वाहन चालकों के लिये छोटे-छोटे वैकल्पिक मार्ग गंतव्य स्थान तक पहुंचने का सहारा बने।

आचार्य धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी हटाओ

फेसबुक, ट्विटर सहित अन्य को निर्देश

जबलपुर, देशबन्धु। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने अंतरिम आदेश के जरिए फेसबुक, यू-ट्यूब, ट्विटर जैसे इलेक्ट्रॉनिक मीडिया को आचार्य धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री (बागेश्वर धाम) के विरुद्ध की गई आपत्तिजनक टिप्पणियां तत्काल हटाएं।

आचार्य धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के खिलाफ सोशल मीडिया पर पूर्व विधायक आरडी प्रजापति व अन्य द्वारा आपत्तिजनक पोस्ट करने को चुनौती देते हुए उनके शिष्य रंजीत सिंह पटैल ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। मामले पर प्रारंभिक सुनवाई के बाद जस्टिस संजय द्विवेदी की एकलपीठ ने कोर्ट ने केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण विभाग के सचिव, महाकवरेज न्यूज एमपी के चीफ एडिटर, लाइव हिन्दुस्तान नई दिल्ली के चीफ एडिटर, प्रभात खबर कोलकाता के चीफ एडिटर, जनता वाणी के चीफ एडिटर, यू-ट्यूब गूगल के सीईओ, फेसबुक मेटा हैदराबाद के सीईओ, ट्विटर कम्युनिकेशन के सीईओ और पूर्व विधायक आरडी प्रजापति को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। मामले पर अगली सुनवाई 8 जनवरी 2024 को होगी। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता पंकज दुबे व अक्षय खंडेलवाल ने दलील दी कि आचार्य धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री बागेश्वर धाम छतरपुर के पीठाधीश्वर हैं। वे सनातन धर्म के पूज्य संत हैं और उनकी महिमा पूरे विश्व में फैली है। याचिकाकर्ता का आरोप है कि आचार्य शास्त्री की विलक्षणता से नाखुश होकर दुर्भावनावश पूर्व विधायक प्रजापति ने उक्त मीडिया में आपत्तिजनक पोस्ट और खबरें प्रकाशित कराई हैं। आरोप है कि प्रजापति ने केवल आचार्य की प्रतिष्ठा धूमिल करने के उद्देश्य से ऐसा किया है। याचिकाकर्ता ने आचार्य शास्त्री के खिलाफ अपमानसूचक टिप्पणियों के संबंध में संबंधित अधिकारियों को शिकायतें कीं और उक्त मीडिया के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। जब कुछ नहीं हुआ तो अंतत: हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई।

चोरी के आरोप में महिला को थाने में पीटने का मामला

घायल महिला ने बताया पुलिस का सच

देशबन्धु फॉलोअप

जबलपुर, देशबन्धु। ओमती थाना में एक महिला के साथ थाने में बंद कर बर्बरता पूर्ण व्यवहार करने और एक महिला पुलिस द्वारा उसे बेरहमी से पीटने का मामला सोमवार रात सामने आया था। जिसमें जबलपुर जिले के रसल चौक क्षेत्र स्थित होटल समदड़िया इन में एक महिला सफाई कर्मी को चोरी के शक में पुलिस ने थाने में बुलाकर बिना एफआईआर दर्ज किये उसे बेरहमी से पीटा। जिससे उसके पूरे शरीर में गंभीर चोटें आयी है। जिसकी पुष्टि जिला अस्पताल विक्टोरिया के डॉक्टरों ने भी कर दी है। डॉक्टर ने बताया कि महिला के साथ बेरहमी से मारपीट की गई है। जिसका उपचार किया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार बीती रात महिला को बेरहमी से पीटने के बाद ओमती थाना पुलिस ने पीड़ित महिला मंजू वंशकार निवासी घमापुर को थाने के बाहर भगा दिया और बाहर किसी से कुछ भी न कहने की बात कही। उसके बाद परिजनों को फोन कर मंजू को ले जाने की बात कही। परिजनों ने जब मंजू की हालत देखी तो स्तब्ध रह गये और घर ले गये। लेकिन घर ले जाने के बाद मंजू की हालत बिगड़ती चली गई। तथा उठने बैठने काफी परेशानी हो रही थी। पुलिस की वंशकार समाज की महिला के साथ बर्बरता की बात जब समाज के लोगों को पता चली तो वह आक्रोशित हो गये और घायल महिला को थाने में जमीन पर लेटा कर विरोध प्रदर्शन किया। लेकिन मंजू वंशकार की स्थिति कुछ भी बोलने लायक नहीं थी वह घंटों बेसुध रही। लेकिन उसे वहां देर रात विक्टोरिया अस्पताल ले जाया गया। जहां अभी महिला उपचाररत है।

महिला पुलिस सुनीता पंच का नाम आया सामने- इस घटना में मुख्य रूप से महिला पुलिस सुनीता पंच का नाम सामने आया है। जिसने इस पूरे घटना क्रम में महिला को बेरहमी से पीटा है। बताया जा रहा है कि सुनीत पंच पुलिस विभाग की तरफ से वेट लिफ्टर है जिन्होंने हाल ही में पुलिस विभाग के लिये कई पदक जीते हैं। घटना के संबंध में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रियंक शुक्ला ने बताया कि दोषी पुलिस कर्मी सुनीता पंच पर कार्रवाई की गई है। और पूरे मामले की जांच की जा रही है।

अस्पताल में महिला ने बतायी आपबीती- लंबे समय तक बेसुध रहने के बाद जब अस्पताल में मंजू वंशकार का इलाज शुरू किया गया तो वह होश में आयी और उसने देशबन्धु प्रतिनिधि से रात 2 बजे महिला पुलिस द्वारा उसके साथ किया गया एक-एक वाक्या बताया। जो दिल दहला देने वाला है। मंजू वंशकार ने बताया कि वह रसल चौक स्थित एक होटल में सफाई कर्मी है। दो दिन पहले साफ-सफाई के दौरान उसे एक सोने का ब्रेस लेट मिला था। जो उसने अपने कोर्ट की जेब में रख दिया था। और होटल में एक बिजली कर्मी मनोज से कहा था कि उसे देखे वह मैनेजर पप्पू को बुलाकर आती है। जब वह वहां वापस लौटी तो ब्रेसलेट गायब हो गया। जिसके बाद मैनेजर ने पुलिस को फोन कर घटना की जानकारी दी। पुलिस ने होटल पहुंचकर दो महिलाओं व दो पुरूषों को थाने बुलाया और एक ही कमरे में एक साथ पीटा।

महिला की निर्वस्त्र कर की चैकिंग- मंजू ने बताया कि महिला पुलिस ने उसे बाथरूम ले गई और

उसे निर्वस्त्र कर तलाशी ली। लेकिन कुछ नहीं मिला। और कपड़े पहने के बाद उसे फिर मारा। साथ ही सुरक्षा गार्ड, बिजली कर्मी मनोज और एक अन्य महिला को भी बहुत पीटा। महिला पुलिस ने उसे पेट, कमर, पैर व अन्य जगहों पर लात, घूंसों से बेरहमी से मारा। जिससे उसके पूरे शरीर में चोट के निशान बने गये। यहां तक की उसे दो दिन पीने के लिये पानी भी नहीं दिया।

एनआई कार्य के चलते अहमदाबाद-दरभंगा स्पेशल ट्रेन

जबलपुर, देशबन्धु। रेल प्रशासन द्वारा अधोसंरचना विकास के लिये उत्तर रेलवे, लखनऊ मंडल के शाहगंज, बिल्वाई एवं तुलसी नगर स्टेशनों में नॉन इंटरलॉकिंग कार्य के चलते पश्चिम मध्य रेलवे से होकर गुजरने वाली कुल 1 जोड़ी यात्री गाड़ी को निरस्त किया गया है साथ ही 15 ट्रेनों के मार्ग में परिवर्तन किया गया है। जिसमें गाड़ी संख्या 09465 अहमदाबाद-दरभंगा के मध्य चलने वाली स्पेशल साप्ताहिक एक्सप्रेस गाड़ी 8 दिसम्बर एवं 15 दिसम्बर को कुल 2 ट्रिप निरस्त रहेगी, गाड़ी संख्या 09466 दरभंगा-अहमदाबाद के मध्य चलने वाली स्पेशल साप्ताहिक एक्सप्रेस गाड़ी 11 दिसम्बर एवं 18 दिसम्बर को कुल 2 ट्रिप निरस्त रहेगी।

वहीं दूसरी ओर गाड़ी संख्या 11055 एलटीटी-गोरखपुर गोदान एक्सप्रेस 6, 8, 10, 11, 13 एवं 15 दिसम्बर को प्रारंभिक स्टेशन से चलकर अपने निर्धारित रूट के बजाए जौनपुर-औडिहार जं.-मऊ जं.-गोरखपुर रूट से गंतव्य को जाएगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 11056 गोरखपुर-एलटीटी गोदान एक्सप्रेस 8, 10, 12, 13 एवं 15 दिसम्बर को प्रारंभिक स्टेशन से चलकर अपने निर्धारित रूट के बजाए गोरखपुर-मऊ जं.-औडिहार जं.- जौनपुर रूट से गंतव्य को जाएगी, गाड़ी संख्या 11059 एलटीटी-छपरा एक्सप्रेस 7, 09, 12 एवं 14 दिसम्बर को प्रारंभिक स्टेशन से चलकर अपने निर्धारित रूट के बजाए जौनपुर-औडिहार जं.-मऊ जं.-छपरा रूट से गंतव्य को जाएगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 11060 छपरा-एलटीटी एक्सप्रेस 7, 9, 11, 14 एवं 16 दिसम्बर को प्रारंभिक स्टेशन से चलकर अपने निर्धारित रूट के बजाए छपरा-मऊ जं.-औडिहार जं.-जौनपुर रूट से गंतव्य को जाएगी। गाड़ी संख्या 19045 सूरत-छपरा ताप्ती गंगा एक्सप्रेस 6, 7, 8, 10, 11, 13, 14 एवं 15 दिसम्बर को प्रारंभिक स्टेशन से चलकर अपने निर्धारित रूट के बजाए जौनपुर-औडिहार जं.-मऊ जं.-छपरा रूट से गंतव्य को जाएगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 19046 छपरा-सूरत ताप्ती गंगा एक्सप्रेस 8, 9, 10, 12, 13, 15 एवं 16 दिसम्बर को अपने निर्धारित रूट के बजाए छपरा-मऊ जं.-औडिहार जं.-जौनपुर रूट से गंतव्य को जाएगी। गाड़ी संख्या 19053 सूरत-मुजफ्फरपुर एक्सप्रेस 15 दिसम्बर को प्रारंभिक स्टेशन से चलकर अपने निर्धारित रूट के बजाए लखनऊ चारबाग-बाराबांकी- गोंडा-गोरखपुर-छपरा रूट से गंतव्य को जाएगी।

इसी प्रकार गाड़ी संख्या 19054 मुजफ्फरपुर-सूरत एक्सप्रेस 10 दिसम्बर को प्रारंभिक स्टेशन से चलकर अपने निर्धारित रूट के बजाए छपरा- गोरखपुर- गोंडा- बाराबांकी-लखनऊ चारबाग रूट से गंतव्य को जाएगी। गाड़ी संख्या 19165 अहमदाबाद-दरभंगा साबरमती एक्सप्रेस 6, 8, 10, 13 एवं 15 दिसम्बर को प्रारंभिक स्टेशन से चलकर अपने निर्धारित रूट के बजाए लखनऊ चारबाग-बाराबांकी-गोंडा-गोरखपुर-छपरा रूट से गंतव्य को जाएगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 19166 दरभंगा-अहमदाबाद साबरमती एक्सप्रेस 9, 11, 13 एवं 16 दिसम्बर को प्रारंभिक स्टेशन से चलकर अपने निर्धारित रूट के बजाए छपरा- गोरखपुर- गोंडा- बाराबांकी- लखनऊ चारबाग रूट से गंतव्य को जाएगी। गाड़ी संख्या 13238 कोटा-पटना एक्सप्रेस 10, 14 एवं 15 दिसम्बर को प्रारंभिक स्टेशन से चलकर अपने निर्धारित रूट के बजाए लखनऊ चारबाग-सुलतानपुर - जफराबाद रूट से गंतव्य को जाएगी।

पमरे से गुजरने वाली 15 ट्रेनों के मार्ग परिवर्तित

गाड़ी संख्या 15636 गुवाहाटी-ओखा द्वारका एक्सप्रेस 11 दिसम्बर को प्रारंभिक स्टेशन से चलकर अपने निर्धारित रूट के बजाए जफराबाद-सुलतानपुर - लखनऊ चारबाग रूट से गंतव्य को जाएगी। गाड़ी संख्या 15668 कामाख्या-गांधीधाम एक्सप्रेस 13 दिसम्बर को प्रारंभिक स्टेशन से चलकर अपने निर्धारित रूट के बजाए जफराबाद-सुलतानपुर - लखनऊ चारबाग रूट से गंतव्य को जाएगी। गाड़ी संख्या 19321 इंदौर-पटना एक्सप्रेस 9 दिसम्बर को प्रारंभिक स्टेशन से चलकर अपने निर्धारित रूट के बजाए लखनऊ चारबाग- सुलतानपुर - जफराबाद रूट से गंतव्य को जाएगी। गाड़ी संख्या 22103 एलटीटी-अयोध्या कैंट सुपरफ़ास्ट एक्सप्रेस 11 दिसम्बर को प्रारंभिक स्टेशन से चलकर अपने निर्धारित रूट के बजाए जफराबाद- सुलतानपुर-अयोध्या कैंट रूट से गंतव्य को जाएगी।

गोटेगांव में 2 सगे भाइयों पर हुई फायरिंग, एक की मौत दूसरे को जबलपुर किया रेफर

गोटेगांव, देशबन्धु। नरसिंहपुर जिले में दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक आरोपी ने दो भाईयों पर फायरिंग कर दी। इस घटना में एक भाई की मौत हो गई, जबकि दूसरे भाई की गंभीर हालत बनी हुई है। जिसके बाद उसे जबलपुर रेफर किया गया है। घटना गोटेगांव थाना अंतर्गत ग्राम गंगईकलां की बताई जा रही है। जानकारी के मुताबिक 40 वर्षीय डोरी लाल पिता मुलाम मलाह और 35 वर्षीय सीताराम पिता मुलाम मलाह अपने घर के पास खड़े हुए थे। इसी दौरान क्षेत्र के बृजलाल नामक युवक ने उन दोनों पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी।

इस हमले में डोरी लाल मलाह की मौके पर ही मौत हो गई। वही सीताराम मलाह को गंभीर अवस्था में जबलपुर स्थित मेडिकल अस्पताल लाया गया है। मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दीं है।

सुको के निर्णय के इंतजार में प्राथमिक शिक्षकों की नियुक्ति संबंधी मामले में सुनवाई बढ़ी

हाईकोर्ट में अगली सुनवाई जनवरी माह के प्रथम सप्ताह में

जबलपुर, देशबन्धु। मप्र हाईकोर्ट ने बीएड डिग्रीधारकों को प्राथमिक शिक्षकों के पद पर नियुक्ति देने को चुनौती देने वाले मामले में मंगलवार को सुनवाई बढ़ गई। जस्टिस शील नागू व जस्टिस देव नारायण मिश्रा की युगलपीठ के समक्ष मंगलवार को शासन की ओर से बताया गया कि 11 अगस्त 2023 को सर्वोच्च न्यायालय द्वारा जारी आदेश के संबंध में पुनर्विचार याचिका दायर हुई, जिस पर 11 दिसंबर को सुनवाई होना है। जिसके बाद ही बीएड डिग्री धारियों का भविष्य तय होगा। उक्त जवाब के बाद न्यायालय ने मामले की सुनवाई जनवरी माह के प्रथम सप्ताह तक के लिये मुलतवीं कर दी।

उल्लेखनीय है जबलपुर निवासी रोहित चौधरी समेत प्रदेश के अलग-अलग जिलों के दर्जनों डीएलएड छात्रों ने याचिका दायर कर एनसीटीई द्वारा 26 अगस्त 2018 की उस अधिसूचना को चुनौती दी है जिसके तहत प्राथमिक शिक्षक भर्ती के लिए बीएड डिग्रीधारकों को भी पात्र माना है।

इसी के तहत अब सैकड़ों बीएड डिग्रीधारक उम्मीदवारों ने भी हस्तक्षेप आवेदन प्रस्तुत किए हैं। याचिकाकर्ताओं की ओर से कहा गया कि बीएड डिग्रीधारकों के लिए यह शर्त रखी गई है नियुक्ति के दो वर्ष के भीतर ऐसे शिक्षकों को एक ब्रिज कोर्स करना होगा। जबकि प्रदेश में प्राथमिक शिक्षक पात्रता परीक्षा 2018 के तहत सैकड़ों बीएड डिग्री वालों को भी नियुक्ति दी गई है, जबकि अभी तक एनसीटीई ने ब्रिज कोर्स का सिलेबस भी निर्धारित नहीं किया है। मामले में याचिकाकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता रामेश्वर सिंह ठाकुर व विनायक शाह पैरवी कर रहे है।

विशिष्ट आवासीय विद्यालयों में प्रवेश 6 दिसंबर से

जबलपुर, देशबन्धु। जनजातीय कार्य विभाग के विशिष्ट आवासीय विद्यालयों में प्रवेश के लिये ऑनलाइन आवेदन 6 दिसंबर को सुबह 11 बजे से भरे जा सकेंगे। आवेदन की अंतिम तारीख 8 जनवरी 2024 (शाम 5 बजे तक) है। परीक्षा प्रवेश-पत्र 29 जनवरी को सुबह 10 बजे से डाउनलोड किये जा सकेंगे।

परीक्षा 11 जनवरी 2024 को सुबह 10 से 12 बजे तक होगी। एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय में बालकों के लिये 1795, बालिकाओं के लिये 1820 सीट हैं। इसी तरह कन्या शिक्षा परिसर में बालिकाओं के लिये 4552 और आदर्श आवासीय विद्यालयों में बालकों के लिये 280 सीट हैं।

J.B.F.A.
जबलपुर बॉयलर फार्मस् एसोसियेशन
मुर्गा छोटा - रु. 110
मुर्गा मीडियम - रु. 100
मुर्गा बड़ा - रु. 80
मुर्गा जम्बो - रु. 66
मो.-9039925000, 9425800409

सोनू पोल्ट्री
बड़ा ब्रॉयलर - रु. 76
मीडियम ब्रॉयलर - रु.96
छोटा ब्रॉयलर - रु. 106
मोबाइल नं. 9300692405

आसान किस्तों में उपलब्ध
मिश्रा इन्टरप्राइजेज
सभी ब्रांडेड कम्पनियों के टी.वी. एल.सी.डी. फ्रिज, डी.वी.डी. वुडन फर्नीचर, स्टील फर्नीचर उपलब्ध है
1. उपभोक्ता की संतुष्टि ही सफलता की सीढ़ी है।
2. उपभोक्ता सेवा ही जीवन का लक्ष्य है।
एल.जी. सेमसन, फिलिप्स, बी.पी. एल. सोनी, वेस्टन व अन्य कंपनियों के उपलब्ध है।
441, सरकारी कुंआ, शीतलामाई वार्ड पश्चिमी घमापुर, जबलपुर
मो. 9200000162 फोन- 2626496

अनाज राशन दुकान से गायब, विक्रेता पर एफआईआर दर्ज

कटनी, देशबन्धु। कटनी जिले के बहोरीबंद क्षेत्र के ग्राम पंचायत भूला में स्थित शासकीय उचित मूल्य दुकान में लगभग 150 हितग्राहियों को मिलने वाला निःशुल्क गेहूं और चावल गायब हो गया। इसका खुलासा खाद्य विभाग से पहुंचे कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी प्रमोद मिश्रा और उनकी टीम द्वारा भौतिक सत्यापन में हुआ। स्लीमनाबाद पुलिस थाने में शासकीय उचित मूल्य दुकान भूला के संचालक सुनील यादव के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। उस पर सार्वजनिक वितरण प्रणाली के गेहूं, चावल को खुर्द-बुर्द करने और हितग्राहियों को सामग्री वितरित नहीं करने का आरोप है। राशन विक्रेता सुनील यादव का मौके पर बयान लिया गया, जिसमें उसने कहा कि वह जून 2022 से शासकीय उचित मूल्य दुकान भूला का संचालन कर रहा है। वहीं, मौके पर मौजूद हितग्राहियों से पूछने पर उनके द्वारा बताया गया कि दुकान में अनाज की अनुपलब्धता के कारण फरवरी 2023 से लगभग 150 हितग्राहियों का राशन वितरण शेष है। कनिष्ठ अधिकारी पीयूष शुक्ला ने बताया कि खाद्य विभाग को मिली शिकायत पर जांच करने कनिष्ठ अधिकारी प्रमोद मिश्रा, याज्ञदत्त त्रिपाठी द्वारा भूला उचित मूल्य की दुकान पर जांच की, जहां 79.25 क्विंटल गेहूं और 468.22 क्विंटल चावल कम पाया गया।